3 राजधानी
भाजपा, कांग्रेस मुख्यालय में थिरके समर्थक

6 अभिमत
सफलतापूर्वक संपन्न चुनाव प्रक्रिया

11 विदेश
चीन यात्रा पर रवाना हुए शहबाज शरीफ

12 स्पोर्ट्स
नोवाक जोकोविच चोट के कारण फ्रेंच ओपन से हटे

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 207
नई दिल्ली, बुधवार, 5 जून, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

20 साल में दोबारा जीतने वाले पहले लोकसभा अध्यक्ष

राष्ट्रीय-10

ये क्या हुआ..... कैसे हुआ.... क्यों हुआ...!

अंकों के आधार पर भाजपा ने चुनावी जंग जीती

राजेश कुमार। नई दिल्ली

'ब्रांड नरेंद्र मोदी' के लिए एक बड़ी निराशा, लोकसभा चुनाव में अपने दम पर 370 सीटें जीतने तथा गठबंधन एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) के लिए 'अबकी बार 400 पार' का लक्ष्य रखने वाली भाजपा खुद बहुमत के जादुई अंक 272 को नहीं छू पाई। अब केंद्र में अगली सरकार बनाने के लिए वह नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले जनता दल (यू) तथा एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलुगू देसम पार्टी (टीडीपी) और अन्य सहयोगियों की दया पर निर्भर है। यहां भाजपा मुख्यालय में शाम को फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में राजग को अपेक्षित बहुमत भारत के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है और लोगों ने लगातार तीसरी बार सत्तारूढ़ गठबंधन में अपना विश्वास जताया है।

एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, मैं इस स्नेह के लिए 'जनता जनार्दन' को नमन करता हूं और उन्हें आश्वासन देता हूं कि हम लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पिछले दशक में किए गए अच्छे काम जारी रखेंगे। उन्होंने गठबंधन के कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की भी सराहना की और कहा कि शब्द कभी भी उनके असाधारण प्रयासों के साथ न्याय नहीं करेंगे। भाजपा, जिसने 2019 की तुलना में इस बार अधिक सीटों पर चुनाव लड़ा, कुल वोटों का 36.91 प्रतिशत हासिल किया, जो लगभग 0.39 प्रतिशत अंकों की गिरावट है, 10 साल के शासन के बाद सबसे बड़ी पार्टी का टैग खो दिया। दूसरी ओर, कांग्रेस का वोट शेयर 2.22 प्रतिशत बढ़कर 21.68 प्रतिशत तक पहुंच गया और इसका असर उसकी सीटों की संख्या में भी दिखा। पार्टी 99 सीटें जीतने को तैयार है। हालांकि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को 294 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत मिला, जबकि सरकार बनाने के लिए 272 सीटों की जरूरत थी। 2019 के आम चुनाव में बीजेपी ने अपने दम पर 303 सीटें जीती थीं तथा एनडीए ने 353 सीटें जीती थीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस उम्मीदवार अजय राय को हराकर लगातार तीसरी बार वाराणसी सीट जीती। इस बार मोदी की जीत का अंतर 1,52,513 है, जो 2019 और 2014 के जीत के अंतर से कम है। 2019 में मोदी की जीत का अंतर 4,79,505 था। उन्होंने उस बार सपा की शालिनी यादव को हराया था जबकि कांग्रेस के अजय राय रनर रहे थे। बीजेपी के दिग्गज नेता- स्मृति ईरानी, अजय मिश्रा टेनी, अर्जुन मुंडा और कैलाश चौधरी, राजीव चंद्रशेखर, मेनका गांधी, संजीव बालियान, के. अन्नामलाई और लल्लू सिंह अपनी सीटें हार गए।

उप्र, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, महाराष्ट्र और हरियाणा में बड़े पीएम मोदी की लहर के शोर के बावजूद पांच ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने, अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण, जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने, भारत को एक संभावित महाशक्ति बनाना, राष्ट्रवाद जैसे भाजपा के मुद्दे हिंदी बेल्ट में काम नहीं आए। यहां भाजपा 2019 के परिणामों को बरकरार रखने में विफल रही। **(शेष पेज 9)**

एनडीए 291
इंडिया 234

.....लेकिन कांग्रेस भी है मैदान में डटी

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

कांग्रेस के राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे अमीर पार्टी के तेवर के सामने बेखौफ होकर डटे रहे और पार्टी कार्यकर्ताओं 'डरो मत' का नारा देते हुए दो आम चुनावाओं के बाद पार्टी को 100 सीट दिलाने में सफल रहे हैं। राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी के खातों को फ्रीज करने, सरकारी एजेंसियों द्वारा शत्रुतापूर्ण कार्रवाई, ढेरों उपहास, लोकसभा सदस्यता से वंचित होने और दशकों पुराने आवास छीन लिए जाने के बाद भी नहीं डिगे और डटकर मुकाबला किया। पीएम मोदी द्वारा 'शहजादा' कहे जाने और कई बार 'लॉन्च' किए जाने के उपहास को खारिज करते हुए राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के परिणाम के साथ मंगलवार को खुद को परिपक्व नेता के रूप में साबित किया। राहुल की दो भारत जोड़ो यात्राओं के दौरान उनसे जुड़ने वालों लोगों ने इसे खासकर महाराष्ट्र, राजस्थान, झारखंड, बिहार और सबसे अस्थिर उत्तर प्रदेश में सकारात्मक परिणाम के रूप में परिवर्तित किया।

चुनावी हार की एक लंबी श्रृंखला के बावजूद राहुल गांधी ने जनता के बीच जाकर उनसे संवाद स्थापित करने के साथ लोकतंत्र में एक प्रभावशाली विपक्ष की प्रासंगिकता को बनाए रखते हुए देश की सबसे पुरानी पार्टी के राजनीतिक भाग्य को पुनर्जीवित किया। यह उल्लेखनीय उपलब्धि भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में संभावित बदलाव का संकेत देती है और यह बताती है कि राहुल गांधी द्वारा पार्टी में किए गए रणनीतिक बदलाव ने पूरे देश के मतदाताओं को प्रभावित किया है। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि राहुल को मीडिया और एग्जिट पोल से अंतिम समय में भी शत्रुता का सामना करना पड़ा, जिसने कांग्रेस को लगभग खत्म कर दिया था, लेकिन उन्होंने भी एक बहादुरी के साथ इसे एग्जिट पोल नहीं बल्कि मोदी मीडिया पोल बताया। उन्होंने विपक्षी खेमे के लिए 295 से अधिक सीटों को जीतने का आंकड़ा रखा था जो उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है, जिसका नेतृत्व वे करने वाले थे।

हालांकि सत्तारूढ़ भाजपा की तुलना में यह संख्या काफी कम है, लेकिन आश्वस्त इंडिया गठबंधन बुधवार को बैठक करेगा और यह तय करेगा कि केंद्र में सरकार बनाने के लिए जेडी(यू) और टीडीपी जैसे पूर्व सहयोगियों से संपर्क किया जाए या नहीं। राहुल गांधी ने एक प्रेसवार्ता में कहा, हम कल अपने सहयोगियों के साथ बैठक करने जा रहे हैं। इन सवालों को उठाया जाएगा और वहां उनका जवाब दिया जाएगा। उन्होंने यह जवाब कांग्रेस और उसके सहयोगी एनडीए में शामिल दलों से सरकार बनाने का प्रयास करने के प्रश्न पर दिया। इस अवसर पर उनकी मां और सबसे लंबे समय तक कांग्रेस अध्यक्ष रहीं सोनिया गांधी, बहन और महासचिव प्रियंका गांधी और पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे भी मौजूद थे। प्रियंका भी इस अवसर पर सभी के आकर्षण का केंद्र बनीं और उन्होंने कांग्रेस के लोकसभा प्रदर्शन और खासकर उत्तर प्रदेश में उसके पुनरुत्थान पर बहुत संतोष व्यक्त किया। **(शेष पेज 9)**

दिल्ली

संजय राय। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में भाजपा अपना किला बचाने में सफल रही। चार जून की सुबह दिल्ली के सात अलग-अलग मतदान केंद्रों पर मतों की गिनती शुरू हुई तो दक्षिणी दिल्ली और चांदनी चौक लोकसभा सीट पर शुरुआत में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिला लेकिन मंगलवार दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के लिए सब कुछ मंगलमय रहा। यहां की सभी सातों लोकसभा सीटों पर भाजपा ने हैट्रिक लगाई है। दक्षिणी दिल्ली से आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी सहीराम, तो वहीं चांदनी चौक से कांग्रेस प्रत्याशी जय प्रकाश अग्रवाल ने भाजपा प्रत्याशियों ने बढ़त हासिल की तो कुछ पल के लिए उन दोनों दलों के प्रत्याशियों में खुशी की लहर उठी लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही भाजपा प्रत्याशियों के पाले में जब वोट गिरने लगे तब उनकी जीत का सिलसिला शुरू होता गया। दिल्ली की सभी सातों लोकसभा सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों ने लगातार बढ़त बनाए रखी और चुनाव नतीजे आने तक सभी प्रत्याशियों ने अच्छे खासे अंतर से जीत दर्ज की। उत्तर- पूर्वी लोकसभा सीट से लगातार तीसरी बार चुनाव लड़ रहे मनोज तिवारी के खिलाफ कांग्रेस ने कन्हैया कुमार को चुनाव मैदान में उतारा था, लेकिन कुमार का करिश्मा नहीं चल पाया। वह करीब 137066 के भारी मतों के अंतर से चुनाव हार गए। वहीं चांदनी चौक से भाजपा के प्रवीण खंडेलवाल ने कांग्रेस के जय प्रकाश अग्रवाल से शुरुआत में पीछे थे लेकिन परिणाम घोषित होने तक खड़ेलवाल ने अग्रवाल को 89325 मतों से हरा दिया। पश्चिम दिल्ली से भाजपा उम्मीदवार कमलजीत सहरावत आम आदमी पार्टी के महाबल मिश्रा को 196573 मतों से हार का स्वाद चखाया। **(शेष पेज 9)**

भाजपा की राह में रोड़े

उत्तर प्रदेश

वीरेंद्र नाथ भट्ट। लखनऊ

2024 के लोकसभा चुनावों में, 'यूपी के लड़के' ने विपक्षी इंडिया गुट के लिए अच्छा काम किया, जबकि 'लाभार्थी' और राम मंदिर भारतीय जनता पार्टी के लिए काम करने में विफल रहे। उत्तर प्रदेश, जिसने 2014 के बाद से लोकसभा में भाजपा की संख्या में बड़ी हिस्सेदारी हासिल की थी, 2024 के चुनाव में एक कठिन चुनौती साबित हुई। भारतीय चुनाव आयोग के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, यूपी की कुल 80 लोकसभा सीटों में से इंडिया ब्लॉक ने 43 सीटें जीतीं। इंडिया ब्लॉक की समाजवादी पार्टी ने 37 सीटें और कांग्रेस ने छह सीटें जीतीं। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए ने 36 सीटें जीतीं, जिसमें बीजेपी 33, राष्ट्रीय लोक दल 2, अपना दल (एस) 1 शामिल हैं। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के चंद्रशेखर ने नगीना (एससी) निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार उत्तर प्रदेश की वाराणसी लोकसभा सीट जीती। उन्होंने कांग्रेस के अजय राय को डेढ़ लाख से ज्यादा वोटों से हराया। नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस के दावेदार अजय राय **(शेष पेज 9)**

पश्चिम बंगाल

सौगर सेनगुप्ता। कोलकाता

मंगलवार को आम चुनावों के नतीजों में दिख रहे ममता के जादू ने मोदी के आक्रामक अभियान को फीका कर दिया। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने चुनौती देने वाली भाजपा को सचमुच पटखनी दे दी, जो मंगलवार को 2019 की 18 सीटों से घटकर 11 सीटों पर आ गई। यह तब हुआ, जब पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र में 7.74 लाख वोटों के अंतर से रिकॉर्ड तोड़ जीत दर्ज की, जिससे सीपीआई (एम) सांसद अनिल बोस का पिछला रिकॉर्ड टूट गया, जिन्होंने आरामबाग सीट से 5.8 लाख वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। कई सीटों पर गिनती अभी भी जारी है और अगर टीएमसी **(शेष पेज 9)**

महाराष्ट्र

टीएन रघुनाथ। मुंबई

कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से 28 सीटों पर जीत कर शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को सत्तारूढ़ भाजपा और उसके सहयोगियों से दो साल पहले अपनी पार्टियों में सेंध लगाने का बदला ले लिया है। जबकि सत्तारूढ़ गठबंधन ने 19 लोकसभा सीटें जीतीं। महाराष्ट्र में कांग्रेस ने 12 लोकसभा सीटों के साथ बढ़त हासिल की, जबकि शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) जिस तरह से एकीकृत शिवसेना और एनसीपी क्रमश: जून 2022 और जुलाई 2023 में पार्टी को तोड़ने से पैदा हुई सहानुभूति की लहर पर **(शेष पेज 9)**

ओडिशा के रण में भाजपा की ऐतिहासिक जीत

पायनियर समाचार सेवा। भुवनेश्वर/नई दिल्ली

भाजपा ने ओडिशा में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजू जनता दल (बीजेडी) सरकार को हराकर राज्य में हराकर पहली बार सरकार बनाने जा रही है। इसके साथ ही ओडिशा की लोकसभा सीटों पर भी भारी जीत हासिल कर इतिहास रच दिया है। भाजपा ने 147 विधानसभा वाली ओडिशा में बहुमत का आंकड़ा पार करते हुए विधानसभा की 74 सीटों पर जीत हासिल की है। जबकि बीजेडी 50 पर, कांग्रेस 14 सीटों पर ही जीत सकी है। राज्य की कुल 21 लोकसभा सीटों में से भाजपा ने 19 लोकसभा सीटें जीती हैं, जबकि बीजेडी और कांग्रेस ने एक-एक सीट जीती है। 2019 में भाजपा ने 8 सीटें जीती थीं, जबकि बीजेडी 12 लोकसभा सीटों के साथ सबसे बड़ी सीट थी। मोदी ने ओडिशा में भाजपा की जीत पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और सोशल मीडिया पर पोस्ट करके ओडिशा को 'सुशासन की शानदार जीत' के लिए धन्यवाद दिया। मोदी ने इस जीत पर गर्व व्यक्त करते हुए 'सभी मेहनती पार्टी कार्यकर्ताओं' को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद देते हुए लिखा, भाजपा के लोगों के सपनों को पूरा करने और ओडिशा को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार धर्मेंद्र प्रधान संबलपुर लोकसभा सीट पर एक लाख से अधिक वोटों से आगे चल रहे हैं, जबकि भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा पुरी लोकसभा सीट पर आगे चल रहे हैं। बीजद उम्मीदवार शर्मिष्ठा सेठी जाजपुर लोकसभा सीट पर आगे चल रही हैं, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार सप्तगिरि उलाका कोरापुट लोकसभा क्षेत्र में आगे चल रहे हैं। बीजद और पटनायक पर हार के प्रभाव को कम करके आंकना मुश्किल है, जो 2000 से राज्य के मुख्यमंत्री हैं और व्यापक रूप से बहुत लोकप्रिय माने जाते थे, खासकर राज्य स्तर पर। भाजपा की उपलब्धि को और बड़ा बनाने वाला तथ्य यह है कि वह बिना किसी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के चुनाव में उतरी, और काफी हद तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की **(शेष पेज 9)**

केरल

कुमार चेलप्पन। कोच्चि

उत्तर में भाजपा को मिले बड़े झटके के बावजूद हिंदुत्व संगठन पार्टी के साथ-साथ राज्य के इतिहास में पहली बार केरल में खाता खोलने में सफल रहा। भाजपा द्वारा मैदान में उतारे गए फिल्म अभिनेता से राजनेता बने सुरेश गोपी ने त्रिशूर लोकसभा सीट आसान अंतर से जीत ली। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सुनील कुमार (सीपीआई) को 75,000 वोटों के अंतर से हराया। वायनाड से मौजूदा सांसद कांग्रेस के राहुल गांधी ने अपनी सीट बरकरार रखी है क्योंकि खबर लिखे जाने तक वह दो लाख से अधिक वोटों से आगे चल रहे थे। कई राजनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार सुरेश गोपी की जीत केरल की राजनीति में एक ऐतिहासिक घटना है। खबर लिखे जाने तक केवल दो सीटों के नतीजे आधिकारिक तौर पर घोषित किए गए हैं जबकि बाकी सीटों पर गिनती अभी पूरी नहीं हुई है। दिलचस्प बात यह है कि वडकारा के मौजूदा सांसद के मुरलीधरन (कांग्रेस), जिन्हें उनकी बहन और पूर्व मुख्यमंत्री के करुणाकरण की बेटी पद्मजा वेणुगोपाल के भाजपा में शामिल होने के प्रभाव को कम करने के लिए त्रिशूर में स्थानांतरित कर दिया गया था, सीपीआई उम्मीदवार के बाद तीसरे स्थान पर रहे। राज्य में सत्तारूढ़ सीपीआई (एम) को केवल **(शेष पेज 9)**

गौतमबुद्ध नगर से भाजपा ने लगाई हैट्रिक

पूर्व केंद्रीय मंत्री महेश शर्मा ने सपा के डॉक्टर महेंद्र नागर को 5,59,472 मतों से दी शिकस्त

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतम बुद्ध नगर लोक सभा सीट पर भाजपा के प्रत्याशी डॉक्टर महेश शर्मा अपने निकटतम प्रतिद्वंदी समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी महेंद्र नागर को 5,59,472 मतो से मात दी हैं। डॉ. महेश शर्मा तीसरी बार गौतम बुद्ध नगर लोकसभा से चुनाव जीते हैं।

उन्होंने उत्तर प्रदेश में 80 सीटों पर चुनाव लड़े प्रत्याशियों में सर्वाधिक वोट से जीत दर्ज की है। जीत के अवसर पर बोलते हुए डॉक्टर महेश शर्मा ने गौतम बुद्ध ने की जनता, भारत के प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओं का आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि जनता और भाजपा के बड़े नेताओं ने उन पर जो विश्वास जताया है उस पर वह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा की सेवा निरंतर करते रहेंगे। डॉ महेश की जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है। जैसे ही उनकी जीत की सूचना कार्यकर्ताओं तक पहुंची, कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। काफी संख्या में शहर के उद्योगपति, सामाजिक लोग, राजनेता डॉ महेश शर्मा को बधाई देने पहुंचे।

जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि सुबह आठ बजे से फूल मंडी स्थित मतगणना केंद्र में मतों की गिनती शुरू हुई। उन्होंने बताया कि गौतम बुद्ध नगर लोकसभा सीट के लिए कुल 14 लाख 35 हजार 720 मत पड़े हैं।

जिनमें नोएडा जेवर और दादरी विधानसभा की 3 सीटों पर 958807 मत पड़े हैं। इन तीन विधानसभा सीटों की मतों की गिनती गौतम बुद्ध नगर में हो रही है। उन्होंने बताया कि खुर्जा और सिकंदराबाद विधानसभा सीट पर 476913 मत पड़े हैं। जिनकी गिनती बुलंदशहर में हो रही है।

उन्होंने बताया कि नोएडा और बुलंदशहर में हो रही पांचो विधानसभा सीटों की गिनती के प्रत्येक चरण की गणना के बाद एक साथ मिलान करके गौतम बुद्ध नगर से रुझान की घोषणा की जा रही है। उन्होंने बताया कि सबसे पहले डाक मत पत्रों और ईटीबीपीएस मतों की गणना हुई। इसके लिए क्रमश 10 और 13 टेबल लगाई गई है। उन्होंने बताया कि डाक मत पत्र और ईटीबीपीएस की मतगणना के बाद ईवीएम मशीन की मतगणना शुरू हुई। उन्होंने बताया कि फूल मंडी के तीन हाल में मतगणना हो रही है।

जेवर विधानसभा क्षेत्र की मतगणना सबसे पहले पूरी होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि नोएडा विधानसभा की मतगणना के लिए 21 टेबल लगाई गई हैं।

यहां पर 747 बूथ है। यहां की मतगणना 36 राउंड के बाद पूरी होगी। उन्होंने बताया कि दादरी विधानसभा के लिए 21 टेबल लगाई गई है। यहां पर 707 बूथ है। यहां की मतगणना 34 राउंड के बाद पूरी होगी। उन्होंने बताया कि जेवर विधानसभा के लिए 14 टेबल लगाई गई है। यहां पर 398 बूथ है। इसकी मतगणना 29 राउंड के बाद पूरी होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि खुर्जा विधानसभा के लिए 14 टेबल लगाई गई है, यहां पर 432 बूथ हैं। इसकी मतगणना 31 राउंड के बाद पूरी होगी। उन्होंने बताया कि सिकंदराबाद विधानसभा सीट के लिए 74 टेबल लगाई गई है, यहां पर 433 बूथ है। यहां की मतगणना 31 राउंड बाद पूरी हुई।

नोएडा में रिकॉड मतों से जीतने के बाद जिलाधिकारी मनीष कुमार से प्रमाण पत्र लेते महेश शर्मा।

यूपी के 80 सीटों में सबसे बड़ी जीत

प्रदेश में ये अब तक सबसे बड़ी जीत मानी जा रही है। डॉक्टर महेश शर्मा को इस बार 8 लाख 57 हजार 829 वोट मिले। वहीं, सपा कांग्रेस गठबंधन प्रत्याशी डॉक्टर महेंद्र नागर को 2 लाख 98 हजार 357 वोट मिले। तीसरे स्थान पर बसपा प्रत्याशी राजेंद्र सिंह सोलंकी को 2 लाख 51 हजार 615 वोट मिले। डॉ महेश शर्मा वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में यहां से 2 लाख 80 हजार वोट से जीते थे। वर्ष 2019 के चुनाव में उन्होंने 3 लाख 36 हजार 922 वोटो से जीत दर्ज की थी।

गाजियाबाद सीट पर फिर बजा कमल का डंका, अतुल गर्ग 3.37 लाख मतों से जीते

- भाजपा प्रत्याशी को 854170 और कांग्रेस की डॉली शर्मा को 517005 वोट मिले

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद लोकसभा सीट से बीजेपी के अतुल गर्ग ने 3 लाख वोटों के अंतर से इस सीट पर कब्जा कर लिया है। उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस की डॉली शर्मा रहीं। गाजियाबाद लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार अतुल गर्ग ने 3 लाख वोट के अंतर चुनाव जीत लिया है। कांग्रेस की डॉली शर्मा इस चुनाव में दूसरे नंबर पर रहीं।

ध्यान रहे कि बीजेपी ने दो बार से सासंद रहे वीके सिंह की जगह अतुल गर्ग पर दांव खेला था। गाजियाबाद लोकसभा सीट के लिए कुल 14 उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे। बीजेपी ने अपने मौजूदा सांसद वीके सिंह का टिकट काटकर अतुल गर्ग पर भरोसा जताया था। विपक्षी गठबंधन ने डॉली शर्मा और बहुजन समाज पार्टी बसपा ने नंदकिशोर पुंडीर पर दांव खेला था। लेकिन सुबह से हो रही काउंटिंग में शुरू से ही अतुल गर्ग ने बढ़त बनाए रखी और 3 लाख वोटों की ठीक-ठाक मार्जिन से जीत हासिल कर लिया। बता दें कि 2009 के आम चुनाव से लेकर 2019 तक के आम चुनाव में यह सीट बीजेपी के पास रही है। 2009 में इस लोकसभा की सीट बीजेपी के राजनाथ ने जीती थी। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में यह सीट बीजेपी के जनरल वीके सिंह ने जीती। 2019 में बीजेपी के जनरल वीके सिंह को कुल 944503 वोट मिले थे, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी रहे समाजवादी पार्टी के सुरेश बंसल को 443003 वोट मिले थे। इस तरह इनके बीच जीत-हार के वोटों का अंतर 501500 था।

गाजियाबाद लोकसभा सीट के लिए दूसरे चरण में गत 26 अप्रैल को चुनाव संपन्न हुआ था। कुल 29 लाख 45 हजार 487 मतदाताओं में से 14 लाख 69 हजार 260 मतदाताओं ने मतदान किया था। इसमें आठ लाख 26 हजार 667 पुरुष और छह लाख 42 हजार 189 महिला मतदाताओं ने अपने वोट का इस्तेमाल किया था।

गाजियाबाद लोकसभा सीट पर भाजपा ने जनरल वीके सिंह की जगह विधायक अतुल गर्ग को उम्मीदवार बनाया। इससे पहले पार्टी ने आठ बार चुनाव लड़ा है। सात बार जीत मिली है। सातों बार क्षत्रिय सांसद बने। भाजपा ने पहली बार चुनाव 1980 में लड़ा था और अनुसूचित जाति के संघप्रिय गौतम को उम्मीदवार बनाया था। उनकी जमानत जब्त हो गई थी। अतुल गर्ग संघ परिवार की पसंद कहे जाते हैं। वह 2017 और 2022 में गाजियाबाद सीट से विधान सभा चुनाव जीत चुके हैं। 2017 में उन्हें स्वास्थ्य राज्यमंत्री बनाया गया था। 2022 में उनकी जीत पहली से बड़ी थी लेकिन मंत्री नहीं बनाया गया। कविनगर निवासी अतुल गर्ग के कई प्रमुख शैक्षणिक संस्थान हैं। बता दें कि अतुल गर्ग का जन्म 26 अगस्त 1957 को गाजियाबाद में हुआ। जो उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री हैं। वे उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य हैंए जो गाजियाबाद विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। गर्ग भारतीय जनता पार्टी के सदस्य हैं। उन्होंने 2012 में उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनावों के लिए प्रचार किया था। लेकिन एक भी सीट नहीं जीत पाए थे। लेकिन 2017 के चुनाव के बाद वे विधानसभा में शामिल हो गए।

संक्षिप्त समाचार

मतगणना स्थल का निरीक्षण करते अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दिनेश कुमार पी.।

विश्व पर्यावरण दिवस पर गोष्ठी का आयोजन

नोएडा। विश्व पर्यावरण दिवस पर गिरधरपुर गांव में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के विषय में गोष्ठी का आयोजन किया। उम्मीद संस्था के संस्थापक एवं संयोजक डॉ देवेंद्र कुमार नागर एवं किसान नेता राजकुमार सिंह ने कहा कि बढ़ते तापमान को कम करने के लिए सबसे बड़ा बदलाव व्यवहार में लाने की जरूरत है। मकान बनाते समय एक लकड़ी के दरवाजे तथा विंडो बनवाने में वृद्धा पेड़ का उपयोग होता है। मकान में एक दरवाजा और विंडो कम लगते हैं तो पेड़ बचा सकते हैं। कपास के पौधों से एक शर्ट बनती है। पौधों को पानी से पहले सींचा जाता है एक कॉटन की शर्ट बनाने की प्रक्रिया में लगभग 5 हजार लीटर पानी का उपयोग होता है। छोटे-छोटे प्रयासों से हम पर्यावरण संरक्षण का कार्य कर सकते हैं। संरक्षक मास्टर ब्रह्म सिंह नागर ने कहा कि कागजों की अपेक्षा धरातल पर पर्यावरण संरक्षण का कार्य करने का काम करना चाहिए। इस मौके पर विजय चौहान, निमेष, सुंदरी, सुधा, महेश, गीता, देशराज प्रधान आदि लोग उपस्थित रहे।

शराब के नशे में छत से गिरने से युवक की मौत

नोएडा। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के अच्छेजा गांव के पास बसी कॉलोनी में शराब के नशे में छत से गिरने पर एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में लगी है। पुलिस ने बताया कि बरेली जनपद के हाफिज़गंज थाना क्षेत्र के हरहरपुर गांव निवासी महेंद्र पाल कोतवाली बादलपुर क्षेत्र के अच्छेजा गांव के पास किराए पर रहते थे। वह मजदूरी करते थे। सोमवार की शाम को अधिक शराब पीने के बाद मकान की छत पर चले गए। शराब का अधिक नशा होने के चलते वह मकान की छत से नीचे गिर गए। जिससे उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना आसपास के लोगों ने पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। और घटना की सूचना परिजनों को दी है।

अनियंत्रित कार पलटी, पांच घायल

नोएडा। थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के सेक्टर-54 पुलिस चौकी के सामने एफ ब्लॉक के पास अनियंत्रित कार के पलटने से उसमें सवार पांच युवक घायल हो गए। हादसे के समय कार की रफ्तार तेज थी। मामूली रूप से घायल पांचों कार सवारों को पुलिस ने नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। इस मामले में पुलिस से शिकायत नहीं की गई है। थाना सेक्टर 24 के प्रभारी निरीक्षक विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि पांच युवक नोएडा में स्थित एक कोचिंग में पढ़ने के लिए दोपहर को आए थे। वापस जाते समय जैसे ही वे सेक्टर.54 पुलिस चौकी के सामने पहुंचे तो कार चालक कार्तिक का कार से नियंत्रण हट गया और कार डिवाइडर पर चढ़ते हुए पलट गई। गनीगत रही कि कार की चपेट में कोई और व्यक्ति नहीं आया। कार में कार्तिक के साथ सिद्धार्थ, गौतम, कनिष्क और क्रिश भी सवार थे।

आधा दर्जन लोगों ने दो महिलाओं के साथ की मारपीट

नोएडा। थाना ईकोटेक-3 में एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि एक व्यक्ति ने बिजली की खंभे से उसकी तार काट दी। जब उसने और उसके पड़ोस में रहने वाली महिला ने विरोध किया तो उसने अपने साथियों को बुला लिया तथा उनके साथ मिलकर महिला उसकी सहेली और महिला के पति के साथ मारपीट की। इस घटना में तीनों को गंभीर चोट आई है। महिला का आरोप है कि झगड़े के दौरान उसकी सोने की चैन भी गिर गई है। थाना ईकोटेक .3 के प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि अमिता देवी पत्नी प्रताप मिश्रा ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

किसानों के विस्थापन के लिए 1296 करोड़ मंजूर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- जेवर के रन्हेरा, कुरैब, नगला जहानू, नगला हुकमसिंह और नगला भामला गांव की 1181 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत की गई

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के दूसरे चरण से प्रभावित होने वाले नौ हजार किसानों के विस्थापन के लिए राज्य सरकार ने 1296 करोड़ रुपये मंजूर कर दिए हैं। राज्य सरकार अपने हिस्से की 37.5 फीसदी राशि करीब 486 करोड़ जारी कर दी है।

इन राशि से एयरपोर्ट से प्रभावित पांच गांवों के लगभग 9000 किसानों के विस्थापन प्रक्रिया शुरू होगी। प्रभावित किसान फलैदा कट और मांडवलपुर पर बनाए जाने वाले टाउनशिप में विस्थापित किए जाएंगे। दरअसल, हवाई अड्डे के दूसरे चरण के फेज-1 के लिए जेवर के रन्हेरा, कुरैब, नगला जहानू, नगला हुकमसिंह और नगला भामला गांव की 1181 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत की गई है। शासन से 1296 करोड़ की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति के बाद हवाई अड्डे के विस्तारीकरण से प्रभावित परिवारों के लिए विस्थापन, टाउनशिप विकसित करने और प्रभावित परिवारों को उनकी संपत्ति का प्रतिकर देने में तेजी आएगी। प्रभावित परिवारों के किसानों ने पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन के तहत दो जगह टाउनशिप विकसित करने की मांग रखी थी। जिसके बाद फ लैदा कट और जेवर के मांडवलपुर गांव पर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। हवाई अड्डे के विस्तारीकरण के लिए अधिगृहीत 1181 हेक्टेयर जमीन का प्रतिकर मुआवजा प्रशासन सीधे किसानों के बैंक खातों में जमा कराया जा चुका है। अधिग्रहण के बाद प्रभावित होने वाले रन्हेवरा, कुरैब, कुरैब के मांजरा नगला जहानू, करौली के मांजरा नगला हुकमसिंह व रन्हेरा के मांजरा नगला भामला को विस्थापित करने का फैसला किया गया था। नियाल में नोएडा प्राधिकरण की भी 37.5 प्रतिशत, ग्रेटर नोएडा की 12.5 फीसदी और यमुना प्राधिकरण की 12.5 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। इस हिसाब से नोएडा प्राधिकरण को अपने हिस्से के 486.30 करोड़ और ग्रेटर नोएडा व यमुना विकास प्राधिकरण को 162.162 करोड़ रुपये जल्द जिला प्रशासन को उपलब्ध कराना होगा। एयरपोर्ट के दूसरे चरण के फेज-1 के लिए शासन से 486 करोड़ रुपये की धनराशि जारी कर दी गई है।

महिलाओं के भेष में लूटपाट, दो गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

वैशाली मेट्रो स्टेशन के पास महिलाओं के भेष में दो बदमाशों ने जबरन गाड़ी में घुसकर युवक से सोने की चेन, दो हजार रुपये और फोन लूट लिया। युवक ने भागकर पुलिस को घटना की सूचना दी।

हरकत में आई कौशांबी पुलिस ने दो लुटेरों को मंगलवार सुबह गिरफ्तार कर नकदी, चेन का टुकड़ा और फ ोन बरामद कर लिया है। दिल्ली के मंडावली में फाजलपुर निवासी मुकुल शर्मा नोएडा की निजी कंपनी में काम करते हैं। वह अपने दोस्त को मोहन नगर पर छोड़कर वापस दिल्ली लौट रहे थे। वैशाली मेट्रो स्टेशन के पास सड़क किनारे गाड़ी खड़ी कर वह लघु शंका करने लगे। तभी एक बदमाश महिला के भेष में जबरन उनकी गाड़ी में बैठ गया और धमकी देकर सोने की चेनए दो हजार रुपये व फोन लूट लिया। इसी बीच बदमाश ने अपने साथी को भी बुलाया, लेकिन मुकुल तब तक गाड़ी से निकलकर भाग गए। उन्होंने पुलिस को घटना की सूचना दी। इंदिरापुरम के एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर कौशांबी पुलिस तत्काल हरकत में आई और 12 घंटे के अंदर किशनगंज निवासी कार्तिक और दिल्ली स्थित जेजे कॉलोनी निवासी सतीश को वैशाली सेक्टर-2 की पुलिया से गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी महिलाओं का भेष बदलकर लूट की घटना को अंजाम देते हैं।

नोएडा में स्टंट बाज के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नोएडा। थाना नॉलेज पार्क में तैनात एक उप निरीक्षक ने एक कार चालक के खिलाफ तेजी और लापरवाही से वाहन चलाने और स्टंट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज करवाया है।

इस बाबत सोशल मीडिया पर कुछ दिन पूर्व एक वीडियो वायरल हुई थी। थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि उप निरीक्षक राहुल कुमार ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुई जिसमें किया कार में सवार व्यक्ति स्टंट करता हुआ दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि जिस कार से स्टंट किया जा रहा था वह कर पारस कुमार नागर की है तथा वह स्टंट के समय वह खुद कार चला रहे थे।

गाजियाबाद में शिर्डी के तीर्थ यात्रियों की बस दुर्घटनाग्रस्त

- मेरठ हाइवे पर ट्रक से हुई भिड़ंत, हादसे में 15 पर्यटकों को चोटें आई

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर हवा हवाई रेस्टोरेंट से करीब 3 किलोमीटर पहले गाजियाबाद जिले में एक सड़क हादसा हो गया। केदारनाथ और बद्रीनाथ के दर्शन करके लौट रहे शिरडी महाराष्ट्र के टूरिस्ट से भरी बस एक्सप्रेसवे किनारे खड़े ट्रक से भिड़ गई। इस हादसे में करीब 15 टूरिस्ट को चोटें आई हैं। बस में सवार शिर्डी के तीर्थ यात्रियों ने बताया कि वह एक महीने की तीर्थ यात्रा पर निकले थे।

इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश में अयोध्या और गोरखपुर, उत्तराखंड में केदारनाथ.बद्रीनाथ के दर्शन किए। सोमवार को हरिद्वार में गंगा स्नान करने के बाद वे बस से मथुरा वृंदावन तीर्थ यात्रा के लिए रवाना हुए थे। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर मसूरी थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात करीब साढ़े तीन बजे तेज धमाके के साथ बस में सवार सभी तीर्थ यात्रियों की आंख खुल गई। देखा तो यह बस एक ट्रक से टकराई थी। हादसा होते ही बस में सवार तीर्थ यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर इलाके की पुलिस और पेट्रोलिंग गाड़ी मौके पर पहुंची और घायलों को बस से बाहर निकाला। ड्राइवर अपने केबिन में बुरी तरह फ ंस गया था। उसके दोनों पैर टूट गए। ड्राइवर केबिन में फ ंसे सभी लोगों को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला गया।

हल्के घायलों को मेरठ के सुभारती हॉस्पिटल और गंभीर घायलों को मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। ड्राइवर और एक महिला की हालत बेहद ज्यादा नाजुक बनी हुई है। बताया जा रहा है कि एक ट्रक पहले से ही एक्सप्रेसवे किनारे खड़ा था। यह बस उसी में पीछे से आकार घुस गई। तीर्थ यात्रियों ने बताया कि इस हादसे के बाद अब उन्होंने अपनी यात्रा पूरी नहीं करने का फैसला लिया है और वह अब नई बस मंगवा कर वापस शिर्डी के लिए रवाना हो रहे हैं।

फिलहाल गाजियाबाद पुलिस लोकसभा चुनाव की मतगणना में व्यस्त है। बदहाल टूरिस्ट रात 3:30 बजे से सुबह 7 बजे तक एक्सप्रेसवे किनारे ही रोड पर बैठे।

सड़क किनारे लगे पौधों के ऊपर की ग्रीन मैट की छाया

- गर्मी हरियाली को बचाए रखने की पहल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

भयंकर गर्मी के कारण इंसानों के साथी ही पौधे भी प्रभावित हो रहे हैं। यही कारण है कि नोएडा प्राधिकरण ने नोएडा क्षेत्र में हरियाली को बनाए रखने के लिए बड़ी पहल की है।

नोएडा प्राधिकरण के हॉर्टीकल्चर विभाग ने सडकों के किनारों पर पड़ने वाले पौधों के ऊपर ग्रीन मैट से छाया कर दी है। नोएडा प्राधिकरण का अनुमान है कि इस छाया से नोएडा की हरियाली को बचाया जा सकेगा। नोएडा प्राधिकरण के आलाधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के साथ साथ नोएडा में भी तापमान कम नही है। यहां 45 से लेकर 47 और 48 डिग्री तक तापमान पंहुच रहा है, जिसके चलते सडक की खूबसूरती में चार चांद लगाने वाले पौधों को पानी ज्यादा देना पड़ रहा है, लेकिन ग्रीन नेट से ढकने के बाद एक तो धूप के डायरेक्ट संपर्क में ये नही आएंगे और उपर से इन पौधों को कम पानी देना पड़ेगा।

बता दें कि नोएडा प्राधिकरण ने नोएडा ग्रेनो एक्सप्रेसवे पर मायामाया फ्लाई ओवर के पास हाइवे के किनारे लगे पौधों को ग्रीन नेट से ढक दिया है। ताकि हाइवे की खूबसूरती भी बनी रहे और इस बढ़ते तापमान में ये पेड़ सूखने से भी बच जाएं। ग्रीन नेट से इन पौधों को ज्यादा पानी देने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

जीएसटी घोटाले में 33 के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट

- सभी आरोपियों के खिलाफ थाना सेक्टर-20 में केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

भारत के विभिन्न जगहों पर रहने वाले लोगों के धोखाधड़ी से पैन कार्ड और आधार कार्ड हासिल करके फर्जी कंपनी खोलने के बाद इनपुट टैक्स क्रेडिट लेकर सरकार को करीब 16 हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान पहुंचाने वाले गिरोह के सरगना समेत 33 आरोपियों पर नोएडा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

सभी आरोपियों के खिलाफ सेक्टर-20 थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस इन आरोपियों की चल और अचल संपत्ति की पहचान कर उसे कुर्क करेगी। पुलिस उपायुक्त अपराध शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि कई आरोपियों की संपत्ति की पहचान नोएडा पुलिस द्वारा कर ली गई है। जिनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई हुई है उनमें करोड़ों रुपये के जीएसटी फर्जीवाड़े के सरगना दीपक मुरजानी, अश्वनी पाण्डेय, यासीन शेख, राजीव जिंदल, विशाल सिंह, आकाश सैनी, अतुल सैंगर, विनीता, गौरव सिंघल, गुरमीत सिहं बत्रा, राजीव माहेश्वरी, राहुल गुप्ता, अतुल गुप्ता, सुमित गर्ग उर्फ चाचा, मनन सिंगल, अजय उर्फ मिंटू, अमित उर्फ मोंटू, महेश कुमार, प्रीतम गर्ग उर्फ चाचा, रोहित उर्फ जतिन एडोल्सी, नन्दकिशोर उर्फ नन्दलाल, आशीष , लावादी, प्रवीण कुमार, राकेश डियालानी, राहुल निगम, पीयूष कुमार, दिलीप शर्मा, अंचित गोयल, अर्चित उर्फ अर्जित गोयल, प्रदीप गोयल, रोहित नागपाल और बलदेव उर्फ बल्ली शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस मामले में अबतक कुल 45 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। नोएडा पुलिस के प्रभावी पैरवी के कारण इस मामले में बीते एक साल से किसी भी आरोपी को जमानत नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि इस गैंग के फ रार चल रहे कई बदमाशों के ऊपर पुलिस ने इनाम भी घोषित किया है। उन्होंने बताया कि आरोपी देश के विभिन्न जगहों पर रहने वाले लाखों लोगों के पैन कार्ड और आधार कार्ड का डाटा धोखाधड़ी से हासिल कर उसके आधार पर फर्जी कंपनी खोलते थे। इन कंपनियों और फ र्मों का अस्तित्व सिर्फ कागजों पर होता था। इसके बाद जीएसटी नंबर लेकर और फर्जी बिल बनाकर रिफंड ले लेते थे, जिससे सरकार को आर्थिक नुकसान होता था। जालसाज फर्जी कंपनियों को जीएसटी नंबर के साथ बेचते भी थे। इन कंपनियों के नाम पर काले धन को सफेद किया जा रहा था। गिरोह में शामिल इनामी समेत कई अन्य आरोपी अब भी फ रार हैं और नोएडा पुलिस की चार टीमें दिल्ली और उत्तर प्रदेश समेत अन्य संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। कई आरोपियों की चल और अचल संपत्ति को कुर्क भी किया जा चुका है।

भाजपा और कांग्रेस मुख्यालय में थिरके समर्थक

कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मुंह मीठा किया, आम आदमी पार्टी दफ्तर के बाहर पसरा सन्नाटा

भाजपा मुख्यालय पर रुझानों में बढ़त देख कार्यकर्ताओं ढोल नगाड़ों की थाप पर झूमते-थिरकते लगे।

कांग्रेस मुख्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव समर्थकों के साथ जश्न मनाते हुए।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के रुझान और नतीजे आने के बाद भाजपा और मुख्यालय पर शंखनाद शुरू हो गया। जैसे-जैसे रुझानों में बढ़त देख दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ता गया और ढोल नगाड़ों की थाप पर झूमते-थिरकते लगे। दोपहर 12 बजे के करीब जब एनडीए जीत स्पष्ट होने लगी तो कार्यकर्ताओं ने मिठाई खिलाकर एक-दूसरे का मुंह मीठा किया। जश्न को लेकर सुबह से ही कार्यकर्ता अलग-अलग अंदाज में पहुंचते नजर आए। भाजपा और कांग्रेस मुख्यालय पर मंगलवार सुबह से ही काफी चहल-पहल रही। वहीं भाजपा मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर स्थित आम आदमी पार्टी मुख्यालय सूना पड़ा रहा है। यहां न जश्न की कोई तैयारी दिखी, न ही किसी तरह साज-सज्जा। न फूल व गुब्बारें लगे दिखे। ऐसे में चुनाव के रुझान आने से पहले भी जश्न फीका नजर आया।

एग्जिट पोल में एनडीए की बढ़त मिलने से भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में जबरदस्त उत्साह था। मंगलवार को लोकसभा चुनाव की मतगणना जैसे ही शुरू हुई तो कोई साइकिल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कटआउट, तो कोई मोदी की ड्रेस में व कुछ विजय शंख लेकर पहुंचे। जैसे-जैसे चुनावी नतीजे भाजपा के पक्ष में आ रहे थे, वैसे-वैसे कार्यकर्ताओं व समर्थकों में उत्साह बढ़ता जा रहा था। मुख्यालय के आस-पास का इलाका पूरा भगवा नजर आ रहा था। यहां से आने-जाने वाले राहगीर भी भाजपा मुख्यालय की एक झलक देखने को आतुर दिखे। शाम तक कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। इस दौरान ढोल नगाड़े की थाप पर खुशी से झूमते हुए पार्टी समर्थकों ने पीएम मोदी की एक बड़ी तस्वीर लगाकर पूजा की। भाजपा अपनी जीत को लेकर मानो आश्वस्त थी, ऐसे में मुख्यालय से लेकर प्रदेश कार्यालय में पहले से ही प्रधानमंत्री मोदी के पोस्टर से पटे है। जगह-जगह लाउड स्पीकर और स्क्रीन लगाई गई है। पोस्टर में मोदी की राजनीति के सफर की झलकियां दिखाई गई हैं। जिसमें वह नए संसद भवन के निर्माण से लेकर राम मंदिर के उद्घाटन की तस्वीरों को दिखाया है। ऐसे में समर्थक और कार्यकर्ता उनके पोस्टर के साथ सेल्फी भी लेते दिखे।

दूसरी तरफ, वर्ष 2019 के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस में हर्ष का माहौल है। कांग्रेस मुख्यालय पर कार्यकर्ता ढोल की थाप झूमते दिखे। जबकि चुनाव में उसकी सहयोगी रही आम आदमी पार्टी के कार्यालय में सन्नाटा पसरा था। अकबर रोड स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के मुख्यालय में हर्ष का माहौल दिखा। यहां मौजूद कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह प्यार मोहब्बत की जीत है। इस खास मौके पर मुख्यालय के बाहर पटाखे फोड़े गए। यहां जश्न मनाते एक दूसरे का मुंह मिठा कराया। जैसे ही कांग्रेस को एक सीट की बढ़त मिलती वैसे ही कार्यकर्ता तालियां बजाने लगते हैं। वहीं, जैसे ही एक सीट कम होती है तो मायूस हो जाते हैं। यहां सीट के उतार-चढ़ाव पर शोर गुल नजर आया। इसी के साथ राहुल गांधी जिंदाबाद के नारों से गूंजे। लोग यहां कांग्रेस के चिन्ह के कपड़े, झंडे लेकर पहुंचे थे।

कई समर्थन अपने परिवार के साथ भी यहां पहुंचे। रुझान के बाद तस्वीर जैसे-जैसे साफ हो रही थी, वैसे ही कांग्रेस मुख्यालय के बाहर पार्टी कार्यकर्ताओं का जमवाड़ा बढ़ रहा था। आलम यह था कि कार्यकर्ताओं की अधिक संख्या को देख मुख्यालय के मुख्य गेट को बंद कर दिया गया। नाचते गाते कार्यकर्ता हाथों में कांग्रेस का झंडा लेकर प्रियंका गांधी, सोनिया गांधी जिंदाबाद के नारे लगाकर जश्न मनाया। कांग्रेस मुख्यालय परिसर में तो सुबह से ही पूरी और भटूरे बन रहे थे और परिसर में मौजूद नेता कार्यकर्ता उसका स्वाद ले रहे थे।

दिल्ली में मिला जनादेश स्वीकार : देवेंद्र यादव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली में मिले जनादेश को स्वीकार करते हुए भीष्ण गर्मी में परिश्रम और एकजुटता से काम करने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया है।

उन्होंने कहा कि चुनाव के नतीजे जो भी रहे परंतु यह बहुत अहम है कि कार्यकर्ताओं ने पूरे चुनाव में इंडिया गुट के सहयोगियों के साथ मिलकर सभी सीटों पर मजबूती के साथ लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि चुनाव में एक की जीत और दूसरे की हार होती है, कांग्रेस दिल्ली में जतना के जनादेश का स्वागत करती है।

देवेन्द्र यादव ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में वोट करने पर दिल्ली वालों का भी आभार व्यक्त किया। यादव ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं का अपील कि तानाशाही और प्रशासनिक हठधर्मिता के खिलाफ लम्बी लड़ाई लड़नी है। कांग्रेस यह संघर्ष तब तक जारी रखेगी, जब तक कांग्रेस अंतिम व्यक्ति को न्याय नहीं दिला देती। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक आदर्शों के साथ पारम्परिक और गतिशील विचारधारा के साथ चुनाव लड़ा। यादव ने कहा कि पिछले चुनावों के मुकाबले इस चुनाव में जनता ने कांग्रेस उम्मीदवारों को कुछ विधानसभा क्षेत्रों में मिले मतदान से साफ संदेश मिला है कि कांग्रेस दिल्ली में वापसी करेगी। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के जमीनी स्तर के कार्यकर्ता ने मतदाता तक पहुँचकर कांग्रेस की विचारधारा को उन तक पहुँचाया है। वह संगठन को और अधिक मजबूत करेंगे और आने वाले समय में दिल्ली में मजबूती के साथ वापसी करेंगे।

● प्रदेश अध्यक्ष ने भीषण गर्मी में मबजूती और एकजुटता के साथ मेहनत करने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया

सभी संकल्पों को करेंगे पूरा : खंडेलवाल

नई दिल्ली। प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि चाँदनी चौक की जनता का उन्हें बहुत स्नेह और समर्थन देने के लिए उनका धन्यवाद दिया है। साथ ही सभी कार्यकर्ताओं और सहयोगियों का आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने जीत के लिए परिश्रम कर सांसद बनाने में सहयोग किया है। साथ ही यह भी कहा कि वे उन सभी संकल्पों को पूरा करेंगे जो उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान लोगों के समक्ष लिए है। चाँदनी चौक से प्रवीन खंडेलवाल ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जेपी अग्रवाल को भारी मतों से हराकर अपने राजनैतिक पारी की धमाकेदार शुरुआत की है। पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ रहे खंडेलवाल की भारी जीत के बाद कहा कि दिल्ली के चुनाव परिणामों ने जाहिर कर दिया कि दिल्ली की जनता पर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पार्टी के आंख में धूल झोंकने वाले गठबंधन का कोई असर नहीं हुआ है। केंद्र में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनने जा रही है।

नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र से जीत दर्ज करने के बाद डीएम से प्रमाणपत्र लेती बांसुरी स्वराज।

तीसरी बार 7-0 से इतिहास रचा: सचदेवा

● बोले, लोगों ने केजरीवाल के भ्रष्टाचार एवं कांग्रेस की मौकापरस्ती को नकारा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली की जनता ने लगातार तीसरी बार भाजपा को 7-0 से विजयी बना कर अभूतपूर्व इतिहास रच दिया है। उन्होंने दावा किया कि तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में एनडीए सरकार बनने जा रही है और देश खासकर दिल्ली ने मोदी सरकार की विकास नीतियों पर अपना वोट दिया है। दिल्ली के लोगों ने इस चुनाव में आम आदमी पार्टी के संयोजक केजरीवाल के भ्रष्टाचार और कांग्रेस की मौकापरस्ती को नकारा दिया है।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि वर्ष 1952 से आज तक दिल्ली ने कभी भी लगातार तीन लोकसभा चुनाव में एक ही पार्टी को नहीं जिताये पर आज दिल्ली ने भाजपा को मोदी सरकार पर विश्वास प्रकट करते हुए तीसरी बार जिताया है। लाख कोशिशों एवं भ्रम के मायाजाल को फैलाने के बावजूद आम आदमी पार्टी को ना सिर्फ दिल्ली के मतदाताओं ने बल्कि पंजाब की जनता ने भी केजरीवाल की पार्टी को पूरी तरह ठुकरा दिया है।

पूर्वी दिल्ली से हर्ष मल्होत्रा 91 हजार वोटों से विजयी

● कहा, विजय ईश्वर के आशीर्वाद और कार्यकर्ताओं की मेहनत से हुआ संभव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली भाजपा के उम्मीदवार हर्ष मल्होत्रा ने प्रतिद्वंदी आम आदमी पार्टी के नेता कुलदीप कुमार को 91 हजार से अधिक मतों से पराजित करते हुए शानदार जीत दर्ज की है।

भाजपा प्रत्याशी मतणगना शुरू होने के साथ ही लगातार बढ़ते बनाए रहे। मंगलवार शाम करीब 4:30 बजे तक 41 हजार से अधिक बढ़त थी, जो रात 8 बजे तक बढ़कर 86,701 हो गई। हालांकि आप प्रत्याशी कुलदीप कुमार मोनू लगातार चुनौती देते रहे। भाजपा प्रत्याशी हर्ष मल्होत्रा ने मतगणना में 6.6 लाख से अधिक वोट मिलने पर ईश्वर को आशीर्वाद और कार्यकर्ताओं की मेहनत और साथी नेताओं के सहयोग की सराहना की। मतगणना स्थल पर भाजपा और आप पार्टी के कार्यकर्ता सुबह से ही कॉमनवेल्थ खेल गांव में पहुंच गए थे और हर स्थिति पर नजर बनाए हुए थे। वहीं पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में मतगणना शुरू कराई। खेलगांव में प्रवेश करने वाले सभी कार्यकर्ताओं व मतगणना करने वाले कर्मचारियों का प्रवेश पहचान पत्र की जांच के बाद दिया गया।

जनता का जनादेश भाजपा के खिलाफ : संजय सिंह

● संविधान व लोकतंत्र में भरोसा रखने वाले दल जनादेश का सम्मान करते हुए लोकतांत्रिक सरकार बनाए : गोपाल राय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव नतीजों पर मंगलवार को आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा कि यह जनादेश कई प्रकार का संदेश दे रहा है। सबसे बड़ा संदेश यह है कि जनता ने भाजपा के दस साल के शासन से दुखी है। वह सरकार हटाना चाहती है। इस जनादेश ने भाजपा को नकार दिया है। जिन विपरीत परिस्थितियों में विपक्ष ने चुनाव लड़ा है, उसमें जनता ने बताया है कि देश में लोकतंत्र कायम रहेगा।

चुनाव परिणाम से संदेश साफ है कि जनता ने महंगाई, बेरोजगारी और तानाशाही से दुखी होकर भाजपा वापस जाओ का नारा दिया है। लोग समझ गए थे कि संविधान व आरक्षण को खत्म करने और पूंजीपति मित्रों को फायदा पहुंचाने के लिए पीएम मोदी को 400 सीटें चाहिए। लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह, प्रदेश संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय और राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन में जनता को बधाई देते हुए कहा कि जनता ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र महापर्व में हिस्सा लिया।

इस चुनाव में जनता द्वारा सबसे बड़ा संदेश दिया गया है कि जनता मोदी सरकार को हटाना चाहती है। लोग महंगाई, बेरोजगारी और तानाशाही से दुखी हैं। जिस तरह से इस चुनाव में धन-बल, ईडी सीबीआई, इनकम टैक्स, पुलिस का इस्तेमाल किया गया, सारे विपक्ष को पकड़कर जेल में डाला गया। आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल, पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया और स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को जेल में डाला गया। पूरे चुनाव को प्रभावित करने की एक गहरी साजिश रची गई। इसके बावजूद लोकतंत्र की ये खूबसूरती है कि देश की महान जनता ने भाजपा वापस जाओ का नारा है। जनता ने बाबा साहब के संविधान, दलितों, पिछड़ों, शोषितों और आदिवासियों को मिले आरक्षण को बचाने के लिए वोट किया। सिंह ने कहा कि इन चुनावी नतीजों में बीजेपी को बहुमत मिलता नजर नहीं आ रहा है। पिछली बार की तुलना में इस बार भाजपा की लगभग 60 सीटें कम हो रही हैं। अब अगर प्रधानमंत्री मोदी में जरा सी भी नैतिकता है तो उनको इस्तीफा दे देना चाहिए।

एग्जिट पोल कराकर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की कोशिश की

आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा कि जिस, समय चुनाव का सातवां चरण समाप्त हुआ और एग्जिट पोल आए देश की जनता लगातार ये संदेश दे रही थी कि वो भाजपा की तानाशाही, महंगाई और बेरोजगारी को खत्म करने के लिए अपना जनादेश दे रही है। लेकिन जिस तरह से जनता के संदेश को जानते और समझते हुए आखिरी समय में भी बीजेपी की केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री ने पूरे मीडिया को जिस तरह से मैनेज किया और फर्जी एग्जिट पोल कराकर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की कोशिश की गई, ये जनादेश उनके भी खिलाफ है।

मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर विचार से इनकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कथित आबकारी नीति घोटाले के सिलसिले में सीबीआई और ईडी द्वारा दर्ज मामलों में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया।

शीर्ष अदालत ने हालांकि कहा कि ईडी और सीबीआई द्वारा दर्ज कथित भ्रष्टाचार और धनशोधन से जुड़े मामलों में क्रमश: अपनी अंतिम अभियोजन शिकायत और आरोप पत्र दाखिल किए जाने के बाद सिसोदिया जमानत के लिए अपनी याचिकाएं फिर से दायर कर सकते हैं। अभियोजन शिकायत ईडी के आरोप पत्र के समान है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाशकालीन पीठ ने ईडी और सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर गौर किया कि केंद्रीय जांच एजेंसियां तीन जुलाई तक अपनी अंतिम अभियोजन शिकायत और आरोप पत्र दाखिल करेंगी। सिसोदिया की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने उनके लिए जमानत का अनुरोध करते हुए कहा कि इन मामलों में सुनवाई अब तक शुरू नहीं हुई है।

नई दिल्ली

विजेता

बांसुरी स्वराज (भाजपा)

हारे

सोमनाथ भारती (आप)

चांदनी चौक

प्रवीण खंडेलवाल (भाजपा)

जय प्रकाश अग्रवाल (कांग्रेस)

उत्तरी-पूर्वी दिल्ली

मनोज तिवारी (भाजपा)

कन्हैया कुमार (कांग्रेस)

पूर्वी दिल्ली

हर्ष मल्होत्रा (भाजपा)

कुलदीप कुमार (आप)

पश्चिमी दिल्ली

कमलजीत सहरावत (भाजपा)

महाबल मिश्रा (आप)

दक्षिणी दिल्ली

रामबीर सिह बिधूड़ी (भाजपा)

सहीराम पहलवान (आप)

उत्तर-पश्चिम

योगेंद्र चंदौलिया (भाजपा)

उदितराज (कांग्रेस)

छठी बार संसद पहुंचे राव इंद्रजीत सिंह

लगातार पांचवीं बार दर्ज की है जीत, 2014 में कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए थे राव

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिला निर्वाचन अधिकारी से जीत का सर्टिफिकेट प्राप्त करते राव इंद्रजीत सिंह।

अहीरवाल की राजनीति में बड़ा नाम राव इंद्रजीत सिंह कुल छठी बार और लगातार पांचवीं बार चुनाव जीतकर संसद पहुंचे हैं। इस बार के चुनाव में उन्होंने इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को हराकर जीत दर्ज की है। हालांकि पहले की तुलना में इस बार उनकी जीत का अंतर काफी कम रह गया, जबकि दावा उन्होंने पहले से अधिक वोटों से जीतने का किया था।

रेवाड़ी जिला में रामपुरा हाउस का गुड़गांव लोकसभा क्षेत्र की राजनीति में पूरा दबदबा रहा है। मंगलवार को लोकसभा चुनावों की मतगणना में इंद्रजीत सिंह की जीत की तरफ बढ़त होने के साथ ही कार्यकर्ताओं का जोश बढ़ता चला गया था। सुबह भले ही वे पिछड़े हों, लेकिन दोपहर बाद वे बढ़त बनाते चले गए। जैसे ही उन्होंने हार-जीत के अंतर का आंकड़ा 50 हजार वोटों के पार किया तो कार्यकर्ताओं का जीत के प्रति विश्वास गहरा हो गया। कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में आतिशबाजी करनी शुरू कर दी। इस चुनाव में बीजेपी प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह ने 75079 वोटों से इंडिया गठबंधन प्रत्याशी राज बब्बर को हराया है। उनकी जीत होने के बाद भाजपा कार्यालय में भी खुशियां मनाई गई। जिला अध्यक्ष कमल यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को लड्डू खिलाए। जीत के बाद निर्वाचन अधिकारी निशांत कुमार यादव की ओर से उन्हें जीत का प्रमाण पत्र सौंपा गया।

अहीरवाल की राजनीति में बड़ा नाम राव इंद्रजीत सिंह जिस तरह से लगातार जीत दर्ज करते आ रहे हैं, उससे वे गुड़गांव लोकसभा सीट से जीत की गारंटी बन गए हैं। कभी कांग्रेस पार्टी में सांसद बने राव इंद्रजीत सिंह अब 2014 से भारतीय जनता पार्टी की टिकट पर चुनाव लड़कर सांसद बनते आ रहे हैं। राव इंद्रजीत को 2014 के लोकसभा चुनाव में 2 लाख 74 हजार 722 वोटों से जीत मिली थी। 2019 में उन्हें 8 लाख 81 हजार 546 वोट मिले। उनके सामने कांग्रेस के प्रत्याशी कैप्टन अजय यादव को 4 लाख 95 हजार 290 वोट मिले थे।

1997 में शुरू किया था सफर

- वर्ष 1977 में जाटूसाना से पहली बार विधायक बने थे। इसके बाद वे तीन बार विधायक व मंत्री बनें।
- 1998 में राव इंद्रजीत सिंह महेंद्रगढ़ से पहली बार सांसद चुने गए। इसके करीब एक साल बाद 1999 के उपचुनाव में उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा।
- वर्ष 2004 में कांग्रेस की टिकट पर यूपीए-1 की सरकार में केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री, रक्षा राज्यमंत्री बने।
- वर्ष 2009 में महेंद्रगढ़ से गुड़गांव लोकसभा सीट बन गई। इस दौरान वे कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़े और जीत दर्ज की।
- वर्ष 2014 में उन्होंने कांग्रेस को अलविदा कहकर भाजपा का दामन थामा। मोदी लहर में वे गुड़गांव लोकसभा सीट से सांसद चुने गए।
- 2019 में भाजपा के टिकट पर फिर उन्होंने बाजी मार ली।
- 2024 के चुनाव में राव इंद्रजीत सिंह ने इस बार भी जीत दर्ज की है।

ढोल, नगाड़ों व आतिशबाजी के साथ भाजपा प्रत्याशी कृष्णपाल गुर्जर की जीत का जश्न मनाते समर्थक।

कृष्णपाल ने लगाई जीत की हैट्रिक

- कांग्रेस प्रत्याशी महेंद्र प्रताप को 1 लाख, 72 हजार, 914 मतों से हराया

दयाराम वशिष्ठ। फरीदाबाद

फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कृष्णपाल गुर्जर ने कांग्रेस प्रत्याशी महेंद्र प्रताप को एक लाख 72 हजार 914 मतों से हराकर चुनाव जीत लिया। इस जीत को लेकर समर्थकों ने ढोल नगाड़े के बीच जश्न मनाया और लड्डू बांटकर खुशी का इजहार किया।

पहले राउंड से ही भाजपा व कांग्रेस प्रत्याशी के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भाजपा प्रत्याशी कृष्णपाल गुर्जर सुबह से आए परिणामों में अपनी बढ़त बनाते दिखे। अंतिम राउंड तक भाजपा प्रत्याशी कृष्णपाल को 788569 मत मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी महेंद्र प्रताप को 615655 मत प्राप्त हुए। इसके चलते जिला निर्वाचन अधिकारी ने भाजपा प्रत्याशी कृष्णपाल गुर्जर को 1 लाख 72 हजार 914 मतों से विजयी घोषित कर दिया। बसपा प्रत्याशी किशन ठाकुर को 25206 मत, इंडियन नेशनल लोकदल प्रत्याशी सुनील तेवतिया को 8085 मत, जन नायक जनता पार्टी के प्रत्याशी नलिन हुड्डा को 5361, जन शक्ति दल के प्रत्याशी स्वतंत्र सिंह चौहान को 2955 मत, निर्दलीय उम्मीदवार नीरज जाटव को 2108, अदिम भारतीय दल के हरीशंकर राजवंश को 1584, निर्दलीय अतुल को 1458, आरक्षण विरोधी पार्टी के पंडित सुमित कुमार शर्मा को 1444, पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया से बृजबाला को 1380, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी से श्याम सुंदर को 1247, राष्ट्रीय विकास पार्टी के महेश प्रताप शर्मा को 1240, बुलंद भारत पार्टी से सत्यदेव यादव को 955, अखिल भारतीय किसान मजदूर पार्टी के रणधीर सिंह उर्फ धीरू खटाना को 924, निर्दलीय उम्मीदवार सुनील कुमार को 889, राष्ट्रीय निर्माण पार्टी के भारत भूषण कोली को 808, किसान मजदूर संघर्ष पार्टी के शिव नारायण बाबा दूबे को 771, स्मार्ट मिहिर भोज समाज पार्टी के ज्ञान चंद बैंस ला को 756, निर्दलीय राजेश गौतम को 663 मत मिले।

सभी विधानसभा क्षेत्रों में बनाए रखी बढ़त

पलवल। लोकसभा आम चुनाव 2024 के मतों की गिनती डा. भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय पलवल में बनाए गए मतगणना केंद्रों पर 4 जून मंगलवार को कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई। जिला प्रशासन ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विधानसभा क्षेत्र अनुसार ड्यूटी मैजिस्ट्रेट नियुक्त किए थे। मतगणना पर्यवेक्षक अशोक कुमार वर्मा व उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा सिंह और विभिन्न राजनीतिक दलों के चुनाव एजेंटों की मौजूदगी में तीनों विधानसभा क्षेत्रों क्रमश: पलवल, होडल व हथीन के स्ट्रॉन्ग रूम को खोला गया। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा सिंह ने बताया कि पलवल विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार कृष्णपाल गुर्जर को 94809, कांग्रेस उम्मीदवार महेंद्र प्रताप सिंह को 69865, जननायक जनता पार्टी के उम्मीदवार नलिन हुड्डा को 707, बसपा उम्मीदवार किशनपाल ठाकुर को 4193, इंडियन नेशनल लोकदल के उम्मीदवार सुनिल तेवतिया को 806 मत मिले। इसी प्रकार होडल विधानसभा क्षेत्र में कृष्णपाल गुर्जर को 61798, कांग्रेस उम्मीदवार महेंद्र प्रताप सिंह को 62364, जननायक जनता पार्टी के उम्मीदवार नलिन हुड्डा को 562, बसपा उम्मीदवार किशनपाल ठाकुर को 1029, इंडियन नेशनल लोकदल के उम्मीदवार सुनिल तेवतिया को 1646 मत मिले। इसी क्रम में हथीन विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार कृष्णपाल गुर्जर को 52892, कांग्रेस उम्मीदवार महेंद्र प्रताप सिंह को 104616, जननायक जनता पार्टी के उम्मीदवार नलिन हुड्डा को 531, बसपा उम्मीदवार किशनपाल ठाकुर को 2015, इंडियन नेशनल लोकदल के उम्मीदवार सुनिल तेवतिया को 1830 मत मिले।

दोनों प्रत्याशियों के बीच रहा कांटे का मुकाबला

गुरुग्राम। 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में इंद्रजीत सिंह का जीत का अंतर काफी बड़ा था। उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी कांग्रेस प्रत्याशी कैप्टन अजय यादव को 3,86,256 वोटों से हराया था। राव ने इस बार अधिक अंतर से जीत का दावा किया था। 2019 के चुनाव में राव इंद्रजीत सिंह ने 8,81,546 वोट हासिल किए थे। जबकि कांग्रेस प्रत्याशी अजय यादव को 4,95,290 वोट मिले थे। 2024 के चुनाव में स्टार प्रचारकों को छोड़कर राव इंद्रजीत सिंह के लिए पार्टी स्तर पर कुछ खास सहयोग नहीं मिला। उन्होंने अपने समर्थकों के दम पर ही पूरे लोकसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार किया। संगठन तो बैठकों में अधिक व्यस्त रहा। राव इंद्रजीत सिंह ने जब अपना चुनाव कार्यालय शुरू किया था, तब भी संगठन से जिला अध्यक्ष कमल यादव व कुछ गिनती के नेता ही उनके साथ नजर आए थे।

दोपहर तक समर्थकों की अटकी रही सांसें, बढ़त पर मना जश्न

- दोपहर बाद राज बब्बर से आगे निकले भाजपा प्रत्याशी

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

भाजपा कार्यालय पर मिठाई बांटकर राव इंद्रजीत सिंह की जीत का जश्न मनाते कार्यकर्ता।

18वीं लोकसभा के लिए मंगलवार को हुई मतगणना में गुड़गांव लोकसभा सीट पर मुकाबला काफी रोचक रहा। बाहरी प्रत्याशी के तौर पर प्रचारित किए गए इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राज बब्बर ने सुबह से दोपहर तक बढ़त बनाए रखी। दोपहर के बाद बीजेपी प्रत्याशी को बढ़त मिली, जो आखिर तक बनी रही।

सुबह की गणना में राज बब्बर का पलड़ा भारी रहा। दूसरी तरफ मतगणना केंद्रों पर इंद्रजीत समर्थकों का हौंसला टूटता नजर आया। गणना केंद्र के बाहर पेड़ की छाया में चाय की चुस्की लेते राज बब्बर पूरे आत्मविश्वास से लोगों के साथ मंत्रणा कर रहे थे। गुरुग्राम की चारों विधानसभाओं (गुड़गांव, बादशाहपुर, सोहना, पटौदी) के पहले राउंड की बात करें तो यहां भाजपा प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह को 36004 वोट मिले, जबकि इंडिया गठबंधन प्रत्याशी राज बब्बर को 14847 वोट मिले। तीसरे नंबर पर जजपा प्रत्याशी राहुल फाजिलपुरिया बादशाहपुर को छोड़कर किसी विधानसभा में सौ के आकड़े तक नहीं पहुंच पाए। वे दहाई के अंक तक ही सीमित रहे। गुड़गांव लोकसभा क्षेत्र में सुबह 10 बजे तक हुई मतगणना में भाजपा प्रत्याशी को 52208, कांग्रेस प्रत्याशी को 82993 तथा जजपा उम्मीदवार को 1271 मत प्राप्त हुए थे। दोपहर 12 बजे तक सभी 9 विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवार को 231778, कांग्रेस प्रत्याशी को 259818 व जजपा प्रत्याशी को 4318 वोट मिले।

मतगणना केंद्र पर काफी देर तक जमे रहे राज बब्बर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के राजकीय कन्या महाविद्यालय में मतगणना के दौरान बातचीत करते राज बब्बर।

राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर-14 में मतगणना हुई। मतगणना के दौरान इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी मौजूद रहे। पेड़ की छाया में वे कभी कुछ सोचते दिखे तो कभी समर्थकों से बात करते नजर आये।

राजकीय कन्या महाविद्यालय में बनाए गए मतगणना केंद्र में राजबब्बर काफी समय तक बैठे रहे। पेड़ की छांव में वे चाय की चुस्की लेते नजर आए। इस दौरान उन्होंने चाय पीते हुए चाय बनाने वाली महिला की चाय की भी तारीफ की। उन्होंने यह भी पूछा कि वे एक दिन में कितनी चाय बेच लेती हैं। महिला से उन्होंने काफी बातें की और उनके काम में बढ़ोतरी की कामना की। चाय बनाने वाली महिला के आग्रह पर चाय का कप हाथ में लिए हुए ही राज बब्बर उठे और धूप में उनकी अस्थायी चाय की दुकान पर उनके साथ फोटो खिंचवाने गए। यह उनकी सादगी ही कही जाएगी कि चाहे वे चाय पी रहे हों या फोन पर बात कर रहे हों, किसी के भी कहने पर लोगों के साथ उठकर फोटो खिंचवाते रहे।

देश में तीसरी बार बनेगी एनडीए की सरकार: गुर्जर

दयाराम वशिष्ठ। फरीदाबाद

- जीत हासिल करने के बाद कृष्णपाल गुर्जर बोले, फरीदाबाद के चहुंमुखी विकास में नहीं छोड़ेंगे कोई कमी

लोकसभा क्षेत्र से लगातार तीसरी बार जीत की हैट्रिक लगाने वाले कृष्णपाल गुर्जर ने अपनी जीत पर मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उन पर जो विश्वास जताया है, इसके लिए वह सदैव उनके ऋणी रहेंगे। उन्होंने कहा कि वे क्षेत्र के विकास के लिए कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे और चुनाव प्रचार के दौरान जनता से जो विकास के वायदे किए है, उन्हें जल्द पूरा करके फरीदाबाद को देश के मानचित्र पर नंबर वन बनाने का काम करेंगे। श्री गुर्जर ने कहा कि देश में तीसरी बार एनडीए की सरकार बनेगी और नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनकर विकसित भारत के स्वप्न को पूरा करेंगे।

कृष्णपाल ने कहा कि विकास का जो विजन नरेंद्र मोदी जी ने दस सालों के दौरान जनता के समक्ष रखा था, लोगों ने उस विजन पर अपने विश्वास की मोहर लगाई है और मुझे लगातार तीसरी बाद देश की सबसे बड़ी पंचायत में भेजकर नरेंद्र मोदी जी के हाथों को मजबूत करने का काम किया है। गुर्जर ने कहा कि फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र का समुचित विकास करवाना उनका एकमात्र लक्ष्य है और अपने इसी लक्ष्य को पूरा करने के लिए वह भरसक प्रयास करेंगे। श्री गुर्जर ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान जिस प्रकार से लोगों का उन्हें समर्थन मिल रहा था, उससे वह आश्वस्त थे कि जनता तीसरी बार उन्हें ही विजयी बनाएगी और अब वह सभी को साथ लेकर फरीदाबाद को विकास की नई बुलंदियों तक ले जाने का काम करेंगे। वहीं कृष्णपाल गुर्जर की जीत की जानकारी मिलते ही सेक्टर-28 स्थित उनके कार्यालय पर समर्थकों ने ढोल नगाड़ों, आतिशबाजी के साथ जमकर जश्न मनाया और लड्डू बांटकर इस जीत को ऐतिहासिक बताया।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 'भाजपा पार्टी जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, कृष्णपाल गुर्जर जिंदाबाद' के गगनचुंबी नारे लगाकर पूरे माहौल को भाजपामय कर दिया। नवनिर्वाचित सांसद कृष्णपाल गुर्जर ने भी स्वयं कार्यकर्ताओं को गले लगकर इस जीत की बधाई दी और उनका हौंसला बढ़ाया। इस मौके पर उनके साथ मुख्य रुप से भाजपा लोकसभा संयोजक अजय गौड़ भी मौजूद थे। श्री गौड़ ने भी कृष्णपाल गुर्जर की अप्रत्याशित जीत पर क्षेत्र के मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि जनता ने एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों में अपनी आस्था जताते हुए श्री गुर्जर को भारी मतों से विजयी बनाकर तीसरी बाद संसद में भेजने का काम किया है।

मेवात के लोगों को नहीं रिझा पाए मनोहर लाल व इंद्रजीत सिंह

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

- फिरोजपुर झिरका विजय संकल्प रैली में इंद्रजीत सिंह ने इमोशनल होकर मांगे थे वोट
- कहा था, मनोहर लाल को आप लोगों ने मेवाती बना दिया मुझे भी मेवाती बना लो

आखिर एक बार फिर से मेवात के मतदाताओं ने भाजपा प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। संकल्प रैली में जिस तरह से मेवातियों को साथ लाने के लिए पूर्व सीएम मनोहर लाल व राव इंद्रजीत सिंह ने इमोशनल कार्ड खेला था, वह भी काम नहीं आया। इससे साफ है कि मेवात के मतदाता शुरू से ही अपना माइंड सेट करके बैठे थे। चुनाव परिणामों से साफ है कि मेवात ने एक तरह से एकतरफा मैंडेट इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को दिया है।

मेवात ने सदा कांग्रेस का प्रभावी रूप से साथ दिया है। फिर भले चुनाव में राव इंद्रजीत सिंह कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़े हों या कैप्टन अजय यादव। अब राज बब्बर को भी मेवात के मतदाताओं ने आंखों पर बिठाया है। देरी से टिकट मिलने पर राज बब्बर को चुनाव प्रचार का बहुत कम समय मिला। करीब 20 दिन ही वे चुनाव प्रचार कर पाए। इन 20 दिनों में ही पूरी शिद्दत के साथ राज बब्बर चुनाव प्रचार में उतरे। गुरुग्राम से मेवात व रेवाड़ी तक राज बब्बर ने जीतोड़ मेहनत की। भीषण गर्मी के बीच राज बब्बर ने चुनाव प्रचार में कोई कसर नहीं छोड़ी।

बात करें राव इंद्रजीत सिंह की तो अपनी जीत के लिए वे भी पूरी मजबूती से चुनाव मैदान में थे। मेवात का मतदाता बीजेपी के साथ नहीं जाता, यह जगजाहिर है। इस बार के चुनावों में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल व प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह ने मेवात में मतदाताओं के समक्ष हर जोर आजमाइश करके मतदान की अपील की थी। चुनाव प्रचार के दौरान फिरोजपुर झिरका की जनसभा में राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि पहली बार 2009 में वोट मांगने आया था, जब 80 हजार वोटों से जीत हुई थी। दूसरी बार भी भाजपा ने उन्हें 2014 में टिकट देकर चुनाव लड़वाया। तब ढाई लाख वोटों से वे जीते थे। 2019 के लोकसभा चुनाव में यह जीत बढ़कर पौने चार लाख वोटों से हुई थी। राव इंद्रजीत ने कहा कि तीनों बार ही मेवात ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेरा है। इस बार वे फिर उम्मीद करके आए हैं।

मनोहर लाल को आप लोगों ने मेवाती बना दिया, मुझे भी मेवाती बना लो। उन्होंने कहा था कि मैं आपका हमसफर हूं, आपका साथी हूं।

भाजपा प्रत्याशी कृष्ण पाल गुर्जर की जीत पर कार्यकर्ताओं के साथ जश्न मनाते तिगांव के विधायक राजेश नागर।

अपहरण के बाद हत्या किए जाने के मामले में पांच को उम्रकैद

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

वर्ष 2017 में अपहरण करके गोली मारकर हत्या करने के मामले में दो महिलाओं समेत पांच दोषियों को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। उम्रकैद के साथ दोषियों पर जुर्माना भी लगाया है।

जानकारी के अनुसार 20 मार्च 2017 को अपराध शाखा पालम विहार गुरुग्राम की पुलिस टीम को एक सूचना एक व्यक्ति का अपहरण करके स्विफ्ट गाड़ी में ले जाने की सूचना मिली थी। यह सूचना पाकर अपराध शाखा पालम विहार की पुलिस टीम ने गांव चंदू जिला गुरुग्राम टी-प्वायंट पर नाकाबंदी करके स्विफ्ट गाड़ी सहित 3 आरोपियों को काबू किया था। आरोपियों की पहचान महेश निवासी गांव लकडिया जिला झज्जर, गौरव रोहिल्ला निवासी नजदीक मेडिकल कॉलेज रोहतक व सचिन उर्फ चिन्नू निवासी मदनहेड़ी हिसार के रूप में हुई थी। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के कब्जा से 3 पिस्टल व कारतूस बरामद किए गए थे। गाड़ी की तलाशी लेने पर उसमें अपहरण किए गए व्यक्ति की लाश मिली थी। जिसकी पहचान लला सैनी निवासी हिसार के रूप में हुई थी। जिस पर थाना राजेंद्रा पार्क में केस दर्ज किया गया था।

माधव सेवा केंद्र में मनाया गया भाजपा की जीत का जश्न

- तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने की खुशी से सराबोर रहे कार्यकर्ता

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

माधव सेवा केंद्र में भाजपा की जीत का जश्न मनाते डा. डीपी गोयल व नवीन गोयल।

चुनाव में भाजपा की जीत पर यहां सेक्टर-17 स्थित माधव सेवा केंद्र में जश्न मनाया गया। कार्यकर्ताओं के साथ मिठाई बांटकर डा. डी.पी. गोयल व नवीन गोयल ने जीत की खुशी मनाई।

मतगणना के रुझान आने के साथ ही सेक्टर-17 माधव सेवा केंद्र में शाम के समय जश्न मनाने की तैयारी शुरू कर दी गई थी। रुझान भाजपा के पक्ष में आने के साथ ही देशभर में भाजपा कार्यकर्ताओं का जोश बढ़ता जा रहा था। दोपहर बार जीत के आंकड़े साफ होते गए। शाम को डा. डी.पी. गोयल व नवीन गोयल साथियों के बीच जश्न मनाने पहुंचे। इस दौरान डा. डी.पी. गोयल ने कहा कि इसी कार्यालय में हुई सभा में गुड़गांव लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह की जीत के लिए पुरजोर काम करने का वायदा किया था। उन्हें खुशी है कि सभी साथियों ने जमीनी स्तर पर मेहनत की। जनता के बीच मोदी सरकार की नीतियों को लेकर पहुंचे। जनता को बताया कि मोदी क्यों जरूरी है। हम सबकी मेहनत का परिणाम आज राव इंद्रजीत सिंह की जीत के साथ सामने आया है। उन्होंने कहा कि देश के विकास में मोदी, गुरुग्राम के विकास में राव इंद्रजीत सिंह जरूरी हैं। गुरुग्राम की जनता ने भी अपना फैसला सुना दिया। नवीन गोयल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल और गुड़गांव से तीसरी बार संसद बनें राव इंद्रजीत को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भाजपा देश की सच्ची हितैषी है।

गुर्जर की जीत पर विधायक राजेश नागर ने बांटी मिठाइयां

- बोले, तिगांव की जनता ने एक बार फिर मेरा मान बढ़ाया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद से भाजपा के उम्मीदवार कृष्ण पाल गुर्जर की जीत पर तिगांव के विधायक राजेश नागर ने समर्थकों के बीच लड्डू बांटे और ढोल नगाड़ों के साथ खुशियां मनाईं।

विधायक ने कहा कि जनता ने मेरा मान सम्मान एक बार फिर बढ़ाया है। मैं आपका कर्ज ताउम्र नहीं चुका पाऊंगा। नागर ने कहा कि मैं आपके बीच आपका बेटा, भाई हमेशा की तरह बना रहूंगा। आप सभी लोगों के प्रति मैं आभार जताता हूं। आपको बता दें कि तिगांव विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार सर्वाधिक मतों से जीते हैं। उन्हें तिगांव विधानसभा क्षेत्र में 52000 से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की है। वहीं लोकसभा क्षेत्र में गुर्जर ने अपने निकटतम कांग्रेस प्रतिनिधि से 1 लाख 80 हजार अधिक मत प्राप्त किया। गुर्जर की जीत की घोषणा के साथ ही विधायक राजेश नागर के घर पर समर्थकों का तांता लग गया और सभी एक दूसरे को बधाई देने पहुंचने लगे।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 5 जून, 2024

नवीन ने कुरुक्षेत्र के रण में मारी बाजी

भाजपा प्रत्याशी ने 'आप' के उम्मीदवार डा. सुशील गुप्ता को 29 हजार 21 वोटों से हराया

सौरभ चौधरी। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र से तीसरी बार जीतने के बाद रोड शो निकाल जनता का आभार जताते भाजपा प्रत्याशी नवीन जिंदल।

कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी नवीन जिंदल को 29 हजार 21 वोटों से विजयी घोषित किया गया है। अहम पहलू यह है कि भाजपा प्रत्याशी नवीन जिंदल को कुल 5 लाख 42 हजार 175 वोट मिले है। कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र की सामान्य पर्यवेक्षक डा. माधवी खोड़े चवरे व जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त शांतनु शर्मा ने नवनिर्वाचित सांसद नवीन जिंदल को प्रमाण पत्र सौंपा। इस दौरान हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय राज्य मंत्री सुभाष सुधा, नवनिर्वाचित सांसद की धर्मपत्नी शालू जिंदल, भाजपा नेता वेदपाल, पूर्व विधायक डा. पवन सैनी भी उपस्थित थे।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त शांतनु शर्मा ने बताया कि कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र में 17 लाख 94 हजार 300 मतदाता हैं। कुरुक्षेत्र लोकसभा में 12 लाख 2 हजार 413 वैध और 3459 पोस्टल बैलेट मतों की मतगणना की गई। उन्होंने बताया कि इनेलो उम्मीदवार अभय सिंह को 78 हजार 708, भाजपा प्रत्याशी नवीन जिंदल को 5 लाख 42 हजार 175, आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार डा. सुशील गुप्ता को 5 लाख 13 हजार 154, बसपा उम्मीदवार दीपक मेहरा को 20944, जजपा के उम्मीदवार पाला राम को 6182, राष्ट्रीय जनशक्ति पार्टी (एकलव्य) के सतबीर को 3263, शिरोमणि अकाली दल के खजान सिंह को 2859, एकम सनातन भारत दल के महावीर सिंह को 2783, पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) के इंद्रजीत काम्बोज को 2113, सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर आफ इंडिया (कम्युनिस्ट) के ओम प्रकाश को 1812, समता पार्टी के नरेश कुमार को 1032, लोकतांत्रिक लोक राज्यम पार्टी के सतनाम को 1066, राष्ट्रीय गरीब दल के प्रदीप सैनी को 960 वोट मिले है। उन्होंने कहा कि भारतीय आशा पार्टी के सतीश कुमार को 997, ग्लोबल रिपब्लिकन पार्टी के ओम प्रकाश इंदल को 678, आजाद उम्मीदवारों में अनिल उपाध्याय को 2056, अश्वनी शर्मा हरितवाल को 2029, फूल सिंह को 626, बलराम पुरी को 1134, जयप्रकाश शर्मा को 1154, जय कुमार सैनी को 8093, पताशो देवी को 1379, रमेश चंद्र खटकर को 717, अमित मलिक को 1506, सेवा सिंह को 718, महेश चंद को 1340, मंगत राम को 509, रामदिया को 556, विशाल कुमार को 715, सुरेन्द्र सिंह को 1599, सन्नी को 576 और नोटा को 3459 वोट मिले है।

कार्यकर्ताओं को दिया जीत का श्रेय

नवीन जिंदल ने अपनी जीत का श्रेय पार्टी कार्यकर्ताओं को दिया, वहीं कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र की जनता का भी दिल की गहराईयों से आभार व्यक्त किया। उन्होंने यह भी कहा कि वे सभी को साथ लेकर कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र का जो सपना उन्होंने देखा है, उसे वे पूरा करेंगे। उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल का धन्यवाद किया और कहा कि निरंतर उनका मार्गदर्शन व सहयोग उनको मिलता रहा। इस अवसर शहरी स्थानीय निकाय मंत्री सुभाष सुधा ने भी नवीन जिंदल को बधाई देते हुए कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र की जनता का आभार व्यक्त किया।

विधानसभा उपचुनाव जीते मुख्यमंत्री सैनी

चंडीगढ़। करनाल विधानसभा उपचुनाव में मुख्यमंत्री नायब सैनी की जीत के बाद प्रदेश का सियासी समीकरण बदल गया है। करनाल की जीत के बाद भाजपा विधायकों की संख्या बढ़कर 41 हो गई है। इसके बावजूद हरियाणा की नायब सरकार पर बहुमत का संकट बना रहेगा। हरियाणा विधानसभा में दो विधायकों के इस्तीफा देने तथा एक विधायक की मृत्यु के बाद विधायकों की संख्या 87 रह गई।

मंगलवार को घोषित हुए परिणाम में कांग्रेस के वरूण मुलाना चुनाव जीत गए हैं। मुलाना के इस्तीफे के बाद विधायकों की संख्या 86 बचेगी। नायब सैनी के करनाल विधानसभा उपचुनाव जीतने के बाद विधायकों की संख्या फिर से 87 हो गई है। ऐसे में भाजपा के पास अपने 41 विधायक हैं तो एक निर्दलीय विधायक नयनपाल रावत सरकार के साथ हैं। इसके अलावा हरियाणा लोकहित पार्टी के विधायक गोपाल कांडा भी सरकार को समर्थन दे रहे हैं।

हरियाणा में भाजपा-कांग्रेस को 5-5 सीटें

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

- रोहतक, सोनीपत, सिरसा, अंबाला व हिसार में कांग्रेस को बहुमत
- करनाल, गुरुग्राम, फरीदाबाद, भिवानी व कुरुक्षेत्र में खिला कमल

हरियाणा में दावों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी दस सीटों पर जीत को दोहराने में फेल हो गई है। बेहद चौंकाने वाले परिणाम के अनुसार दोनों राजनीतिक दलों को पांच-पांच सीटों पर जीत हासिल हुई है। भाजपा ने जिन पांच लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की है, उन पांच सीटों पर जीत की हैट-टिक लगाई, जबकि कांग्रेस ने पांच लोकसभा सीटें जीतकर तीन माह बाद होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए चुनौती दे दी है।

भाजपा ने दक्षिण हरियाणा की गुड़गांव, फरीदाबाद व भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की। कांग्रेस ने मध्य हरियाणा की रोहतक, सिरसा और हिसार लोकसभा सीटों पर जबरदस्त तरीके से जीत का परचम लहराया। उत्तर हरियाणा यानी जीटी रोड बेल्ट पर पड़ने वाली चार लोकसभा सीटों में से दो करनाल और कुरुक्षेत्र पर भाजपा ने चुनाव जीते, जबकि जबकि दो सीटों सोनीपत और अंबाला में कांग्रेस ने जीत का परचम लहराया। करनाल विधानसभा सीट से उपचुनाव लड़ रहे मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कांग्रेस के तिरलोचन को पराजित कर दिया।

हरियाणा में साल 2019 में भाजपा ने सभी 10 लोकसभा सीटों पर क्लीन स्विप किया था। इस बार भाजपा को कम से कम आठ सीटों पर जीत की उम्मीद थी, लेकिन कांग्रेस ने पांच लोकसभा सीटें जीतकर भाजपा की सारी रणनीति ध्वस्त कर दी। दीपेंद्र हुड्डा ने कांग्रेस के मौजूदा राज्यसभा सदस्य होते हुए भी लोकसभा चुनाव लड़ा और भाजपा के निवर्तमान सांसद डा. अरविंद शर्मा को 3 लाख 38 हजार 745 मतों के अंतर से पराजित किया। कांग्रेस की दूसरी सबसे बड़ी जीत सिरसा में हुई, जहां पूर्व केंद्रीय मंत्री कांग्रेस की कुमारी सैलजा ने भाजपा उम्मीदवार डा. अशोक तंवर को 2 लाख 68 हजार 497 मतों के भारी अंतर से पराजित किया। कुमारी सैलजा और दीपेंद्र सिंह हुड्डा दोनों पांचवीं बार सांसद बने हैं। करनाल से भाजपा उम्मीदवार के रूप में पूर्व सीएम मनोहर लाल ने कांग्रेस के दिव्यांशु बुद्धिराजा को 2 लाख 19 हजार 156 मतों के भारी अंतर से पराजित किया। फरीदाबाद लोकसभा सीट पर केंद्रीय राज्य मंत्री भाजपा के कृष्णपाल गुर्जर ने कांग्रेस के महेंद्र प्रताप सिंह को 1 लाख 67 हजार 538 मतों के अंतर से पराजित किया। कुरुक्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार एवं प्रमुख उद्योगपति नवीन जिंदल ने इंडी गठबंधन के उम्मीदवार डा. सुशील गुप्ता को 30 हजार 86 मतों के अंतर से पराजित किया। भिवानी-महेंद्रगढ़ में भाजपा के चौधरी धर्मबीर सिंह ने कांग्रेस के राव दान सिंह को 40 हजार 809 मतों के अंतर से पराजित किया। कांग्रेस के मुलाना से विधायक वरुण चौधरी ने भाजपा की बंतो को 47 हजार 60 मतों से हराया।

पंजाब की 13 लोकसभा सीटों में से सात पर कांग्रेस विजयी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

- तीन पर आआपा, एक पर अकाली दल व दो पर निर्दलीय जीते
- मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने के बावजूद खाता नहीं खोल सकी भाजपा

पंजाब की 13 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस ने सात सीटों पर जीत दर्ज करके प्रदेश की राजनीति में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी जहां तीन सीटों पर सिमट गई है वहीं अकाली दल को एक सीट पर संतोष करना पड़ा है। भाजपा मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाने के बावजूद खाता नहीं खोल पाई है। सबसे आश्चर्यजनक जीत कट्टरपंथी अमृतपाल की है। जिसने जेल में बैठकर चुनाव लड़ा और पंजाब की सभी 13 लोकसभा सीटों पर सबसे बड़ा मार्जन के साथ जीत दर्ज की।

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी चुनाव परिणाम के अनुसार खडूर साहिब लोकसभा हलके से कट्टरपंथी अमृतपाल सिंह एक लाख 97 हजार 120 वोटों से विजयी घोषित हुए हैं। उन्होंने कांग्रेस के कुलबीर सिंह जीरा को हराया। इस सीट पर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी एवं पंजाब के कैबिनेट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर एक लाख 94 हजार 836 वोट लेकर तीसरे स्थान पर रहे।

फरीदकोट लोकसभा हलके से निर्दलीय प्रत्याशी गरमपंथी सरबजीत सिंह खालसा ने आदमी पार्टी के प्रत्याशी एवं कॉमेडियन करमजीत अनमोल को 70 हजार 53 वोट से हराया है। बठिंडा लोकसभा सीट से शिरोमणि अकाली दल प्रत्याशी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां को 49 हजार 656 वोटों से हराया है। होशियारपुर लोकसभा हलके से आम आदमी पार्टी प्रत्याशी राजकुमार चब्बेवाल ने कांग्रेस की यामिनी गोमर को 44 हजार 111 वोट से पराजित किया है। पंजाब की ऐतिहासिक सीट आनंदपुर साहिब से आम आदमी पार्टी के मालविंदर सिंह कंग ने कांग्रेस के विजय इंद्र सिंगला को 10 हजार 846 वोटों से पराजित किया। आम आदमी पार्टी की पारंपरिक सीट संगरूर से आप के गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कांग्रेस के सुखपाल सिंह खैहरा को एक लाख 72 हजार 560 वोटों से हराया है।

अमृतसर लोकसभा सीट से कांग्रेस के गुरजीत सिंह औजला ने आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी कुलदीप सिंह धालीवाल को 40 हजार 301 वोटों से हराया है।

जालंधर से कांग्रेस के चरणजीत सिंह चन्नी ने भाजपा के सुशील कुमार रिंकू को एक लाख 75 हजार 993 वोटों से हराया है। लुधियाना लोकसभा हलके में कांग्रेस के अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने भारतीय जनता पार्टी के रवनीत सिंह बिट्टू को 20 हजार 942 वोटों के अंतर से हराया है। फतेहगढ़ साहिब से कांग्रेस के अमर सिंह ने आम आदमी पार्टी के गुरप्रीत सिंह जीपी को 34 हजार 202 वोटों के अंतर से हराया है। फिरोजपुर लोकसभा हलके से कांग्रेस के शेर सिंह घुबाया ने आम आदमी पार्टी के जगदीप सिंह काका बराड़ को 3242 वोटों से पराजित किया है। पटियाला लोकसभा हलके से कांग्रेस के डॉ.धर्मवीर गांधी ने आम आदमी पार्टी के डॉ.बलबीर सिंह को 14 हजार 831 मतों से पराजित किया। गुरदासपुर लोकसभा हलके से कांग्रेस प्रत्याशी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने भाजपा के दिनेश सिंह बब्बू को 83 हजार 12 वोटों के अंतर से हराया।

हरियाणा में आने वाला समय कांग्रेस का: तंवर

- शैलजा की जीत पर राकेश तंवर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

कुमारी शैलजा की जीत का जश्न मनाते कांग्रेस कार्यकर्ता।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हरियाणा कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष कुमारी शैलजा के सिरसा लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर मिली बड़ी जीत पर मंगलवार को हरियाणा प्रदेश कांग्रेस चुनाव समिति के सदस्य राकेश तंवर पृथला के नेतृत्व में जमकर जश्न मनाया गया। उन्होंने लोगों को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि कुमारी सैलजा ने पौने तीन लाख वोटों से जीत हासिल कर दिखा दिया है कि वे सही मायने में हरियाणा की जनप्रिय नेता हैं। उन्होंने इस ऐतिहासिक जीत के लिए क्षेत्र की जनता का भी आभार व्यक्त किया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राकेश तंवर ने कहा कि अब हरियाणा में आने वाला समय कांग्रेस का है। कुमारी सैलजा के नेतृत्व में हरियाणा की राजनीति में अब नया अध्याय जुड़ेगा। उन्होंने कहा कि सैलजा ने हाईकमान द्वारा किए गए विश्वास को बरकरार रखा है। कुमारी सैलजा की जीत के बाद हरियाणा की राजनीति में भी अब बड़ा बदलाव आएगा।

कांग्रेस के मनीष तिवारी ने चंडीगढ़ सीट पर दर्ज की जीत

चंडीगढ़। कांग्रेस के मनीष तिवारी ने भाजपा के संजय टंडन को हराकर चंडीगढ़ लोकसभा सीट जीत ली है। यह जानकारी निर्वाचन आयोग की वेबसाइट से मिली। निर्वाचन आयोग के पोर्टल के अनुसार, पूर्व केंद्रीय मंत्री तिवारी 2,504 मतों के अंतर से जीते। कांग्रेस ने चंडीगढ़ लोकसभा सीट पर आम आदमी पार्टी (आप) के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। चंडीगढ़ की एकमात्र सीट के लिए मतगणना कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह आठ बजे शुरू हुई थी।

भाजपा ने हिमाचल की सभी सीटें जीतीं

पायनियर समाचार सेवा। शिमला

भाजपा ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश की सभी चार लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज कर ली।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने हमीरपुर लोकसभा सीट से लगातार पांचवीं बार जीत हासिल की जबकि अभिनेत्री कंगना रनौत और राजीव भारद्वाज ने क्रमश: मंडी और कांगड़ा सीट से अपना अपना पहला चुनाव जीता। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप ने अपनी शिमला सीट बरकरार रखी।

कांग्रेस न केवल मंडी लोकसभा सीट बरकरार रखने में विफल रही, जिसे 2021 के उपचुनाव में प्रदेश कांग्रेस प्रमुख प्रतिभा ने छीना था, बल्कि शिमला (सुरक्षित) सीट के गढ़ को फिर से हासिल करने का उसका सपना भी टूट गया, क्योंकि भाजपा ने लगातार चौथी बार यह सीट जीत ली। हालांकि, 2019 के लोकसभा चुनाव में जीत का अंतर जो कांगड़ा में 4,77,623, मंडी में 4,05,559, हमीरपुर में 3,99,572 और शिमला (सुरक्षित) में 3,27,515 था, वह घटकर क्रमश: कांगड़ा में 2,51,895, मंडी में 7,4755, हमीरपुर में 1,82,357 और शिमला में 9,05,48 रह गया।

मंडी लोकसभा सीट जीतने का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है : कंगना

मंडी। हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से जीत दर्ज करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार अभिनेत्री कंगना रनौत ने मंगलवार को कहा कि इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाता है। कंगना ने मंडी लोकसभा सीट पर कांग्रेस के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार विक्रमादित्य सिंह को 74,755 मतों के अंतर से हराकर जीत हासिल कर ली है।

कंगना ने विधानसभा में विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर, विधायकों, भाजपा कार्यकर्ताओं और जनता को उन्हें चुनने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी जीत का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है। कंगना ने कहा कि लोगों ने पारिवारिक विरासत के खिलाफ और आम जनता के पक्ष में वोट दिया है। उन्होंने कहा कि वह मंडी के लोगों के लिए सच्चे दिल से काम करेंगी। इस बीच, जयराम ठाकुर ने कहा कि मंडी के मतदाताओं ने कंगना के खिलाफ टिप्पणी करने वालों को जवाब दे दिया है। उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद से ही मोदी तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। ठाकुर ने कहा कि मंडी लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाले सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा को भारी अंतर से जीत मिली है।

हिमाचल विधानसभा उपचुनाव में छह सीट में से चार कांग्रेस ने व दो भाजपा ने जीतीं

पायनियर समाचार सेवा। शिमला

हिमाचल प्रदेश में छह विधानसभा सीट के उपचुनाव में कांग्रेस ने चार सीट जीत ली है, जबकि दो पर भाजपा विजई हुई है। भाजपा उम्मीदवार इंद्र दत्त लखनपाल ने 2,125 मतों के अंतर से कांग्रेस के सुभाष चंद को हराकर बरसर विधानसभा उपचुनाव जीता है।

धर्मशाला में भाजपा उम्मीदवार एवं पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा ने 5,526 मतों के अंतर से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के देविंदर सिंह जग्गी को हराकर इस सीट का उपचुनाव जीता है। लाहौल और स्पीति, सुजानपुर, गगरेट एवं कुटलेहड़ में कांग्रेस प्रत्याशी विजई रहे हैं। लाहौल और स्पीति सीट पर त्रिकोणीय मुकाबले में कांग्रेस उम्मीदवार अनुराधा राणा निर्दलीय प्रत्याशी एवं पूर्व भाजपा मंत्री रामलाल मरकंडा से 1960 मतों के अंतर से विजई हुईं। उन्हें 9,414 वोट मिले जबकि मरकंडा को 7,454 वोट मिले। भाजपा प्रत्याशी रवि ठाकुर को 3,049 वोट मिले। सुजानपुर में कांग्रेस के बागी नेता एवं अब भाजपा प्रत्याशी राजिंदर राणा 2,420 मतों के अंतर से कैप्टन रणजीत सिंह से हार गए। राणा को 27,089 वोट मिले, जबकि सिंह को 29,529 मत प्राप्त हुए।

राणा ने 2015 में पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल को विधानसभा चुनाव में हराया था। गगरेट में भाजपा प्रत्याशी चैतन्य शर्मा कांग्रेस के राकेश कालिया से 8,487 वोटों के अंतर से हार गए। जब भाजपा ने चैतन्य को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया, तब कालिया कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में उपचुनाव में उतरे। कांग्रेस प्रत्याशी विवेक शर्मा ने हिमाचल प्रदेश में कुटलेहड़ विधानसभा उपचुनाव 5,356 मतों के अंतर से जीता। शर्मा ने भाजपा उम्मीदवार दविंदर भुट्टो हराया है।

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्री महेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 श्री हरि सिंह संपत्ति संख्या 177एफ–2/2, वार्ड नं. 2, खसरा संख्या 1151/3 (क्षेत्रफल 450 वर्ग गज) के मालिक हैं, जो लाल डोरा, गांव महरौली, तहसील नई दिल्ली–110076 के रूप में जाना जाता है। रिक्सुलमेंट द्वारा निष्पादित पंजीकृत संख्या दिनांक 29.04.2024, SR-5A, दिल्ली के माध्यम से श्रीमति दर्शना पत्नी स्व0 श्री रन सिंह और श्री सतीश कुमार पुत्र स्व0 श्री रन सिंह उपरोक्त संपत्ति श्री महेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 श्री हरि सिंह डीड दस्तावेज संख्या 2024/10/I/3275 फेड बैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पास बंधक होने जा रही है। यदि किसी व्यक्ति/बैंक/वित्तीय संस्थान के पास उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा/ ग्रहणाधिकार, अधिकार, कोई आपत्ति है, तो उसे दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर पंजीकृत अधिवक्ता के माध्यम से सलाहकार/अधोहस्ताक्षरी **विशाल मेहन**, ई–713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली–110092 के पते पर सूचित किया जाना चाहिए। ऐसा न करने पर किसी भी दावे, ग्रहणाधिकार या आपत्ति को माफ कर दिया गया माना जाएगा।
एडवोकेट विशाल मेहन, ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली- 110092, मो. 9811215181

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that my client Shyamsunder is in process to purchase the Plot of Land area measuring 50 sq.yds. out of Khasra no.394 situated at Village Barola, Noida Pargana & Tehsil Dadri, Distt, Gautam Budh Nagar U.P from Devender Singh, whereas he acquired the said property vide Sale Deed dated 27.03.2024 (doc no.3202) executed by Vivek Nagar
All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/ registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned.
Kamal Kant Gupta (Advocate)
Unit No. FF-2, First floor, Mahaluxmi Metro Tower Sec-4, Vaishali, Gzb., U.P., Mob. 9810063351

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MY CLIENTS SH. JATENDER KUMAR AGGARWAL S/o LATE SH. ROSHAN LAL AGGARWAL & SMT. ARUNA AGGARWAL W/o SH. JATENDER KUMAR AGGARWAL BOTH R/o 153A, POCKET-C, SIDHARTHA EXTENSION NEW DELHI-110014, DO HEREBY DISOWN/DEBAR THEIR SON RAVIT KUMAR AGGARWAL FROM ALL THEIR MOVABLE AND IMMOVABLE PROPERTIES AND HAVE SEVERED THEIR RELATIONSHIP WITH HIM AS HE IS NOT IN CONTROL OF OUR CLIENTS AND ANY BODY DEALING WITH HIM WILL DO AT THEIR OWN COST AND RISK, OUR CLIENT'S SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY OF HIS ACT(S)
AMITESH GIROTI (Advocate)Ch. No. 426, Block 'S' Delhi High Court, New Delhi-110003

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MY CLIENTS SH. JATENDER KUMAR AGGARWAL S/o LATE SH. ROSHAN LAL AGGARWAL & SMT. ARUNA AGGARWAL W/o SH. JATENDER KUMAR AGGARWAL BOTH R/o 153A, POCKET-C, SIDHARTHA EXTENSION NEW DELHI-110014, DO HEREBY DISOWN/DEBAR THEIR SON ASHMIT KUMAR AGGARWAL FROM ALL THEIR MOVABLE AND IMMOVABLE PROPERTIES AND HAVE SEVERED THEIR RELATIONSHIP WITH HIM AS HE IS NOT IN CONTROL OF OUR CLIENTS AND ANY BODY DEALING WITH HIM WILL DO AT THEIR OWN COST AND RISK, OUR CLIENT'S SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY OF HIS ACT(S).
AMITESH GIROTI (Advocate)Ch. No. 426, Block 'S' Delhi High Court, New Delhi-110003

PUBLIC NOTICE

I, Mamta Batra W/o Sh. Chander Mohan Batra is the owner of Khasra No. 660, New No. W-12-B/37, Sainik Farms, Neb Sarai, New Delhi-110068 measuring 650 sq. yards is the owner of the above mentioned property/plot. Any person or persons having any rights title or interest by way of inheritance or claim against the said plot should send their claims in writing to the undersigned alongwith the documentary evidence in support of the said claim, therefore within 15 days of publication on the said notice, falling which claims if any shall be deemed to have been waived.
Mamta Batra (9811183287)

PUBLIC NOTICE

To be known to all that I, RAVI SUMBALLY S/O SH. B.N. SUMBALLY R/o 119, Antariksha Co-operative Group Housing Society Ltd. (known as Antariksha Apartments). Plot No 21. Block-H3 Vikaspuri, New Delhi-110018, allottee of flat No.119, Antariksha Co-operative Group Housing Society Ltd. (known as Antariksha Apartments), Plot No 21, Block-H3. Vikaspuri, New Delhi- 110018, have applied for conversion of the said flat from leasehold to freehold in my favour vide application dated 13/05/2014 in DDA. The original share certificate issued by The Antariksha CGHS Ltd. in my name has been misplaced/lost. An FIR to this effect has been lodged in the Police Station Crime Branch, New Delhi vide LR No. 1721522/2024 dated 10/05/2024
Any person(s) claiming any right, interest, having any objection or found in possession of the above said original document, may write/contact with above named person at above address/phone No. 9350019410 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this property can personally inform or write to the Dy. Director, (GH) or Director (RL), Vikas Sadan, INA, New Delhi
Ravi Sumbally.

PUBLIC NOTICE

To be known to all that We, HARSH GUPTA S/O SH. R. A. GUPTA AND PARUL GUPTA W/O SH. HARSH GUPTA both R/o 147, Antariksha Co-operative Group Housing Society Ltd. (known as Antariksha Apartments), Plot No 21, Block-H3. Vikaspuri, New Delhi-110018, purchasers of flat No. 147, Category "A", Antariksha Co- operative Group Housing Society Ltd. (known as Antariksha Apartments), Plot No. 21. Block-H3, Bodella Phase-II, Vikaspuri, New Delhi-110018, have applied for conversion of the said flat from leasehold to freehold in our favour, vide application No.LD37579GH/CON dated 17.01.2024, in DDA. The original Allotment and Possession Letter issued by Antariksha CGHS Ltd. in respect of the above said flat have been misplaced/lost. An FIR to this effect has been lodged in the Police Station Crime Branch, New Delhi vide LR No. 1346353/2024 dated 15/01/2024. Any person(s) claiming any right, interest, having any objection or found in possession of the above said original documents, may write/contact with above named person at above address/phone No.9654299915 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this property can personally inform or write to the Dy. Director, (GH) or Director (RL). Vikas Sadan, INA, New Delhi.
Harsh Gupta & Parul Gupta.

PUBLIC NOTICE

To be known to all that I, SOM NATH DANG S/O LATE NIHAL CHAND DANG R/o 66, Antariksha Co- operative Group Housing Society Ltd. (known as Antariksha Apartments), Plot No.21, Block-H3, Vikaspuri, New Delhi-110018, allottee of flat No.66, Antariksha Co-operative Group Housing Society Ltd. (known as Antariksha Apartments), Plot No.21, Block-H3, Vikaspuri, New Delhi-110018, have applied for conversion of the said flat from leasehold to freehold in my favour, vide application dated 15.02.2024, in DDA. The original Allotment Letter issued by The Antariksha CGHS Ltd in respect of the above said flat has been misplaced/lost. An FIR to this effect has been lodged in the Police Station Crime Branch, New Delhi vide LR No. 1449327/2024 dated 15/02/2024
Any person(s) claiming any right, interest, having any objection or found in possession of the above said original documents, may write/contact with above named person at above address/phone No. 9873400746 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this property can personally inform or write to the Dy Director, (GH) or Director (RL), Vikas Sadan, INA, New Delhi
Som Nath Dang.

PUBLIC NOTICE

To be known to all that We, VIJAY BHATIA S/O SH. DALIP CHAND BHATIA AND SMT. SUNITA BHATIA W/O SH. VIJAY BHATIA, both R/o 123-B, DDA LIG Flat, First floor, Rajouri Garden, New Delhi, purchasers of flat No. 123-B, category DDA Built-up LIG Flat, situated on the First floor in Rajouri Garden, New Delhi in the scheme/area of Rajouri Garden, New Delhi, have applied for conversion of the aforesaid flat from leasehold to freehold vide application No. DDAHCA70959899 dated 13.02.2024 in DDA. Site possession Slip of the above flat has been lost. An FIR to this effect has been lodged in the Police Station Crime Branch, New Delhi, vide LR No. 1717995/2002 dated 09/05/2024.
Any person(s) claiming any right, interest, having any objection or found in possession of the aforesaid original Possession Slip, may write/contact with above named person at above address/phone No. 9625531390 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest. objections with respect to this property can personally inform or write to the Dy. Director, (LAB)H or Director(I), D-Black, 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.
(Vijay Bhatia & Sunita Bhatia)

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that I, **Kamlesh Kumar Sinha S/O Late Sharda Nand Sinha R/O- FLAT NO. 146,Pocket - 7,Sector - 2, Rohini,Delhi-110085 , am** the legal owner of **FLAT NO. 146,Pocket - 7, Sector-2, Rohini, Delhi-110085. FILE NO.15 (297)/89/LIG/NP. ORIGINAL POSSESSION LETTER, NOC FOR WATER & ELECTRICITY CONNECTION & SITE POSSESSION SLIP of** the above Flat has been lost. An FIR/NCR to this effect has been lodged in P. S. Crime Branch, Delhi vide LR No:**1787132/2024,Dated 03-06-2024.**Any person(s) claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents,may write/ contact with above named person at above address/phone No.9971987022 within 15 days from the date of publication of this notice. Any person claiming any right, interest, or having any objections with respect to this property can also personally inform/contact me.

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Rajesh Kumar yadav S/O Suresh yadav R/O H.No. Flat no 118, 1St floor, Pocket 6-1, Sector-2, Rohini, Delhi-110085, have changed the name of my minor daughter TANYA YADAV anged 13 years and she shall hereafter be known as RADHIKA YADAV, and my permanent address is Village kehunia, post pakri babu, distt. Deoria, Uttar Pradesh-274702.
PD(497)C

I, Virender Shah S/O, Ramsewak Shah R/O, 9/4951, Gali No. 6, Kaushik Puri, Gandhi Nagar, Delhi 110031 Have Changed The Name Of My Minor Son Chandan Aged 15 Years And He Shall Hereafter Be Known As Chandan Shah.
PD(498)C

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,

इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **शुभम पाठक और रमाकांत दुबे** को **11.03.2024** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HHLDCP00492643** की राशि **रू. 8,85,872.34 (रूपये आठ लाख पचासी हजार आठ सौ बहत्तर और चौंतीस पैसे मात्र)** और **11.03.2024** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी ।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **30.05.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है ।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू. 8,85,872.34 (रूपये आठ लाख पचासी हजार आठ सौ बहत्तर और चौंतीस पैसे मात्र) 11.03.2024** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

पहली मंजिल पर फ्लैट नं. एफ.एफ-207 (एल.आई.जी.) जिसका कवर्ड एरिया 325 स्क्वे. फीट 30.19 स्क्वे. मीटर्स के बराबर, (मध्य भाग) (छत के अधिकार बिना), प्लॉट नं. बी-7 ए/11 पर निर्माण, डीएलएफ अंकुर विहार, गाँव सादुल्लाबाद में स्थित, तहसील लोनी, जिला गाज़ियाबाद-201102, उत्तर प्रदेश और इसकी सीमाऐं निम्ननुसार है -

पूर्व	: फ्लैट नं. एफ एफ 206	पश्चिम	: 9 मीटर्स चौड़ी सड़क
उत्तर	: फ्लैट नं. एफ.एफ 205	दक्षिण	: फ्लैट नं. एफ.एफ 201

सही/-
दिनांक : 30.05.2024 — प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : गाज़ियाबाद — इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,

इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **उपेन्द्र कुमार यादव और संगीता यादव** को **31.12.2021** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HHLNOD00361320** की राशि **रू. 9,96,110.63 (रूपये नौ लाख छियानवे हजार एक सौ दस और तिरसठ पैसे मात्र)** और **30.11.2021** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी ।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **03.06.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है ।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू. 9,96,110.63 (रूपये नौ लाख छियानवे हजार एक सौ दस और तिरसठ पैसे मात्र) 30.11.2021** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

आवासीय फ्लैट बेअरींग नंबर 159 जी (तल मंजिल) जिसका मापित कुल क्षेत्र 32 स्क्वे. मीटर्स, ब्लॉक-ई में, सेक्टर-ओमिक्रॉन-1, ग्रेटर नोएडा, जिला गौतम बुद्ध नगर, गौतम बुद्ध नगर-201303, उत्तर प्रदेश।

सही/-
दिनांक : 03.06.2024 — प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : ग्रेटर नोएडा — इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

बढ़ता निर्वनीकरण

संकटपूर्ण स्थिति

बढ़ता निर्वनीकरण संकटपूर्ण स्थिति है। उच्च न्यायालय के अनुसार, इससे दिल्ली का 'रेगिस्तानीकरण' हो सकता है। महात्मा गांधी ने ठीक ही कहा था कि हम जंगलों के साथ जो करते हैं, वह हमारे अपने साथ किए व्यवहार का द्योतक है। पर्यावरण के प्रति इस संवेदनहीनता के चलते गंभीर परेशानियां सामने आ रही हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कठोर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यदि निर्वनीकरण की वर्तमान प्रवृत्ति जारी रही तो शहर एक बंजर रेगिस्तान बन जाएगा। इस खतरनाक पूर्वानुमान को देखते हुए टिकाऊ पर्यावरणीय नीतियां व्यावहारिक रूप से तुरन्त लागू की जानी चाहिए। शहरीकरण के साथ निर्माण कार्य और प्रदूषण बढ़ता है जिसके चलते दिल्ली व अन्य महानगरों में वनाच्छादन तेजी से घट रहा है। इसके कारण अनेक गंभीर परिस्थितिकीय तथा जलवायु संबंधी परिणाम सामने आ रहे हैं। दिल्ली में निर्वनीकरण संकट कई कारणों से है जिनमें बेलगाम निर्माण, पेड़ों की अवैध कटाई तथा शहरी क्षेत्र का विस्तार शामिल हैं। शहर के हरित क्षेत्र घट रहे हैं जिससे प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है, तापमान बढ़ रहा है तथा प्राकृतिक भूमिगत जल का पुनर्भरण घट रहा है। शहर में गिरती वायु गुणवत्ता के साथ ही जाड़े के महीनों में स्मॉग व हवा में कणों की उपस्थिति बढ़ रही है। वनाच्छादन घटने के कारण शहरी 'हीट आईलैंड' प्रभाव बढ़ रहा है जिससे गर्मी में दिल्ली में रहना बहुत कठिन हो जाता है।

उच्च न्यायालय की कठोर चेतावनी पर्यावरण क्षरण के व्यापक प्रभावों को रेखांकित करती है। पेड़ कार्बन स्थिरीकरण, तापमान नियमन तथा जैव-विविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। पेड़ न होने से ये

प्राकृतिक प्रक्रियायें बाधित होती हैं जिससे मृदा क्षरण, वन्यजीवों के लिए पर्यावास संकट तथा समग्र रूप से जीवन की गुणवत्ता में कमी आती है। यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रही तो दिल्ली को बढ़ते तापमान, गंभीर जल संकट, जैव-विविधता में गिरावट तथा खराब वायु गुणवत्ता के कारण आम जनजीवन में भारी गिरावट का सामना करना पड़ेगा। दुर्भाग्य से आम लोगों की सोच है कि सरकार को इसके बारे में कुछ करना चाहिए, जबकि लोग स्वयं इसमें काफी परिवर्तन ला सकते हैं। दिल्ली की पर्यावरणीय चुनौतियों के एकदम उलट राजस्थान का पिपलांतरी गांव आशा की एक किरण तथा टिकाऊ विकास का एक माडल पेश करता है। उदयपुर के निकट स्थित पिपलांतरी को गांव में पैदा हर लड़की के लिए 111 पौधे लगाने की विशिष्ट पहल के लिए अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हुई है। पूर्व ग्राम प्रमुख श्याम सुंदर पालीवाल ने यह व्यवहार अपनी मृत बेटी की याद में शुरू किया था जिसने गांव का परिदृश्य तथा उसका सामाजिक-आर्थिक ढांचा बदल दिया है। इसके बाद से पिपलांतरी में 350,000 पेड़ लगाए गए जिससे एक समय बंजर रहा यह क्षेत्र पूरी तरह हरा भरा हो गया है। इसके अनेक लाभ हुए हैं जिनमें वायु गुणवत्ता में सुधार, भूमिगत जल स्तर में वृद्धि तथा स्थानीय संसाधनों पर सामुदायिक स्वामित्व की भावना शामिल हैं। इस पहल से ग्रामीण भारत में व्याप्त 'जेंडर पूर्वाग्रह' को चुनौती मिली है। पिपलांतरी में अनेक पर्यावरणीय लाभ दिखे हैं। बढ़ते वनाच्छादन से मृदा क्षरण पर लगाम लगी है, कृषि उत्पादकता बढ़ी है तथा विभिन्न प्रजातियों को पर्यावास मिला है जिससे जैव-विविधता बढ़ी है। दिल्ली की स्थिति तथा पिपलांतरी की सफलता सक्रिय पर्यावरणीय नीतियों एवं सामुदायिक सहभागिता की आवश्यकता जताती है। दिल्ली जैसे क्षेत्रों को पिपलांतरी के उदाहरण से कई सबक सीखने चाहिए।

चुनाव प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न

2024 चुनाव प्रचार अभियान में आक्रामकता छाई रही। इसके साथ ही मीडिया में तीखा संघर्ष तथा गंभीर वैचारिक द्वंद्व भी सामने आया है।

कुमार चेलप्पन
(लेखक, द पायनियर के विशेष संवाददाता हैं)

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान में आक्रामकता छाई रही। इसके साथ ही मीडिया में तीखा संघर्ष तथा गंभीर वैचारिक द्वंद्व भी सामने आया है। विगत शनिवार को लोकसभा चुनाव में सातवें चरण का मतदान संपन्न होने के बाद लंबी चली चुनाव प्रक्रिया पूर्ण हुई ओर सारी जनता चुनाव परिणामों की प्रतीक्षा करने लगी। मंगलवार को चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद राष्ट्रपति चुनावों में विजेता को नई सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगी। यदि कोई पार्टी अपने दम पर बहुमत का आंकड़ा पार करने में सफल नहीं होती है तो गठबंधन सरकार का गठन होगा जिसमें विभिन्न विचारधाराओं वाले दल एकसाथ आ जाएंगे। मजेदार बात है कि भले ही गैर-भाजपा दलों की विचारधारायें अलग-अलग हों, पर वे मोदी-विरोध के नाम पर फिलहाल एकजुट दिख रहे हैं।

एक्ज़िट पोलों के अनुसार भाजपा तथा उसके नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन-राजग सरकार बनाने की स्थिति में आ जाएगा। लेकिन विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में शामिल राजनीतिक दल एक्ज़िट पोलों के अनुमान स्वीकार करने को तैयार नहीं थे और वे मतगणना के परिणामों की प्रतीक्षा कर रहे थे। 2024 के चुनाव प्रचार अभियान पर गौर करें तो यह आक्रामकता से भरा रहा है जिसमें प्रधानमंत्री मोदी समेत अन्य नेताओं ने विरोधियों के बयानों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया। मीडिया द्वारा तथ्यों के विकृतीकरण से कुछ समुदायों में गुस्सा भी भड़का। भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव की घोषणा करने के बाद भाजपा की योजना में संविधान संशोधन का कोई एजेंडा नहीं था। लेकिन भाजपा विरोधियों का आक्रामक अभियान इस मामले में एकजुट था कि यदि भाजपा चुनाव जीत जाती है तो फिर देश में चुनाव नहीं होंगे तथा संविधान को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा।

स्वयं को प्रतीक्षारत प्रधानमंत्री समझने वाले राहुल गांधी एक कदम और आगे बढ़े। उन्होंने घोषणा कर दी कि भाजपा हमेशा के लिए अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा ओबीसी का आरक्षण समाप्त कर देगी। हालांकि, भाजपा ने बार-बार इन आरोपों का खंडन किया, पर केरल और तमिलनाडु में इस अवधारणा का प्रचार किया गया कि मोदी किसी प्रकार के आरक्षण के खिलाफ हैं। इस बीच कांग्रेस, माकपा और समान विचारधारा वाली पार्टियों ने नरेन्द्र मोदी तथा संघ परिवार पर दक्षिण भारत में भयानक गर्मी और पानी की कमी तक पैदा करने का आरोप लगा दिया।

इसके बाद भारी बरसात हुई तथा केरल में तेज समुद्री हवायें चलने लगीं। मजेदार बात है कि कांग्रेस और माकपा ने इसका ठीकरा भी मोदी पर फोड़ने का प्रयास किया। प्रधानमंत्री द्वारा एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कातर की विषयवस्तु को विपक्षी नेताओं ने तोड़-मरोड़ कर यह आरोप लगा दिया कि प्रधानमंत्री ने स्वयं को 'ईश्वर' बता दिया है।

वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी ने साक्षात्कार में कहा था कि वे 140 करोड़ भारतीयों को अपना देवता मानते और उनकी पूजा करते हैं। विपक्ष के इन अपराधों को माफ नहीं किया जा सकता है। सामान्य लोगों के लिए चुनाव भाषण सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा होते हैं। इनमें विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के राज्य स्तरीय व राष्ट्रीय नेता मतदाताओं को देश में अलग-अलग समय शासन करने वाली पार्टियों की विफलता बताते हैं। मतदाताओं को यह जान कर आश्चर्य होता है कि जो पार्टी स्वयं को भारत पर शासन का अधिकारी मानती थी, उसने मतदाताओं के साथ क्या किया है। प्रख्यात इतिहासकार आर.सी. मजूमदार ने दस खंडों वाली एक श्रृंखला 'द हिस्ट्री एंड कल्चर आफ इंडियन पीपुल' का संपादन किया था। इसे कुलपति डा. के.एम. मुंशी की पहल पर भारतीय विद्या भवन ने प्रकाशित किया था। लेकिन इसे देश के वामपंथी इतिहासकारों ने 'अश्पृश्य उत्पाद' घोषित कर दिया। वामपंथी तथा देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस ने देश से बहुत कुछ छिपाया है।

2024 का आम चुनाव एक ऐसी घटना है जिसे मतदाता जल्दी से जल्दी भुलाना चाहेंगे। इसके पहले कभी चुनाव प्रचार इतनी आक्रामकता के स्तर तक नहीं पहुंचा था। इससे यह भी स्पष्ट है कि मीडिया को अपनी प्रेक्षक की भूमिका अच्छी तरह समझनी चाहिए। 'द गार्जियन' के संपादक स्वर्गीय सी.पी. स्काट ने पत्रकारिता को परिभाषित करते हुए कहा था कि इसका अर्थ है, 'तथ्य पवित्र होते हैं, पर लोगों की राय स्वतंत्र होती है।' इसे पत्रकारिता का प्रमुख सिद्धान्त माना जाता है। लेकिन विडंबना है कि आजकल की पत्रकारिता में इस सिद्धान्त को भुला दिया गया है जिसके चलते आज तथ्य तथा लोगों की राय, सब कुछ स्वतंत्र हो गया है। इसके कारण विभिन्न मीडिया समूह अपनी पसंद के अनुसार तथ्यों का स्वयं चयन कर उनको विकृत करने तथा उनके आधार पर लोगों की राय बनाने का प्रयास करते हैं। वर्तमान समय में यदि अधिकांश अखबारों की राय पर गौर किया जाए तो विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पहले ही चुनाव जीत चुका है और अब उसे केवल नई सरकार गठित करने की प्रतीक्षा है। इस कारण उनके द्वारा किए जनमत सर्वेक्षण तथा लोगों की राय एक प्रकार से मजाक बन गई है। अब लोकसभा चुनाव के सातों चरणों का मतदान पूरा होने के बाद केवल 4 जून, 2024 को ही पता चलेगा कि हवा किस दिशा में चल रही थी। इसलिए संपूर्ण रूप से चुनाव परिणाम आने से पहले अखबारों और खबरिया चैनलों को इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में किसी का पक्ष नहीं लेना चाहिए। हालांकि, इस तर्क का विस्तार राजनीति तक स्वाभाविक रूप से होता है कि 'मेरा कुर्ता तुम्हारे कुर्ते से ज्यादा सफेद है', लेकिन इसके कारण विपक्षियों पर अकारण आक्रामक बयानबाजी नहीं होनी चाहिए तथा उनको नीचा दिखाने के प्रयास नहीं होने चाहिए।

मुख्य राजनीतिक पार्टियों के अनेक प्रमुख नेताओं ने निन्दनीय और घृणित बयान दिए हैं। एक कुख्यात अपराधी और माफिया डॉन मुख्तार अंसारी को एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी द्वारा 'शहीद' बताना अत्यधिक निन्दनीय और आश्चर्यजनक कृत्य है। हम भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद को शहीद कहते आए हैं, पर पहली बार एक माफिया डॉन को एक राजनीतिक पार्टी के अध्यक्ष द्वारा 'शहीद' का दर्जा दिया गया है।

कांग्रेस नीत विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के कुछ नेताओं ने एक ऐसे व्यक्ति की प्रशंसा की जिसे चारा घोटाले में संलिप्त होने के कारण आजन्म कारावास की सजा दी गई है। 'इंडिया' के नेताओं ने उसे भारत का सर्वाधिक ईमानदार नेता बता दिया, जबकि गंभीर चिकित्सा समस्याओं के कारण वह जमानत पर रिहा है। पूना में पोर्श्च कार दुर्घटना में दो लोगों की जान गई। यह दुर्घटना इस बात का प्रमाण है कि कुछ भाजपा नेता भी पक्षपात के आरोपों से मुक्त नहीं हैं। भाजपा महाराष्ट्र में सरकार की गठबंधन सहयोगी है जिसमें रांकापा के एक धड़े की प्रमुख सहभागिता है। वर्तमान स्थितियों को देखते हुए स्पष्ट है कि केवल ज्ञानवान, विवेकी व स्वच्छ छवि वाले नेताओं को ही चुनाव जीत कर केन्द्र सरकार का हिस्सा बनना चाहिए। अपराधों के दोषियों तथा माफिया डॉनों का चुनाव संघर्ष में कोई हिस्सा नहीं होना चाहिए। अतीत में चुनावों को अपराधियों, भ्रष्टाचारियों, काले धन का भंडारण करने वाले व माफिया तत्वों से मुक्ति दिलाने के अनेक प्रयास हुए हैं, पर दुर्भाग्य से वे अपनी चरम परिणति तक नहीं पहुंचे हैं। यदि जघन्य अपराधों के दोषी मुख्तार अंसारी जैसे माफिया डॉनों को जिम्मेदार राजनेताओं द्वारा 'शहीद' का दर्जा दिया जाएगा तथा चारा घोटाले में आजन्म कारावास की सजा प्राप्त व्यक्ति को भारत का सर्वाधिक ईमानदार बताया जाएगा तो स्वच्छ चुनावों की कल्पना ही कठिन हो जाएगी।

हालांकि, अतीत में खासकर टी.एन. शेषन के उल्लेखनीय व असाधारण प्रयासों से चुनाव प्रक्रिया काफी स्वच्छ हुई है, पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। कुल मिला कर कहें तो भारतीय निर्वाचन आयोग को चुनाव प्रक्रिया की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार करना होगा। समाज-विरोधी व राष्ट्र-विरोधी तत्वों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा नहीं मिलना चाहिए क्योंकि जनता ही देश की स्वामी है। लोकतंत्र में निर्णय जनता को ही करना चाहिए।

अपराध और अंतरचेतना

ध्यान के माध्यम से आध्यात्मिक लचीलापन आपराधिक व्यवहार को सुधारने में मदद कर सकता है।

ब्रह्मकुमार निकुंज
(लेखक, आध्यात्मिक उपदेशक हैं)

हाल ही में हुई एक हिट-एंड-रन त्रासदी से पूरा देश स्तब्ध रह गया, जिसमें एक किशोर, जो कथित तौर पर एक लग्जरी कार के पहिये के पीछे नशे में था, एक मोटरसाइकिल से टकरा गया, जिसमें दो होनहार युवा आईटी पेशेवरों की जान चली गई। आपराधिक मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, किसी अपराध के होने से पहले उसे अंजाम दिया जाना चाहिए। इसलिए, बिना कार्रवाई के कोई अपराध नहीं हो सकता। इसलिए, वे कहते हैं कि अधिकांश मामलों में, कोई व्यक्ति अत्यधिक तनाव, अप्रतिरोध्य प्रलोभन, बेकाबू जुनून, गहरे मोह, अत्यधिक उकसावे या घोर निराशा के क्षण में या दृढ़ विश्वास या विवेक की अमर पुकार के जवाब में अपराध करता है। इसलिए, उनके अनुसार यदि वह बेचैनी की इन स्थितियों के दबाव को कुछ मिनटों या शायद कुछ सेकंड के लिए भी झेल सकता है, तो वह शायद अपराध क्षेत्र से बाहर हो सकता है और कम से कम किसी भी संज्ञेय अपराध के आरोप से मुक्त हो सकता है। दूसरे दृष्टिकोण से विचार करने पर यह कहा जा सकता है कि यदि मनुष्य की विवेक बुद्धि, उसका आत्म-सम्मान, उसकी भावनाओं पर उसका नियंत्रण, उसका संयमित निर्णय, उसकी श्रेष्ठ भावनाएँ तथा उसकी आध्यात्मिक या नैतिक भावना ने उसका साथ न छोड़ा होता, तो शायद नकारात्मक शक्तियों का अंधाधुंध तूफान शांत हो जाता और वह अपराध करने से बचता और इस प्रकार उस दर्दनाक अनुभव से बच जाता जो आम तौर पर अपराध के बाद होता है।

एक बार जब कोई जघन्य अपराध हो जाता है, तो मनुष्य के भीतर की कोमल आत्मा को किसी आपराधिक अपराध के लिए जेल जाने या अपने दीवानी अपराध

के लिए संबंधित अधिनियम के तहत सजा के रूप में भारी राशि का भुगतान करने या दोनों को भुगतने से पहले ही अपमानजनक और कष्टदायक अनुभव से गुजरना पड़ता है। न केवल वह उदास महसूस करता है और अपने सीने पर भारी बोझ ढोता है, बल्कि वह अपनी अंतरात्मा का सामना करने, आईने के सामने खड़े होने और अपना चेहरा पहले की तरह देखने में भी असमर्थ होता है। हमें इस बात पर विचार करना होगा कि क्या कानून उन सभी कृत्यों को कवर करता है जो सार्वजनिक कल्याण को नुकसान पहुंचा सकते हैं? इसलिए कोई यह कह सकता है कि अपराध की कोई वस्तुनिष्ठ, सरल परिभाषा नहीं है।

क्योंकि अपराध का अर्थ उस विशेष समाज से प्रभावित होता है जिसमें हम रहते हैं। जैसे, कुछ अपराध सख्त कानूनी परिभाषाओं के भीतर होते हैं और कुछ ऐसे होते हैं जो कोड या परंपराओं से संबंधित होते हैं जिन्हें मानक परिभाषाएँ कहा जाता है। वे आम तौर पर धर्म जैसे औपचारिक नैतिक कोड या सामाजिक रूप से स्वीकार्य व्यवहार जैसे अनौपचारिक कोड होते हैं। अपराध के कृत्य और न्यायालय द्वारा दंड हमेशा की तरह चलते रहते हैं। हालाँकि, एक महत्वपूर्ण प्रश्न जिस पर किसी भी सरकार या न्यायपालिका ने गंभीरता से और लगन से खुद को संबोधित नहीं किया है, वह बना हुआ है। यह प्रश्न किसी व्यक्ति के अपराध करने से पहले और अपराध करने के बाद की मन:स्थिति से संबंधित है। यह सर्वविदित है कि किसी व्यक्ति को अपराध करने के लिए उकसाने वाली ताकतें क्रोध की पागल करने वाली भावनाएं, घृणा, ईर्ष्या, प्रतिद्वंद्विता, प्रतिशोध या दुश्मनी की भस्म करने वाली आग, बढ़ा हुआ लालच, उत्तेजित तीव्र जुनून, फुला हुआ या घायल अहंकार, भावनात्मक लगाव का उभार या अज्ञात का गंभीर भय के अलावा और कुछ नहीं हैं।

जब तक हम नागरिकों के मन से इन नकारात्मक लक्षणों को बहुत कम या पूरी तरह से हटा नहीं देते, तब तक हम अपराध को कम नहीं कर सकते या अपराध रहित समाज नहीं बना सकते। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे समाज द्वारा अपराध के जन्मपूर्व और जन्मोत्तर पहलुओं से कभी भी पर्याप्त रूप से निपटा नहीं गया है। यह शायद ही कभी महसूस किया जाता है कि वास्तव में ऐसे उपायों की आवश्यकता है जो नागरिकों की तनाव और दबाव की स्थितियों या लालच, अहंकार और जुनून के तूफानों के प्रति मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक प्रतिरक्षा को बढ़ाएं। यह आध्यात्मिक शिक्षा और ध्यान में मार्गदर्शन के बिना नहीं किया जा सकता है।

क्योंकि यह ध्यान ही है जो किसी व्यक्ति में क्रोध, घृणा और अन्य नकारात्मक और आपराधिक प्रवृत्तियों की छिपी हुई जड़ों को जला सकता है। इसके लिए कुल मिलाकर खर्च और इसके लिए आवश्यक जनशक्ति और प्रयास कानून के पहियों को तेल लगाने और चलाने के लिए आवश्यक बहुत कम होंगे।

आप की बात

राजनीतिक चुनौती

आम चुनाव कई राजनीतिक दलों के लिए निर्णायक मोड़ हो सकते हैं। अस्तित्व की लड़ाई लड़ने वाली बसपा, जदयू, शिवसेना, अकाली दल, इनेलो, जेडीएस, बीआरएस के लिए यह चुनौती गंभीर है। 2007 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अपने दम पर बहुमत हासिल करने वाली बसपा अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। 2014 से लेकर अब तक पार्टी के प्रदर्शन में गिरावट आई है। इसी तरह जदयू ने भी कई बार अपने राजनीतिक सहयोगी बदले हैं, लेकिन सफलता की राह मुश्किल होती जा रही है। भाजपा से अलग होने के बाद शिवसेना की स्थिति और जटिल हो गई है। सत्ता की लालसा में पार्टी ने कांग्रेस और राकांपा के साथ गठबंधन किया लेकिन इससे वह विभाजित हो गई। अब बाला साहब ठाकरे की विरासत को लेकर मतदाता ही तय करेंगे कि वे किसे उनका सच्चा वारिसत मानते हैं, उद्धव ठाकरे को या एकनाथ शिंदे को। अकाली दल की स्थिति भी ठीक नहीं है। कृषि सुधार कानूनों के विरोध में भाजपा से अलग होने के बाद पार्टी का जनाधार घटा है। हरियाणा में इनेलो और जजपा अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। दक्षिण भारत में जेडीएस और बीआरएस की स्थिति भी संघर्षमय है। ऐसे दलों को चुनाव परिणामों का विश्लेषण कर राजनीतिक चुनौती का सामना करना होगा।

– **अवनीश गुप्ता,** आजमगढ़

विपक्ष के बदले सुर

मतगणना से एक दिन पहले विपक्षी इंडिया गठबंधन ने चुनाव आयोग से बतचीत कर अपनी मांगे रखी जिसके जवाब में आयोग में प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से उनकी सभी शंकाओं के समाधान के साथ-साथ यह भी कहा कि चुनाव आयोग के ऊपर बार-बार बिना वहज आरोप लगाते रहना और बार-बार सुप्रीमकोर्ट का दरवाजा खटखटाना देश की पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर धब्बा लगाने का प्रयास है। चुनाव आयोग ने अपनी प्रेस कान्फ्रेंस में लोकसभा चुनाव की व्यापकता और गहनता की रूपरेखा प्रस्तुत कर बताया कि ये चुनाव दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक आयोजन हैं। नतीजे आना शुरू होने के बाद विपक्ष के सुर बदल गए, अब ईवीएम भी ईमानदार हो गई, चुनाव आयोग निष्पक्ष हो गया, चुनाव में कोई गड़बड़ी नहीं हुई तथा यायपालिका भी निषक्ष है। विपक्ष का इस प्रकार गिरगिट की तरह रंग बदलना और देश के मजबूत प्रजातंत्रकी जड़ें खोदने के साथ-साथ जानादेश का तिरस्कार करना भी है। विपक्ष को अपने दोहरे रवैया पर मंथन करना चाहिए। विपक्ष समेत सभी राजनीतिक दलों को अपनी जय पराजय के कारणों की गंभीर समीक्षा कर जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने का प्रयास करना चाहिए।

– **सुभाष बुडावन वाला,** रतलाम

खेलों में नस्लभेद

कुछ दिन पहले फुटबॉल की विश्व शासी संस्था फीफा ने कहा कि उसने फुटबॉल में नस्लवादी दुर्व्यवहार से निपटने के लिए पांच स्तंभों वाली योजना प्रस्तावित की है। नस्लभेद ने सिर्फ समाजों में नहीं बल्कि खेलों में भी अपनी पैठ बना ली है। इसके कारण फीफा को भी इस पर कदम उठाने के लिए बाध्य होना पड़ा। जर्मनी फुटबॉल टीम के कोच जूलियन नैगल्समैन ने एक नस्लवादी सर्वेक्षण का हवाला दिया जिसमें प्रतिभागियों से पूछा गया था कि क्या वे राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए अधिक श्वेत खिलाड़ियों को चाहते हैं? अप्रैल में हुए इस सर्वेक्षण को जर्मन सार्वजनिक प्रसारक डब्लूडीआर द्वारा प्रसारित किया गया था। इस तरह के सर्वेक्षण केवल खेल ही नहीं बल्कि किसी भी संस्थान में नहीं होने चाहिए। जर्मन कोच ने बिलकुल सही कहा है कि जब जर्मन टीम जीतती है तो कहा जाता है कि हमारा देश जीता है मगर जब वो हार जाती है तो नस्लभेदी लोग कहते हैं ये विदेशी खिलाड़ियों वाली टीम पराजित हुई है। दुनिया भर में आज नस्लभेद, रंगभेद, लिंगभेद और धर्मभेद से छुटकारा पाने के लिए विभिन्न सामाजिक संस्थाएँ निरंतर प्रयासरत हैं। ऐसी भेदभाव करने वाली प्रवृत्तियों को सभी जगह समाप्त होना चाहिए।

–**जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

संकट में ट्रंप

अमेरिका में मैनहटन कोर्ट की ओर से पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को 34 अपराधों में दोषी ठहराना जितनी बड़ी घटना है, उससे कहीं ज्यादा अहम है इस पर ट्रंप और उनके समर्थकों का रिएक्शन। समर्थक ट्रंप के हक में सड़कों पर उतर गए और सोशल मीडिया पर सिविल वॉर तक की धमकी दे रहे हैं। यह स्थिति दुनिया में लोकतंत्र का स्तंभ माने जाने वाले अमेरिका के लिए अत्यन्त दु:खद है। आश्चर्य है कि अमेरिका के कानून में कोर्ट से अपराधी घोषित किए गए व्यक्ति को भी चुनाव लड़ने से रोकने का कोई नियम नहीं है। रिपब्लिकन पार्टी में ट्रंप को इन आरोपों के बावजूद अच्छी-खासी बढ़त मिल रही है। ट्रंप के समर्थक आक्रामक मूड में नजर आ रहे हैं। हालांकि, अमेरिकी अपराध संहिता के अनुसार ये अपराध बहुत निम्न श्रेणी के हैं, लेकिन देखना होगा कि क्या इसके बावजूद रिपब्लिकन उनको अपना राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाते हैं अथवा किसी अन्य का चयन करते हैं। फिलहाल ट्रंप संकट में हैं और उनका राजनीतिक भविष्य दांव पर लगा है। उल्लेखनीय है कि उन्होंने बवाल कर जनादेश उलटने का प्रयास भी किया था।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

अखिलेश की अगुवाई में सपा की यूपी में चमत्कारिक वापसी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की राजनीति में समाजवादी पार्टी ने अखिलेश यादव की अगुवाई में चमत्कारिक वापसी कर राजनीतिक पंडितों को हैरान कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और भाजपा द्वारा राम मंदिर निर्माण का श्रेय जोरशोर से लेने के बावजूद समाजवादी पार्टी का शानदार चुनावी प्रदर्शन जमीनी स्तर पर अखिलेश की लोकप्रियता और उनकी राजनीतिक सूझबूझ को दर्शाता है। आम चुनाव के अबतक के रूझानों में सपा 30 सीटें जीत चुकी है जबकि सात पर बढत बनाए हुए है जबकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के हिस्से में 29 सीटें आई हैं और चार पर वह आगे चल रही है।

यह रूझान भाजपा के लिए करारा झटका है। पार्टी ने उस प्रदेश की सभी 80 सीट जीतने का दावा किया था जहां से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सांसद हैं। सपा ने मायावती नीत बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के साथ गठबंधन में पिछला चुनाव लड़ा था और पांच सीट जीती थी, लेकिन इस बार अखिलेश की पार्टी ने प्रदेश में भाजपा को करारा झटका दिया है, जिसने 2019 में 62 सीट जीती थीं। एक जुलाई 1973 को जन्मे अखिलेश यादव ने राजनीतिक रूप से इस महत्वपूर्ण राज्य में विपक्ष के अभियान का नेतृत्व किया। उनकी पार्टी ने विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के तहत 62 सीट पर चुनाव लड़ा और शेष सीट कांग्रेस तथा अन्य दलों के लिए छोड़ दीं।

सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद यह पहला आम चुनाव था और अखिलेश ने निराश नहीं किया और उनके नेतृत्व में पार्टी साल 2004 से भी बेहतर प्रदर्शन करने की ओर अग्रसर है। 2004 के चुनाव में सपा ने 36 सीट जीती थी। प्रचार के दौरान मोदी अक्सर अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दो लड़कों की जोड़ी बताकर तंज कसते थे। ऐसा लगता है कि अखिलेश के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) फार्मूले ने पार्टी के लिए काम किया।

भाजपा ने प्रचार के दौरान अयोध्या स्थित राम मंदिर के मुद्दे को जोरशोर से उठाया, बावजूद इसके सपा फैजाबाद लोकसभा सीट पर भी भाजपा से आगे है। इस सीट में अयोध्या का क्षेत्र शामिल है। इंडिया गठबंधन की सहयोगी तृणमूल कांग्रेस को प्रदेश में भदोही लोकसभा सीट दी गई। अखिलेश ने अपने भाषणों में भाजपा की मनमानी को उजागर करने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झामुमो नेता हेमंत सोरेन को जेल भेजने की निंदा की। उन्होंने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद और उनके बेटे तेजस्वी यादव की प्रशंसा भी की।

कन्नौज लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे अखिलेश ने अपनी पत्नी डिंपल यादव और तीन चचेरे भाइयों के लिए समर्थन जुटाने की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली। चुनाव प्रचार के दौरान अखिलेश ने भाजपा को अपने विमर्श को बदलने के लिए मजबूर किया और कुछ हद तक उसे बैकफुट पर भी धकेल दिया। उन्होंने सत्तारूढ़ दल के भाई-भतीजावाद के आरोप पर पलटवार करते हुए कहा कि जिनका कोई परिवार नहीं है, उन्हें दूसरों को दोष देने का कोई अधिकार नहीं है। इस जवाब से भाजपा के सभी शीर्ष नेताओं के साथ-साथ जमीनी कार्यकर्ताओं ने भी अपने सोशल मीडिया परिचय में मोदी का परिवारै जोड़ दिया। सपा के प्रदर्शन से संकेत मिलता है कि राज्य की मुस्लिम आबादी का भी उसे मजबूत समर्थन मिल है, जो कुल आबादी में एक बड़ा हिस्सा है। चुनाव से पहले अखिलेश ने चाचा शिवपाल सिंह यादव के साथ तालमेल बिठाया और उन्होंने पार्टी को अपने पारंपरिक मतदाताओं तक पहुंचने में मदद की जिनमें से अधिकांश यादव जाति से हैं और राज्य के पूर्वी और मध्य भागों में फैले हुए हैं। चुनावी रूझान दर्शाते हैं कि अपने पूर्व सहयोगी बहुजन समाज पार्टी से अलग होने से सपा को कोई नुकसान नहीं हुआ।

यादव परिवार के पांचों उम्मीदवारों ने दर्ज की जीत

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश से समाजवादी पार्टी (सपा) के टिकट पर चुनाव लड़ रहे सियासी लिहाज से प्रभावशाली यादव परिवार के अखिलेश यादव और उनकी पत्नी डिंपल यादव सहित सभी पांच उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, कन्नौज में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा के सुब्रत पाठक पर जीत दर्ज की जबकि मैनपुरी में उनकी पत्नी डिंपल यादव ने भाजपा के जयवीर सिंह को हराया। आजमगढ़ में सपा के धर्मेंद्र यादव भाजपा के दिनेश लाल यादव निरहुआ से विजयी हुए। फरोजाबाद में पार्टी नेता राम गोपाल यादव के बेटे अक्षय यादव भाजपा के विश्वदीप सिंह से जीत गए। बदायूं में सपा नेता शिवपाल यादव के बेटे आदित्य यादव ने भाजपा के दुर्विजय सिंह शाक्य को परास्त किया। पार्टी ने पहले इस सीट पर शिवपाल को टिकट दिया था, लेकिन बाद में उनके बेटे आदित्य को टिकट दे दिया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह समेत भाजपा नेताओं ने चुनाव प्रचार के दौरान अखिलेश यादव पर अपने परिवार के सदस्यों को टिकट देने का आरोप लगाया था।

राहुल ने तोड़ा मां सोनिया का रिकॉर्ड

लखनऊ। लोकसभा चुनाव-2024 का परिणाम कई मायनों में महत्वपूर्ण रहा है। इस बार कई सूरमाओं को हार का सामना करना पड़ा तो कई नेताओं को जनता ने अपना भरपूर प्यार दिया। जनता से प्यार पाने वालों में राहुल गांधी भी एक हैं। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और दिग्गज नेता राहुल गांधी पर इस बार न केवल वायनाड सीट बचाने की जिम्मेदारी थी, बल्कि कांग्रेस के गढ़ रायबरेली को सुरक्षति करना भी उनके लिए बड़ी चुनौती थी। सोनिया गांधी रायबरेली सीट से लोकसभा लड़ती थीं और राहुल गांधी अमेठी से चुनाव मैदान में उतरते थेद्ध साल 2019 में अमेठी से हार मिलने के बाद कांग्रेस का एक मजबूत गढ़ ढह गया था। सोनिया गांधी राज्यसभा से संसद पहुंचीं और इस बार रायबरेली से राहुल गांधी को प्रत्याशी बनाया गया। राहुल ने यहां मां सोनिया के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए प्रचंड मतों से जीत हासिल की है। बीजेपी की ओर से दिनेश प्रताप सिंह प्रत्याशी थे। राहुल गांधी वायनाड (केरल) से भी बतौर कांग्रेस प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। वहां वोटिंग समाप्त होने के बाद राहुल ने रायबरेली लोकसभा सीट से भी पर्चा दाखिल किया था। रायबरेली सीट कांग्रेस की परंपरागत सीटों में से एक रही है। सोनिया गांधी ने इस बार राज्यसभा के जरिये संसद में प्रवेश किया है। इसके बाद सवाल उठने लगा था कि रायबरेली से कांग्रेस का प्रत्याशी कौन होगा? हालांकि, कुछ दिनों की कयासबाजी के बाद इस वीवीआईपी सीट से राहुल का बतौर प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरना तय हो गया था। बीजेपी ने यहां से एक बार फिर से दिनेश प्रताप सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया। मतगणना शुरू होने के कुछ घंटों के बाद ही भाजपा प्रत्याशी ने अपनी हार स्वीकार कर ली थी। राहुल गांधी ने रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल की। राहुल गांधी ने रायबरेली से रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल की है। राहुल गांधी ने 6,84,261 मत हासिल किए। वहीं, उनके प्रतिद्वंद्वी दिनेश प्रताप सिंह को 2,95,646 मत मिले. इस तरह से राहुल गांधी ने भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह को 3,88,615 मतों से मात दी. साल 2019 के आम चुनाव में सोनिया गांधी को 5,34,918 वोट मिले थे, जबकि भाजपा के दिनेश प्रताप सिंह को 3,67,740 मत मिले थे. इस तरह से सोनिया गांधी ने 1,67,178 वोटों से जीत हासिल की थी।

उत्तर प्रदेश ने भाजपा को आईना दिखायाः माले

लखनऊ। चुनाव परिणाम पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए भाकपा (माले) के राज्य सचिव सुधाकर यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश को हिंदुत्व की प्रयोगशाला बनाने वाली भाजपा को प्रदेशवासियों ने आईना दिखा दिया है। झूठ, तानाशाही व नफरत की राजनीति की हार और लोकतंत्र, संविधान व न्याय की जीत हुई है। भाजपा के चार सौ पार नारे की हवा निकल गई। पीएम मोदी ने देश भर में अपने नाम पर वोट मांगे थे। तमाम सीटों पर मतदाताओं ने उन्हें नकार दिया। 'मोदी की गारंटी' नहीं चली। खुद वाराणसी सीट पर उन्हें इंडिया गठबंधन से कड़ी टक्कर मिली। राम मंदिर वाले अयोध्या में फैजाबाद सीट पर इंडिया गठबंधन की अपराजेय बढ़त है। यह भाजपा के लिए चिराग तले अंधेरा जैसा है। उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ने वाले मोदी मंत्रिमंडल के कई सदस्य हार रहे हैं। अमेठी से लेकर लखीमपुर खीरी तक का यही दृश्य है। यूपी के मतदाताओं ने भाजपा के आडंबर और अहंकार को धराशायी किया है। डबल इंजन और बुल्डोजर की विनाशकारी ताकत को लोकतंत्र की ताकत से रोक दिया है। मोदी-शाह-योगी की तिकड़ी को नकार कर प्रदेश में भाजपा को पिछली बार की तुलना में हाफ (आधा) कर दिया है। बेरोजगारी, महंगाई, बढ़ती असमानता और कारपोरेट फासीवाद से त्रस्त जनता ने भाजपा को कड़ा संदेश दिया है। एनडीए की आंधी बताने वाले गोदी मीडिया के एग्जिट पोल को ठेंगा दिख दिया। राज्य सचिव ने कहा कि भाकपा (माले) इंडिया गठबंधन के घटक के रुप में बिहार और झारखंड में कुल चार सीटों पर चुनाव लड़ी। इनमें से बिहार की दो लोकसभा सीटों - आरा और काराकाट - में पार्टी को जीत मिली और शेष दो सीटों - नालंदा व कोडरमा - में वह दूसरे स्थान पर रही।

यूपी में आखिरकार कांग्रेस को मिल ही गई संजीवनी

- रायबरेली व अमेठी सहित आधा दर्जन सीटों पर हासिल की जीत

पायनियर समाचार सेवा। लखऊ

उत्तर प्रदेश में अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन फिर से हासिल करने की कवायद में पिछले तीन दशकों से जुटी कांग्रेस को आखिरकार इस लोकसभा चुनाव में संजीवनी मिल ही गई। बीते इन दशकों में विधानसभा से लेकर लोकसभा चुनावों तक में लगातार खराब प्रदर्शन करने वाली कांग्रेस पार्टी ने इस बार समाजवादी पार्टी का साथ मिलने के यूपी में आधा दर्जन सीटों पर फतेह हासिल की। इस बार वह अपनी दोनों पारंपरिक सीटें रायबरेली और अमेठी को भी बचाने में कामयाब रही। पिछले लोकसभा चुनाव में उसे मात्र सोनिया गांधी के रूप में ही रायबरेली सीट पर जीत हासिल हुई थी जबकि अमेठी में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को भाजपा की स्मृति ईरानी से पराजय का सामना करना पड़ा था।

जिस यूपी में 403 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस के पास मात्र दो सीटें हैं, अब उसी यूपी की 80 में से छह लोकसभा सीटों पर उसका कब्जा है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बाद यूपी के सियासी माहौल में भी बदलाव महसूस किया जाने लगा था। कांग्रेस ने यूपी में बदलाव की शुरुआत 2022 के विधानसभा चुनाव में अपने बेहद खराब प्रदर्शन के बाद की। इस चुनाव में पार्टी के मात्र दो विधायक चुने गए। इनमें आराधना मिश्रा 'मोना' प्रतापगढ़ जिले में अपने परिवार की परंपरागत रामपुर खास विधानसभा सीट और वीरेन्द्र चौधरी महराजगंज जिले की फरेंदा विधानसभा सीट से चुनाव जीतने में सफल रहे। वीरेन्द्र चौधरी इसी सीट से कई बार चुनाव लड़ चुके थे। इस चुनाव के बाद पार्टी ने पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी की जगह पूर्व मंत्री अजय राय को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी। साथ ही प्रियंका गांधी की राष्ट्रीय राजनीति में व्यस्तता को देखते हुए राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडेय को उनकी जगह प्रदेश प्रभारी का दायित्व सौंपा। दोनों के कामकाज संभालने के बाद पार्टी का संगठनात्मक ढांचा दुरुस्त किया गया। नई प्रदेश कमेटी के गठन के साथ ही पार्टी ने यूपी में गठबंधन की संभावनाओं पर भी काम शुरू किया। राष्ट्रीय स्तर पर बने 'इंडिया गठबंधन' में सपा के शामिल होने की वजह से यूपी में सपा के साथ सीटों के बंटवारे की चुनौती को अविनाश पांडेय ने प्रियंका गांधी के सहयोग से दूर किया। यूपी में सपा के साथ समन्वय बनाने और निचले स्तर पर कार्यकर्ताओं तक संदेश देने के लिए सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान आगरा में हुई राहुल गांधी की सभा में शिरकत की। यह यात्रा यूपी के चंदौली से प्रवेश कर अमेठी, रायबरेली, लखनऊ, उन्नाव व कानपुर होते हुए आगरा तक पहुंची थी। यह संयुक्त सभा दोनों दलों के बीच सीटों का बंटवारा हो जाने के बाद हुई थी। फिर चुनाव के दौरान राहुल व अखिलेश की जनसभाओं ने गठबंधन को मुकाबले में ला दिया। प्रियंका गांधी ने भी जहां अखिलेश के साथ संयुक्त सभाएं कीं, वहीं सपा सांसद डिंपल यादव के साथ रोड शो किया। अमेठी व रायबरेली में चुनाव प्रचार की कमान तो पूरी तरह प्रियंका के ही हाथ में रही।

साल 2019 में हुए पिछले लोकसभा चुनाव और उसके बाद 2022 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में अपना सबसे बदतर प्रदर्शन करने वाली कांग्रेस इस बार लोकसभा चुनाव में इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के तहत समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में सूबे की 80 में से 17 सीट पर चुनाव लड़ी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी रायबरेली सीट पर, अमेठी मे पार्टी उम्मीदवार किशोरी लाल शर्मा, बाराबंकी में कांग्रेस के तनुज पुनिया ने जीत दर्जकी है। कांग्रेस की झोली में सहारनपुर, सीतापुर और इलाहाबाद जैसी सीटें भी आई हैं। कांग्रेस इस बार उत्तर प्रदेश की जिन 17 सीट पर मैदान में है, उनमें से तीन सीट पर पिछले लोकसभा चुनाव में दूसरे स्थान पर रही थी जबकि 11 सीट पर उसकी जमानत तक जब्त हो गई थी। उस चुनाव में उसे मात्र 6.4 फीसद वोट मिले थे।

वर्ष 2019 में हुए पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया था और उसे रायबरेली के रूप में एकमात्र सीट हासिल हुई थी। पार्टी को सबसे बड़ा झटका अमेठी में लगा था जहां पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी भाजपा की स्मृति ईरानी से 55 हजार से ज्यादा मतों से पराजित हो गए थे।

कांग्रेस 1989 के बाद से उत्तर प्रदेश की सत्ता से बाहर है। उसके बाद से उसका जनाधार लगातार घटा है और 2022 के विधानसभा चुनाव में उसकी हालत और भी खराब हो गई थी। कांग्रेस को उस चुनाव में सिर्फ 2.33 प्रतिशत वोट के साथ मात्र दो सीट-रामपुर खास और फरेंदा पर ही संतोष करना पड़ा था। समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस ने 2017 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव भी साथ मिलकर लड़ा था, मगर उन्हें करारी पराजय का सामना करना पड़ा था। हालांकि इस बार इस गठबंधन के बेहतर प्रदर्शन ने सभी को चौंका दिया है।

जनता की नब्ज को पकड़ने में नाकाम रहीं मायावती

- कोआर्डिनेटर्स पर भरोसा, बार -बार प्रत्याशी बदलना बनी कमजोरी की वजह
- सोशल इंजीनियरिंग के फार्मूले पर चल नहीं सकी पार्टी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आम लोकसभा चुनाव 2024 में एकला चलो की राह पर चलने वाली बहुजन समाज पार्टी के लिए लोकसभा चुनाव परिणाम अप्रत्याशित रहा। चुनाव में यूपी से एक भी सीट हासिल न कर पाने वाली बसपा पर उसकी रणनीति ही भारी पड़ गयी। कभी विपक्ष की तरफ से भाजपा की बी टीम कही जाने वाली बसपा इस बार चुनाव में परिणाम के आधार पर बहुजन समाज पार्टी विपक्ष के लिए बी टीम साबित हुई है। मैदान में एकला चलो के संदेश ने बसपा के काडर वोट बैंक विपक्षी खेमे की तरफ शिफ्ट हो गया। जिसका परिणाम रहा कि पार्टी के खाते में एक भी सीटें नहीं आई जबकि पूरा लाभ विपक्ष को मिला।

लोकसभा चुनाव से पूर्व बसपा प्रमुख मायावती जिस तरह से जमीनी स्तर पर पार्टी की समीक्षा करती नजर आई, परिणाम के आधार पर यह समीक्षा कोरी साबित हुई। पूरे चुनाव में बसपा प्रमुख अपने कॉडर वोट बैंक से दूर रहीं। काडॅर वोटबैंक के बजाय कोआर्डिनेटरों पर भरोसा जताकर उम्मीदवारों को मैदान में उतारना पार्टी के लिए भारी पड़ा।

जौनपुर, बस्ती, वाराणसी, आजमगढ़, अलीगढ़, मथुरा, फिरोजाबाद, झांसी, डुमरियागंज, संतकबीरनगर, मैनपुरी, गाजियाबाद, अमेठी और भदोही जैसी सीटों पर प्रत्याशी उतारने के बाद उनके टिकट काट कर उनके स्थान पर दूसरा प्रत्याशी देना बसपा के लिए मुफीद साबित नहीं हुआ। चुनाव में जिनके टिकट कटे, उनका लाभ विपक्ष को मिला। वहीं पार्टी के सोशल इंजीनियरिंग फार्मूले को देखा जाय तो इसमें भी बसपा फेल साबित हुई। बसपा की पहचान उसके कॉडर वोट बैंक से होती है। लेकिन चुनाव में बसपा प्रमुख ने कॉडर वोट बैंक के अलावा दूसरे वर्गों पर भरोसा जताना ज्यादा उचित समझा, शायद पार्टी के खाते में एक भी सीट न आने के पीछे एक यह भी कारण रहा।

इस बार के चुनाव में बसपा ने दलितों के बजाया मुस्लिम वर्ग पर ज्यादा भरोसा जताया और चुनाव में 22 मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया। चुनाव के दौरान यह सभी उम्मीदवार चुनाव हार गये। चाहे वह सहारनपुर से माजिद अली हों या मुरादाबाद से इरफान सैनी, रामपुर से जीशान खान, संभल से शैलत अली,अमरोहा से मुजाहिद हुसैन, एटा से मो. इरफान एडवोकेट, बदायूं से मुस्लिम खान,आंवला से आबिद अली,पीलीभीत से अनीस अहमद खां, कन्नौज से इमरान बिन जफर, महाराजगंज से मौसम अली, वाराणसी से अतहर जमाल लॉरी, गोरखपुर से जावेद सिमनानी, डुमरियागंज से मो. नदीम, अम्बेडकरनगर से कमर हयात अंसारी, संतकबीरनगर से नदीम अशरफ, श्रावस्ती से मोइनुद्दीन खान, आजमगढ़ से मशहूद अहमद, भदोही से इरफान अहमद, लखनऊ से सरवर मलिक हों। मैदान में इनको उतारकर बसपा दलित-मुस्लिम के जिस फार्मूले अचूक हथियार मान रही थी। उसे मुस्लिम मतदाताओं ने खारिज कर दिया। बसपा को वोट देने के बजाय मुस्लिम वर्ग ने सपा और कांग्रेस पर ज्यादा भरोसा जताया। वहीं मैदान में भ्रम की स्थिति लगातार विपक्ष द्वारा बनाये रखने के चलते बसपा का कॉडर वोट बैंक भी भ्रमित रहा, जिसके चलते उनके वोट विपक्ष के खाते में गये।

पार्टी में सिर्फ मायावती ही रहीं चुनावी चेहरा

लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की तरफ से जनता के बीच सिर्फ मायावती ही एक चेहरा रहीं और कोई दूसरे या तीसरे नंबर का नेता नहीं दिखा, जिससे जनता या पार्टी का कॉडर वोटबैंक जुट पाये। लोकसभा चुनाव से पूर्व अपने भतीजे आकाश आनंद को मायावती ने अपना उत्तराधिकारी और नेशनल कोआर्डिनेटर तो बनाया लेकिन चुनाव के दौरान आकाश को वापस बुला लेने के बाद पार्टी का कोई नेता नहीं दिखा। एक समय से पार्टी के लिए चाणक्य कहे जाने वाले सतीश चंद्र मिश्रा इस बार चुनावों से दूर रहे। ऐसे में पार्टी के सोशल इंजीनियरिंग फार्मूले में ब्राह्मण मतदाता नहीं जुड़ सका।

सीट नहीं मिली पर वोट प्रतिशत बरकरार

2009 के लोकसभा चुनाव से देखें तो पार्टी 80 सीटों पर मैदान में उतरी और चुनावों के दौरान 20 सीटें भाजपा के खाते में आई। बसपा का वोट प्रतिशत 27.42 फीसद रहा। वहीं 2014 के लोकसभा चुनाव में 80 सीटों पर पार्टी मैदान में उतरी पर एक भी सीट नहीं जीत पाई। पार्टी का वोट प्रतिशत 19.62 फीसद रहा। 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन के तहत बसपा 38 सीटों पर मैदान में उतरी और दस सीटों पर विजय हासिल की। पार्टी का वोट प्रतिशत 19.26 फीसद रहा।

ड्रोन से पार्टी के प्रदेश मुख्यालय की निगरानी पर कांग्रेस ने जताया ऐतराज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के चेयरमैन व पूर्व मंत्री डॉ. सीपी राय ने कहा है कि मंगलवार को पुलिस प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, 10 माल एवेन्यू, नेहरू भवन लखनऊ का ड्रोन कैमरे के माध्यम से निगरानी एवं वीडियोग्राफी करते हुए देखी गई, जो टोकने पर भाग खड़ी हुई। राय ने उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव गृह और पुलिस महानिदेशक से पूछा है कि ऐसे समय में जब देश में लोकसभा चुनाव की मतगणना हो रही है। इस तरह की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी का क्या इरादा है? आखिर आप क्या कार्यवाही करना चाहते हैं? डॉ. राय ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव इंडिया गठबंधन के साथ देश की आम जनता ने भी लड़ाई लड़ी है। जिसके कारण भारतीय जनता पार्टी बुरी तरह से हार रही है और देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। डॉ. राय ने कहा कि बड़ी संख्या में ऐसी सीटें हैं जिनमें जीत-हार का मार्जिन बहुत कम है।

पूर्वांचल से मिला सपा को खाद-पानी, काटी वोट की फसल

- साइकिल की स्पीड के आगे भाजपा के कई धुरंधर हारे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आम लोकसभा चुनाव 2024 यूपी में सपा के लिए मुफीद साबित हुआ। पूरे प्रदेश में समाजवादी पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। 2019 के चुनाव में परिवार तक सिमटने वाली पार्टी के अभूतपूर्व प्रदर्शन में पूर्वांचल का काफी योगदान रहा। पूर्वांचल में सपा की साइकिल इस कदर दौड़ी की भाजपा पीछे रह गयी। स्थिति यह रही कि भाजपा को महज दस सीटों पर ही संतोष करना पड़ा।

2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने जिस तरह से पश्चिमी उत्तरप्रदेश को अपनी प्रयोगशाला बनाकर जीत की फसल काटी थी, उसी आधार पर इस बार सपा का पूरा फोकस पूर्वांचल पर रहा। जिसका नतीजा रहा कि सपा यहां से अच्छी-खासी संख्या में सीट पाने में सफल रही। पूर्वांचल के तहत वाराणसी, जौनपुर, भदोही, मिर्जापुर, प्रयागराज, गोरखपुर, देवरिया, गाजीपुर, कुशीनगर, आजमगढ़, मऊ, महाराजगंज, राबर्ट्गंज, बस्ती, संत कबीर नगर, सिद्धार्थनगर, बलिया, सोनभद्र जैसे जिले आते हैं। इस बार के चुनाव में सपा की गणित पीडीए यानि पिछड़े-दलित और अल्पसंख्यक तक सीमित रही। जिसका नतीजा रहा कि जहां सपा को उसके परंपरागत एम-वाई वोट मिले। वहीं पिछड़े में यादव को छोड़ अन्य जातियों का वोट पाने में सपा सफल रही। दूसरे बसपा का वोट बैंक इस बार भाजपा को न ट्रांसफर होकर सपा के खाते में ट्रांसफर हो गया। जिसका नतीजा रहा कि पूर्वांचल साइकिल तेजी से दौड़ी।

इन सीटों पर सपा और कांग्रेस ने मारी बाजी

आजमगढ़ से सपा के धर्मेन्द्र यादव, लालगंज से दरोगा सरोज, जौनपुर से बाबू सिंह कुशवाहा, मछलीशहर से प्रिया सरोज, फूलपुर से प्रवीण पटेल, इलाहाबाद से उज्जवल रमण, प्रतापगढ़ से एसपी सिंह पटेल, कौशाम्बी से पुष्पेन्द्र सरोज, सलेमपुर से रविन्द्र राजभर, घोसी से राजीव राय, संतकबीरनगर से लक्ष्मीकांत निषाद, बस्ती से राम प्रसाद चौधरी, राबर्ट्गंज से छोटेलाल खरवार, गाजीपुर से अफजाल अंसारी, बलिया से सनातन पाण्डेय शामिल हैं।

इन सीटों पर खिला कमल

वाराणसी से नरेन्द्र मोदी, भदोही से विनोद कुमार बिंद, फूलपुर से प्रवीण पटेल, गोरखपुर से रविकिशन, बांसगांव से कमलेश पासवान, कुशीनगर से विजय दूबे, देवरिया से शशांकमणि त्रिपाठठ, महराजगंज से पंकज चौधरी, डुमरियागंज से जगदम्बिका पाल शामिल है।

ज्यादातार दलबदलुओं को जनता ने नकारा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

चुनाव से ठीक पहले अपना दल बदलने वाले ज्यादातार नेताओं को जनता ने नकार दिया।।अपनी पुरानी पार्टी छोड़ कर दूसरे दल का दामन थाम कर चुनाव लड़ने वालों में कुछ ही कामयाब हो पाए और बाकी की जीत की मंजिल तक नहीं पहुंच सके। पाला बदलने वाले भाजपा के भदोही से सांसद रमेश बिंद को जब दुबारा टिकट नहीं मिला तो वह ऐन मौके पर सपा में आ गए और मिर्जापुर से चुनाव लड़ गए लेकिन अपना दल की अनुप्रिया पटेल से वह हार गए। बसपा से पिछली बार अम्बेडकरनगर से जीते रितेश पांडेय ने भाजपा का पाल थाम कर सोचा था कि वह जीत जाएंगे लेकिन यहां सपा के लालजी वर्मा के हाथों शिकस्त खानी पड़ी। दानिश अली पिछली बार बसपा से जीते थे। इस बार वह कांग्रेस के प्रत्याशी हो गए और अमरोहा से चुनाव लड़े और हार गए। मुंबई में कांग्रेस में रह कर लंबे समय तक सियासत करने वाले कृपा शंकर सिंह भाजपा में आकर जौनपुर से चुनाव नहीं जीत पाए। भाजपा से बसपा में आए सच्चिदानंद पांडेय फैजाबाद से चुनाव हार गए। कांग्रेस से सपा में आई अनु टंडन को भी उन्नाव में हार का मुंह देखना पड़ा। बाल कृष्ण चौहान कांग्रेस छोड़कर बसपा में आए और घोसी चुनाव लड़ गए लेकिन जीत हासिल नहीं हुई।

इन्हें मिली जीत

दल बदलने वाले राम शिरोमणि वर्मा, अफजाल अंसारी, उज्जवल रमण, आरके चौधरी व बाबू सिंह कुशवाहा ही जीत सके। राम शिरोमणि वर्मा पिछली बार बसपा से श्रावस्ती से जीते थे। पार्टी से वह बाहर हो गए। सपा ने उन्हें अपनाकर टिकट थमा दिया। बीच में सपा ने एक और प्रत्याशी धीरेंद्र प्रताप को टिकट दे दिया लेकिन अंततः राम शिरोमणि वर्मा ही सपा से चुनाव लड़े और जीते। गाजीपुर से अफजाल अंसारी भी पिछली बार बसपा के टिकट पर सांसद बने थे। इस बार वह सपा प्रत्याशी हो गए और गाजीपुर से फिर शानदार जीत हासिल की। मायावती सरकार में कद्दावर मंत्री बाबू सिंह कुशवाहा ने बसपा छोड़ने के बाद अपनी जनअधिकार पार्टी बनाई और इसके जरिए कई प्रत्याशी उतारने की तैयारी में थे लेकिन बाद में वह सपा से जौनपुर के प्रत्याशी हो गए और जीत गए। उज्जवल रमण सपा से कांग्रेस में आए। और इलाहाबाद से जीत गए। आर के चौधरी पिछली बार कांग्रेस से चुनाव लड़े थे। उन्होंने सपा का दामन थाम लिया और पहली बार सांसद बने। उन्होंने मोहनलाल गंज में केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर को हराया।

अमेठी की जीत सशक्त लोकतांत्रिक देश का सबसे बड़ा उदाहरणः किशोरी लाल शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अमेठी

अमेठी लोकसभा चुनाव जीतने के बाद सांसद किशोरी लाल शर्मा ने प्रेस के माध्यम से अमेठी की जनता और कांग्रेस पार्टी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि मजबूत और सशक्त लोकतांत्रिक देश का सबसे बड़ा उदाहरण 18वीं लोकसभाचुनाव 2024 अमेठी होगा। राष्ट्रीय पटल पर सुप्रसिद्ध अमेठी एवं अमेठी की प्यारी जनता का राजनैतिक मेलजोल बड़ा ही अद्भुत, अनुकरणीय और शिखर पर रहा। शर्मा ने कहा कि यह जीत किशोरी लाल शर्मा की नहीं, जीत तो संपूर्ण अमेठी परिवार की है आप सभी अमेठी वासियों,कांग्रेस पार्टी,सोनिया गांधी,मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूं और आप सबको यह विश्वास दिलाता हूं कि अमेठी आम जनमानस, का आदेश, निर्देश व सुझाव का मैं सदैव पालन करूंगा। आप सब के प्रति समर्पण, त्याग प्यार, स्नेह और सम्मान के साथ जनहित कार्यों में सतत प्रयत्नशील रहूंगा आप सबके सहयोग से,अब अमेठी में जनता और जनप्रतिनिधि का रिश्ता सम्मान पूर्वक पुनः स्थापित ही नहीं बल्कि प्रत्येक अमेठी वासी अपने को गौरवान्वित महसूस करें। यह मेरा अटूट दृढ संकल्प होगा।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 5 जून, 2024

भोले की हैट्रिक, जालौन गरौठा की भोगनीपुर, इटावा की सिकंदरा, कन्नौज की रसूलाबाद पर भाजपा की करारी हार

संवाददाता। कानपुर देहात

देवेन्द्र सिंह भोले सर्मथकों के साथ, अकबरपुर लोस में हैट्रिक बनाने वाले भाजपा प्रत्याशी की जीत पर खुशी मनाते भाजपाई, कन्नौज की रसूलाबाद विधानसभा में बढत बनाने वाले समाजवादी पार्टी प्रत्याशी अखिलेश यादव, जालौन गरौठा लोकसभा की भोगनीपुर विधानसभा में बढत बनाने वाले समाजवादी पार्टी प्रत्याशी नारायणदास अहिरवार, इटावा लोस की सिकन्दरा विधानसभा में बढत बनाने वाले सपा प्रत्याशी जितेन्द्र कुमार दोहरे।

बहुप्रतीक्षित लोकसभा के घोषित परिणामों में भाजपा को करारी हार का सामना करना पडा, एक मात्र अकबरपुर लोकसभा में ही भाजपा प्रत्याशी देवेन्द्र सिंह भोले ने हैट्रिक पूरी की, हलॉकि इस लोकसभा क्षेत्र के अर्न्तगत आने वाली अकबरपुर रनियॉ विधानसभा में भाजपा को हार का सामना करना पडा। भोले सिंह के चुनाव जीतने पर भाजपाईयों ने एक दूसरे का मुॅह मीठा कराया।

लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम भाजपा के लिये अप्रत्याशित रहे। जनपद में चार लोकसभाओं, अकबरपुर, कन्नौज, इटावा व जालौन गरौठा का प्रतिनिधित्व है, अकबरपुर लोकसभा में अकबरपुर रनियॉ विधानसभा आती है, वहीं कन्नौज में रसूलाबाद विधानसभा, इटावा में सिकन्दरा व जालौन गरौठा लोकसभा में भोगनीपुर विधानसभा आती है। जनपद की चारों विधानसभाओं में भाजपा प्रत्याशियों की करारी हार हुयी है। हलॉकि अकबरपुर रनियॉ विधानसभा में करीब 30 हजार मोटों से पीछे रहने के बाद भी भाजपा प्रत्याशी व सॉसद देवेन्द्र सिंह भोले कानपुर नगर की विधानसभाओं के सहारे हैट्रिक पूरी की। वहीं कन्नौज की रसूलाबाद विधानसभा में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक पर करीब 10 हजार मतों के अन्तर से बढत बनायी, जालौन गरौठा की भोगनीपुर विधानसभा में केन्द्रीय मंत्री भानुप्रताप वर्मा पर सपा प्रत्याशी नारायणदास अहिरवार ने बढत बनायी, इटावा सॅसदीय क्षेत्र की सिकन्दरा विधानसभा सीट पर सपा प्रत्याशी जितेन्द्र कुमार दोहरे ने भाजपा प्रत्याशी प्रो0 रामशॅकर कठेरिया पर बढत बनायी। अकबरपुर लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी की जीत पर भाजपाईयों ने एक दूसरे को बधाई दी व एक दूसरे का मुॅह मीठा करवाया।

अंग्रेजी प्राथमिक विद्यालय रतसिया बना बच्चों की पहली पंसद

संवाददाता। लखीमपुर.खीरी

जिले से 18 किलोमीटर दूर गोला मोहम्मदी रोड पर स्थित प्राथमिक विद्यालय रतसिया विकास क्षेत्र बेहजम ने एक नया अध्याय स्थापित किया है। वर्ष 2018 तक एक सामान्य श्रेणी का विद्यालय रहा। 2018 से अंग्रेजी माध्यम में बदलते ही विद्यालय की तस्वीर बदल गई।

जनपद खीरी में रतसिया विद्यालय टॉप श्रेणी में बन गया है। पिछले 5 वर्ष में विद्यालय ने फर्श से अर्श तक का सफर तय किया। आज विद्यालय में आधुनिक सुबिधाएं उपलब्ध हैं। अभिभावकों का इस विद्यालय के प्रति रूझान बढा है।

निजी विद्यालय से अपने बच्चों के नाम कटवा कर अभिभावक रतसिया विद्यालय में अपने बच्चों का नाम लिखवा रहे हैं। इस संदर्भ में प्राथमिक विद्यालय रतसियां के प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार वर्मा ने बताया कि विद्यालय का नामांकन 308 के आस पास हो चुका है। लगभग 20 गांवो से बच्चे आटो से पढने आते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं पर बात की जाय तो यह विद्यालय विद्या ज्ञान और नवोदय प्रवेश परीक्षा में सर्वाधिक चयन देने वाला है।

प्रधानाध्यापक प्रमोद वर्मा ने बताया कि विद्यालय में स्मार्ट क्लासए मल्टीपल हैंडवाशए डायनिंग सेडए खेल कूद मैदानए झूला कम्प्यूटर, 32 इंच एल0 ई0 डी0 लगा है। इनवर्टर की सुविधा भी उपलब्ध है। इस सफलता के पीछे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारीए खंड शिक्षा अधिकारी का विशेष योगदान है।

ज्येष्ठ माह के दूसरे मंगलवार को त्रिलोक गिरि मन्दिर पर किया सुंदरकांड

गोला गोकर्णनाथ.खीरी। ज्येष्ठ माह के दूसरे बड़े मंगलवार के पावन अवसर पर शहर के त्रिलोक गिरि मन्दिर पर गोला विधायक अमन अरविंद गिरि द्वारा सुन्दरकाण्ड पाठ एवं विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। गोला विधायक अमन अरविंद गिरि ने विधि विधान से पूजा अर्चना कर सुन्दरकाण्ड पाठ का शुभारम्भ कराया। तत्पश्चात विधायक द्वारा आयोजित विशाल भण्डारे में शहर व क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पूड़ी.सब्जी व हलवे का प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ कमाया। इस अवसर पर लाल्हापुर ग्राम प्रधान जर्नादन गिरिए अजय गिरि (सफल्लू), धर्मेन्द्र गिरि (मोंटी), अवधेश मिश्रा, सुरेंद्र शर्मा, रामगुलाम पांडेय, रामेंद्र गिरि, कृष्ण मोहन मिश्रा, संदीप शुक्ला, सचिन सिंह, अजीत पाण्डेय, कपिल भारती, राहुल भारती, रामानन्द गिरि, विनीत पांडेय, प्रवीण गिरि सहित क्षेत्र के प्रधान गण, नपा के सभासद व भारी संख्या में नगर व क्षेत्रवासियों ने उपस्थित रहकर प्रसाद ग्रहण किया।

फर्रुखाबाद में खिला कमल उम्मीद से ज्यादा दौड़ी साइकिल

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद में एक बार फिर कमल खिल गया। साइकिल भी तेज रफ्तार से दौड़ी लेकिन फूल के आगे नहीं निकल सकी। मतगणना में प्रारंभ से ही भाजपा और सपा के बीच कांटे की टक्कर चल रही थी। कभी नवल किशोर शाक्य की बढ़त बनती तो कभी भाजपा प्रत्याशी की बढ़त बनती दिखी। कई विशेषज्ञों के आंकड़े फेल हो गए। भाजपा की जीत कम से कम 50000 से होगी। भाजपा प्रत्याशी मुकेश राजपूत ने 2678 मतों से विजय प्राप्त की। 2019 के चुनाव में 261000 मतों से विजय प्राप्त की थी।भाजपा प्रत्याशी को कुल 4,87,963 मत मिले। वही उनके चिर प्रतिद्वंद्वी सपा प्रत्याशी डॉ.नवल किशोर शाक्य को 4,85,285 कुल मत मिले। जिसके बाद पार्टी के कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी व खुशी जाहिर की। भाजपा कार्यकर्ताओं में भी खुशी का माहौल है।बुजुर्गों की माने तो यह फर्रुखाबाद जनपद में सांसदी के चुनाव में सबसे कम मतों से प्राप्त विजय है। बसपा प्रत्याशी क्रांति पांडे को कुल 45390 मत मिले।

सपाईयों ने अखिलेश को प्रचंड बहुमत मिलने पर मनाया जश्न

गुरसहायगंज (कन्नौज)। लोकसभा चुनाव 2024 में सपा प्रत्याशी/सपाध्यक्ष की प्रचंड जीत पर उत्साहित कार्यकर्ताओं एवं नेताओं में नये जोश का संचार होता दिखाई दिया। सपा पिछडा वर्ग प्रकोष्ठ जिला महासचिव ने कार्यकर्ताओं के साथ आतिशबाजी छुटाकर एवं मिष्ठान वितरण कर खुशी का इजहार किया। इस दौरान उन्होनें कहा कि पूर्व की सपा सरकार द्वारा कराये गये जनहित के कार्यों व इण्डिया गठबंधन की लोकप्रियता के चलते सपाध्यक्ष अखिलेश यादव को प्रचंड बहुमत मिला है। मंगलवार की सुवह से ही नगर व क्षेत्र के लोग टीवी के सामने बैठकर, तो कोई मोबाइल फोन इन्टरनेट के माध्यम से आ रहे चुनावी रूझानों को देखने व सुनने लगे। शुरूआत से जैसे ही लोकसभा कन्नौज सपा प्रत्याशी/सपाध्यक्ष अखिलेश यादव ने बढत बनाई वैसे ही कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों में नई ऊर्जा का संचार होता दिखाई दिया।

करोड़ों खर्च करने के बावजूद सूखे पड़े अमृत सरोवर

- प्रचंड गर्मी में पानी बिन व्याकुल हो रहे जंगली जानवर व पशु-पक्षी
- मनरेगा से बनाए गए थे एक दर्जन अमृत सरोवर

फतेहपुर। विजयीपुर क्षेत्र के एक दर्जन गांवों में मनरेगा एवं राजवित्त से करोड़ों रुपए खर्च कर अमृत सरोवर बनाए गए थे। जहां रैम्प सीढी बेंच एवं झंडारोहण चबूतरा के साथ स्वच्छ पानी के साथ वृक्षारोपण कराकर सौन्दरीकरण कराया जाना था परंतु सालों बीत गए पैसा खर्च हो गया, इस प्रचंड गर्मी में भी अधिकतर अमृत सरोवर सूखे पड़े हैं जिससे जंगली जानवरों के साथ पशु पक्षी बिन पानी व्याकुल हैं। एक साल पहले क्षेत्र के रायपुर भसरौल, ब्योटी, ख्योखरी, शाहजहापुर सेलरहा, चचीडा, टेसाही, सिठियानी, विजयीपुर, तक्कीपुर कठरिया, सिलमी गढ़वा, इटोलीपुर, गाजीपुर सहित कई गांव में 10 लाख से लेकर 30 लाख तक की लागत से अमृत सरोवरों का निर्माण कराया गया है जिसमें मिट्टी खुदाई के साथ रैंप सीढ़ी झंडारोहण चबूतरा वृक्षारोपण स्वच्छ पानी आदि अनेक प्रकार से सौन्दरीकरण कराया जाना था जिसके बाद कुछ गांवो में पहले से खोदे पड़े तालाबों में झंडारोहण चबूतरा और पत्थर लगाकर भुगतान करवा लिया गया। कहीं नया तालाब में काम कराया गया तो अधूरा छोड़ दिया गया कहीं काम पूरा है तो पानी नहीं भराया गया है। इस प्रचंड गर्मी में इन अमृत सरोवरो का आलम यह है कि लाखों खर्च के बाद भी तालाबों में धूल उड़ रही है। इस प्रचंड गर्मी में जंगली जानवर और पशु पक्षी बिना पानी व्याकुल हैं। ऐसा लग रहा है अमृत सरोवर योजना के नाम पर करोड़ों रुपए का धन बंदरबांट किया गया है। इस मामले में बीडीओ शकील अहमद ने बताया कि अमृत सरोवरों में पानी भरवाने के लिए सचिवो को निर्देशित किया गया है जल्दी सभी अमृत सरोवरो में पानी होगा।

बाइकों की भिड़ंत में युवक घायल

फतेहपुर। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के भिटौरा रोड चंदीपुर मोड़ के समीप दो बाइकों की आपस मे भिड़ंत हो गई। जिसमें एक बाइक सवार घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर इलाज कर रहे है। जानकारी के अनुसार मलवां थाना क्षेत्र के सूपा गांव निवासी अशोक कुमार का 35 वर्षीय पुत्र रोशन बाइक पर सवार होकर किसी काम से हुसैनगंज थाना क्षेत्र के भिटौरा गांव जा रहा था। जब वह चंदीपुर गांव मोड़ के समीप पहुंचा। तभी पीछे से निकला बाइक सवार उसकी बाइक को कट मारता हुआ निकल गया। जिससे रोशन रोड पर गिरकर घायल हो गया। घटना की सूचना स्थानियों ने सरकारी 108 एंबुलेंस को दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर भर्ती कर उसका इलाज कर रहे है।

क्विक न्यूज

मोदी की मुहिम में रोड़ा अटकाने वाले होंगे चिन्हितः साध्वी

फतेहपुर। भाजपा उम्मीदवार व दो बार से यहां की सांसद रहीं साध्वी निरंजन ज्योति ने अपनी हार को लेकर भितरघात पर हमला बोला। उन्होने कहा कि मोदी की मुहिम में जिन्होने रोड़ा अटकाया है वह सारे लोग चिन्हित किए जाएंगे। उन्हें साढ़े चार लाख वोट मिले हैं। जिसके लिए वह कार्यकर्ता, पदाधिकारी और मतदाता का आभार व्यक्त करतीं हैं। उनका कहना रहा कि उन्हें पंद्रह दिन से लग रहा था कि जरूर कुछ गड़बड़ है। संविधान को लेकर अपनी राय शुमारी व्यक्त करते हुए

कहा कि संविधान से छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। शायद यह बात जनता ठीक से समझ नहीं सकी। भले ही वह चुनाव हार गई हैं, लेकिन उनका लगाव सीधे इस जिले से रहेगा। सरकार हमारी ही बननी है। खागा विधायक कृष्णा पासवान, पूर्व जिलाध्यक्ष आशीष मिश्रा भी मौजूद रहे।

दलित मां बेटे को मारपीट कर दी धमकी

गुरसहायगंज (कन्नौज)। किसी बात को लेकर दलित महिला एवं उसके पुत्र के साथ गांव के ही चार लोगों दरवाजे पर आकर अभद्रता व मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़िता नें कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्र के ग्राम ऊंचा निवासी आराधना पत्नी रमाकांत द्वारा कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि विगत एक जून की दोपहर में गांव के ही मोहम्मद जान, अमजद, इकबाल, शहबाज ने उसके दरवाजे पर आकर उसके पुत्र राज के साथ गाली गलौज करते हुए लात घूसों से मारपीट करने लगे। उसके द्वारा बीच बचाव करने पर उसे जाति सूचक गालियां देते हुए मारपीट कर घायल दिया तथा जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

ई-रिक्शा पलटने से युवक घायल, रेफर

फतेहपुर। हथगाम थाना क्षेत्र के शाह आरा मशीन के समीप अनियंत्रित ई-रिक्शा पलटने से रिक्शे पर सवार युवक घायल हो गया। घायल अवस्था में उसको इलाज के लिए नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार हुसैनगंज थाना क्षेत्र के हसनपुर कसार गांव निवासी राम प्रसाद का 35 वर्षीय पुत्र राज किशोर ई-रिक्शे पर सवार होकर थाना क्षेत्र के मोहलिया गांव अपनी बहन के घर जा रहा था। जब उसका रिक्शा थाना क्षेत्र के शाह आरा मशीन के समीप पहुंचा तभी अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे रिक्शे पर सवार राज किशोर घायल हो गया। घायल अवस्था में उसको इलाज के लिए हथगाम सीएचसी पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वहीं जिला अस्पताल पहुंचते ही ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर भर्ती कर उसका इलाज कर रहे हैं।

पहरा इतना गहरा कि परिंदा भी पर न मार सके

फतेहपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था देखने को मिली। जगह जगह पर सुरक्षा कर्मी, अपने दायित्वों का निर्वहन करते नजर आए। पेरामिलेट्री फोर्स के साथ सिविल पुलिस के जवान मुस्तैद रहे।मतगणना स्थल के आसपास का इलाका जवानों की धमाचौकडी से छावनी में तब्दील नजर आया। मतगणना परिसर में प्रवेश से पहले सुरक्षा चक्र से गुजरना पडा। कई कार्मिकों की जेब में रखा पान मसाला जब्त कर लिया गया। मोबाइल को बाहर ही रखने पर मजबूर कर दिया गया ताकि मतगणना की सुचिता पर किसी प्रकार के सवाल न खडे हो सके।

चिलचिलाती धूप में जमा रहे समर्थक

फतेहपुर। लोकसभा चुनाव के परिणाम को नजदीक से जानने को समर्थक, मंडी परिसर के बाहर जमा रहे। दोपहर को चिलचिलाती धूप के बीच बेहाल करने वाली गरमी की जो परवाह किए बगैर अपने अपने प्रत्याशी की किस्मत का सच जानने को मौसम की मार झेलते दिखाई दिए। समर्थकों का उतावलापन जैसे जैसे राउंड बढते रहे। वैसे वैसे उसमें इजाफा होता चला गया। बिदकी से आए एक पार्टी का समर्थक मोसम की मार झेल नहीं सका और तेज गरमी के कारण चक्कर खाकर गिर पडा। इसके बावजूद इस समर्थक का हौसला हिचकौले मारता नजर आया। जो चंद देर आराम करने के बाद फिर से सामने आ रहे रुझान का गुणा भाग लगाने में जुट गया।

आराध्य व बुजुर्गों का लिया आर्शीवाद

फतेहपुर। मतगणना से पहले उम्मीदवारों की दिल की धडकनें सामने आ रहे रुझान को लेकर तेज होती रहीं। भाजपा उम्मीदवार साध्वी निरंजन ज्योति ने तांबेश्वर मंदिर में माथा टेंककर बाबा का आर्शीवाद हासिल कर मतगणना स्थल पहुंची। बसपा प्रत्याशी ने बुजुर्गो के पैर छूकर मतगणना स्थल का रुख किया। राजनैतिक पार्टियों के साथ ही निर्दल उम्मीदवार भी मतगणना शुरू होने से पहले आस्था के शीश झुकाते नजर आए।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार जख्मी

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाइवे-2 बाईपास पर अज्ञात चार पहिया वाहन बाइक सवार को टक्कर मारते हुए निकल गया। जिससे बाइक सवार रोड पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टर उसका इलाज कर रहे है। जानकारी के अनुसार कानपुर जनपद के जूही मोहल्ला निवासी आफ्ताब अहमद का 32 वर्षीय पुत्र आसिफ बाइक पर सवार होकर किसी काम से वाराणसी गया था। वहां से लौटते समय जब वह फतेहपुर जनपद की सदर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाइवे 2 के बाईपास पर पहुंचा तभी अज्ञात चार पहिया वाहन उसकी बाइक को टक्कर मारते हुए निकल गया। जिससे आसिफ रोड पर गिरकर घायल हो गया। घटना की सूचना राहगीरों ने सरकारी 108 एम्बुलेन्स को दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एम्बुलेन्स ने घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। जहाँ ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर भर्ती कर उसका इलाज कर रहे है।

कन्नौज में लहराया समाजवादी परचम

- सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सुब्रत पाठक पाठक को 1.70 लाख वोट से शिकस्त दी

कन्नौज। सपा ने कन्नौज लोकसभा सीट पर जीत दर्ज कर एक बार फिर से अपना परचम लहराया है। समाजवादी गढ़ को बचाने के लिए अंतिम समय में मैदान में उतरे सपा मुखिया अखिलेश यादव ने अपनी परंपरागत सीट पर जलवा कायम किया है। कन्नौज लोकसभा सीट पर वोटों की गिनती खत्म हो चुकी है। सपा मुखिया अखिलेश यादव 1.70 लाख वोटों से जीते हैं। अखिलेश को 6,40207 मत मिले हैं। यहां के सांसद सुब्रत पाठक पहले राउंड से पिछड़ गए। पहले राउंड में अखिलेश ने 9940 वोटों की बढ़त ले ली थी। तब से लगातार उनकी बढ़त बनी रही। सुब्रत पाठक को इस बार 4,70131 मत मिले हैं। यहां 33 राउंड में मतगणना हुई है। संसदीय सीट कन्नौज पर सपा प्रत्याशी अखिलेश यादव और भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक के बीच सीधी टक्कर रही। शांतिपूर्ण मतगणना के लिए मतगणना केंद्र को 17 जोन और 44 सेक्टर में बांटा गया। विशेष परिस्थितियों के लिए 2 सुपर जोन भी बनाए गए। इसके अलावा सीएपीएफ पीएसी और क्यूआरटी को सुरक्षा की कमान सौंपी गई। मतगणना स्थल के दोनों तरफ 2 किलोमीटर तक बैरियर लगाकर रास्ता बंद कर दिया गया ताकि मतगणना स्थल तक भीड़ न पहुंच सके। इसके अलावा विजय जुलूस निकालने की किसी को अनुमति नहीं दी गई।

प्रमाण पत्र लेने नहीं आये अखिलेश

कन्नौज। कार्यकर्ता नारेबाजी करने लगे तो सपा कार्यालय के बाहर पैरामिलिट्री फोर्स तैनात कर दिया गया। कन्नौज लोकसभा सीट पर जीत के बाद सपा कार्यालय पहुंचे अतुल प्रधान ने समर्थकों को जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव जल्द कन्नौज आएंगे। वह अभी दिल्ली चले गए हैं।

खीरी से उत्कर्ष वर्मा धौरहरा से आनंद भादौरिया जीते

लखीमपुर खीरी। सपा गठबंधन 28 लोक सभा खीरी प्रत्याशी उत्कर्ष वर्मा मधुर को 5,55,270 वोट मिले। 33323 वोट से उत्कर्ष वर्मा चुनाव जीत गये। 28 लोक सभा खीरी से सपा गठबंधन प्रत्याशी उत्कर्ष वर्मा ने अजय मिश्र टैनी केन्द्रीय राज्य मंत्री को चुनाव हरा दिया है। 28 लोक सभा भाजपा प्रत्याशीध्केन्द्रीय राज्य मंत्री अजय मिश्र टैनी को 521954 वोट मिलने पर उन्हे हार का सामना करना पड़ा। केन्द्रीय राज्य मंत्री अजय मिश्र टैनी 2012 में निघासन से विधायक चुने गये। 2014 से लगातार दो बार सांसद रहे। उत्कर्ष वर्मा मधुर पहली बार 2011 में लखीमपुर विधान सभा से उप चुनाव में विधायक चुने गये। 2012 में वह दूसरी बार विधायक रहे। अजय मिश्र टैनी ने उत्कर्ष वर्मा की जीत पर उन्हे बधाई दी है। 29 लोकसभा धौरहरा से सपा प्रत्याशी आनंद भदौरिया को 4077 वोटो से विजय घोषित किया गया। आनंद भदौरिया 442650 वोट मिलने पर उन्होने जीत दर्ज की। 29 लोक सभा भाजपा प्रत्याशी रेखा वर्मा दो बार की सांसद को 438573 मत पाकर हार का सामना करना पड़ा। उत्कर्ष वर्मा मधुर 28 लोक सभा प्रत्याशी को डीएम महेन्द्र बहादुर सिंह द्वारा जीत का प्रमाण पत्र दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह द्वारा 29 लोक सभा धौरहरा सपा गठबंधन प्रत्याशी को जीत का प्रमाण पत्र दिया गया। गिनती के दौरान चुनाव परिणाम कुछ देर के लिए रोक दिया गया।

उत्कर्ष वर्मा को प्रमाण देते डीएम आनंद भादौरिया प्रमाण पत्र देते सीडीओ

धौरहरा 29 लोक सभा धौरहरा

आनंद भदौरिया	442650	
भाजपा प्रत्याशी	438573	
बसपा प्रत्याशी	श्याम किशोर अवस्थी	बसपा 184964
सपा प्रत्याशी	आनंद भदौरिया को 4077 वोटो से चुनाव जीते	
कुल वोट	1109492 डाले गये।	

28 लोक सभा खीरी

इंडिया गठबंधन सपा प्रत्याशी	उत्कर्ष वर्मा	555177
भाजपा प्रत्याशी	अजय कुमार मिश्र टैनी	521954
बसपा प्रत्याशी	अंशय कालरा	110122

33323 वोटो से सपा के प्रत्याशी उत्कर्ष वर्मा चुनाव जीते
कुल वोट 1209810 डाले गये।

सियासी पिच में भाजपा भी नहीं लगा सकी हैट्रिक

- मोदी और योगी की जनसभाएं नहीं दे सकीं दो बार की विजेता पार्टी को जीत की संजीवनी

संवाददाता। फतेहपुर

संसदीय चुनाव के इतिहास में हैट्रिक मारने का सपना किसी भी दल का अभी तक पूरा नहीं हो सका है। भाजपा उम्मीदवार साध्वी निरंजन ज्योति इस चुनाव में तीसरी जीत की लाइन पर थीं लेकिन सपा के प्रत्याशी नरेश उत्तम पटेल, उनकी विनिंग ट्रैक को रोकने में कामयाब रहे। इससे पहले यह मौका कांग्रेस व जनता दल को मिला था लेकिन यहां की सियासी पिच ने इसकी इजाजत नही दी। वर्ष 1957 में हुए पहले चुनाव में कांग्रेस के अंसार हरवानी ने जीत हासिल की थी। 1962 के चुनाव में यहां की जनता ने निर्दल गौरीशंकर को चुना। 1967 के चुनाव में कांग्रेस से संतबक्श सिंह विजयी हुए। 1971 के चुनाव में भी सिंह चुनाव जीतने में कामयाब रहे। 1977 के चुनाव में संतबक्श को तीसरी बार मौका दिया गया लेकिन भारतीय लोकदल प्रत्याशी बशीर अहमद से चुनाव हार गए। 1980 के चुनाव में कांग्रेस फिर लौटी। इस चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के बेटे हरिकृष्ण शास्त्री ने जनता पार्टी सेक्युलर के लियाकत हुसैन को शिकस्त दी। 1984 के चुनाव में भी हरिकृष्ण के हाथ बाजी लगी और उन्होंने लोकदल से यह चुनाव लडने वाले लियाकत को परास्त किया। 1989 के चुनाव में हरिकृष्ण को हैट्रिक के लिए मैदान में उतारा गया लेकिन राजा मांडा की आंधी के आगे उनकी एक न चली। यह चुनाव वीपी सिंह ने जीता। 1991 के चुनाव में भी विश्वनाथ प्रताप सिंह का जादू चला और उन्होंने भाजपा के विजय सचान को हरा दिया। 1996 के चुनाव में भाजपा को एक और हार नसीब हुई।

यह चुनाव बसपा के विशभंर प्रसाद निषाद ने भजपा के महेंद्र प्रताप नारायन सिंह से जीता। इसके बाद 1998 के चुनाव में भाजपा के डॉ अशोक पटेल ने बसपा के विशंभर प्रसाद निषाद को पटकनी देकर चुनाव जीता। साल भर बाद हुए मध्यावधि चुनाव में भी अशोक को ही यहां की जनता ने पंसद किया। इस चुनाव में बसपा के सूर्यबली निषाद चुनाव हार गए। वर्ष 2004 में बसपा का एक और जादू चला। बसपा उम्मीदवार महेंद्र प्रसाद निषाद ने राकेश सचान को हराकर बसपा की सियासी सफ्लता रोक दी। 2009 में सपा को यहां से पहली सफ्लता मिली। राकेश सचान ने बसपा उम्मीदवार महेंद्र प्रसाद निषाद से यह सीट छीन ली। इसके बाद 2014 व 2019 के चुनाव में भाजपा की सांध्वी निरंजन ज्योति को कामयाबी मिली। ऐसे में उन पर सदियों पुराने हैट्रिक न लगने के मिथक को तोडने का जो ख्वाब संजोया गया था। वो बदले समीकरण की जद में आकर धराशाई होकर रह गया।

जातीय फैक्टर के ही जाल में इस बार उलझकर रह गई बसपा

संवाददाता। फतेहपुर

दोआबा की सरजमीं पर जातीय फैक्टर के सहारे ढाई दशक से भी ज्यादा समय से अपनी सियासी पकड़ का बेहतर अहसास कराने वाली बसपा इस चुनाव के चर्चा बाजार से ही आखिर तक गुम नजर आई। पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह सरकार में ओबीसी आरक्षण लागू होने पर इस व्यवस्था का लाभ जनता दल के उठाने के बाद बेहतर तरीके से बसपा ही उठाती रही। जिसने जातीय फैक्टर के सहारे जीत का रास्ता इजाद किया। यह दीगर बात रही कि उसे इस प्रयास में महज दो जीत ही हासिल हो सकीं। इस बार नीले झंडे वाली इस पार्टी के हालात शुरू से लेकर आखिर तक अपनी सियासी चमक से अलहदा नजर आए'। यही कारण रहा कि अबकि बसपा के नीला झंडा के लहराने में वह बात नजर नहीं आई, जिस पर अभी तक विरोधियों की आंखें टिकती रहीं हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की सरकार में 13 अगस्त 1990 को ओबीसी के लिए 27 फीसदी आरक्षण देने की अधिसूचना जारी हुई थी। उसी के बाद इस सीट का भी उम्मीदवार चयन का मिजाज जातिगत भागीदारी के हिसाब से तय होने लगा। ओबीसी आरक्षण वर्ष 1989 के चुनाव में जनता दल के लाभ उठाने के बाद किस व्यवस्था का फायदा सबसे पहले बसपा ने ही उठाया। वर्ष 1996 से वर्ष 2019 के बीच हुए चुनाव में हरेक पार्टी ने इसी जाति का ट्रंप खेलना मुनासिब समझा। इसमें बसपा की बात करें तो वह अपने कैडर के साथ मौका ए हालात के ट्रपकार्ड खेलने के साथ जातीय फैक्टर के सहारे चुनाव दर चुनाव गंगा व यमुना के बीच बसे इस जिले में अपनी सियासी पकड़ का लगातार अहसास कराती चली आई। ऐसे में इस चुनाव में भी पार्टी से किसी बडे करिश्में की भले ही उम्मीद नहीं की गई लेकिन यह भी सोंचा नहीं गया था कि वर्ष 1696 व 2044 के चुनाव में पफ्तह का झंडा गाडने वाली यह पार्टी बाकी के चुनाव में नंबर दो पर काबिज रही। आंकडों पर, वर्ष 1996 के चुनाव में बसपा से विशंभर प्रसाद निषाद को यहां की जनता ने अपना समर्थन लुटाया।

वर्ष 1998 के चुनाव में आरक्षण की मलाई भाजपा को खाने को मिली और यहां से डॉ. अशोक पटेल चुनकर संसद पहुंचे। ठीक एक साल बाद हुए चुनाव में भी डॉक्टर साहब को पसंद किया गया। वर्ष 2004 का चुनाव आया तो फिर बसपा का नीला रंगए पार्टी के कैडर वोटर और प्रत्याशी की बिरादरी के साथ मौका एक हालात के सियासी ट्रंप खेलते हुए अपना झंडा बुलंद करने में कामयाब रहा। वर्ष 2009 के चुनाव में सपा उम्मीदवार राकेश सचान को यहां की जनता का साथ मिला। राकेश इस वक्त भाजपा में हैंए जिनकी बिरादरी में अच्छी खासी पकड़ है। वर्ष 2014 और 2019 के चुनाव में भी बसपा को रनिंग ट्रैक पर दौड़ते देखा गया। यही कुछ ऐसे सियासी पहलू हैं जो मायावती की पार्टी को इस चुनाव से दूर करती दिखाई दे रही है। राजनीतिक जानकारों के मानना है कि बसपा शुरू से ही अपनी किस्मत पर खुद दांव लगा कर चल रही है। बसपा ने सपा के बाद अपना उम्मीदवार उतारा। इसके बावजूद जातिगत समीकरणों पर गौर नहीं किया गया।

भाजपा ने चुनाव में दो बार से यहां संसद साध्वी निरंजन ज्योति को मैदान में उतारने के बाद सपा ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल उम्मीदवार बनाकर जनता के बीच पेश कर दिया। नरेशए जिले के अमौली ब्लाक के रहने वाले हैं। भाजपा की बात करें तो उसका भी दावा कुर्मी बिरादरी पर बनता नजर आ रहा है क्योंकि पूर्व सांसद राकेश सचान के साथ विधायक राजेंद्र सिंह पटेल व जय कुमार सिंह जैकी के कंधे पर भी इस चुनाव की जिम्मेदारी रही। ऐसे में बसपा को कुर्मी बिरादरी पर दांव नहीं खेलना था लेकिन ऐसा किया गया और डॉ. मनीष सचान को पार्टी सिंबल देकर मैदान में उतार दिया गया। राजनीतिक जानकार ऐसे ही कुछेक पॉइंट को बसपा के बैकफुट कारण मान रहे हैं।

अब तक हुए चुनाव में बसपा की परफारमेंस

वर्ष	पार्टी	मत	हारी पार्टी	प्रत्याशी
1996	बसपा	135043	भाजपा	111569
1999	भाजपा	142911	बसपा	141848
2004	बसपा	163568	सपा	111000
2009	सपा	218953	बसपा	166885
2014	भाजपा	367835	बसपा	485994
2019	भाजपा	556040	बसपा	367835

चंद्रबाबू नायडू : चुनावी हार, गिरफ्तारी से लेकर आंध्र में नया अध्याय शुरू करने तक का सफर

भाषा। अमरावती

अपने से कम उम्र के जगन मोहन रेड्डी से निराशाजनक हार मिलने के पांच साल बाद तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू अपनी पार्टी को आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में जबरदस्त जीत की ओर ले जाते दिख रहे हैं। राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनसेना पार्टी भी उनके साथ गठबंधन में हैं। तेदेपा की जीत के साथ नायडू मुख्यमंत्री के रूप में सदन में वापस आने की 2021 में ली गई अपनी शपथ पूरी करते दिख रहे हैं। वर्ष 2021 में परिवार के सदस्य के खिलाफ टिप्पणी के विरोध में नायडू ने विधानसभा से बहिर्गमन किया था और कहा कि वह मुख्यमंत्री बनने के बाद ही सदन में लौटेंगे।

मतगणना के ताजा आंकड़ों के अनुसार तेदेपा 175 सदस्ईय विधानसभा में 10 सीट पर जीत हासिल कर चुकी है और 123 पर आगे है, वहीं उसकी सहयोगी भाजपा एक सीट पर जीत दर्ज कर चुकी है जबकि छह पर आगे है और जनसेना पार्टी दो सीट जीत चुकी है व 19 सीट पर आगे चल रही है। निवर्तमान विधानसभा में तेदेपा के 23 सदस्य हैं। पिछले साल सितंबर में नायडू को स्किल डेवलपमेंट घोटाले में राज्य की सीआईडी ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्होंने खुद को फिर से राजनीतिक रूप से साबित किया है। 9 सितंबर को तड़के गिरफ्तार किए गए नायडू ने लगभग दो महीने राजामहेंद्रवरम केंद्रीय जेल में बिताए।

तेदेपा ने लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन किया है पार्टी कुल 25 में से 16 सीट पर आगे है, वहीं उसकी सहयोगी भाजपा और जनसेना पार्टी क्रमश: 3 और दो सीट पर आगे हैं। आंध्र प्रदेश में अलग अलग समय पर 13 वर्ष तक मुख्यमंत्री रहने के दौरान कई कीर्तिमान रच चुके नायडू को आईटी क्षेत्र में अपने राज्य को अग्रणी स्थान पर ले जाने का श्रेय दिया जाता है तथा वह राज्य ही नहीं केंद्र की राजनीति के भी कुशल रणनीतिकार रहे हैं। नायडू ने आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य के दर्जे को लेकर मार्च, 2018 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से नाता तोड़ लिया था, लेकिन वर्ष 2019 के विधानसभा व लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार ने उन्हें सियासी नेपथ्य में धकेल दिया।

ठीक छह साल बाद मार्च, 2024 में नायडू ने राजग में वापसी की और आंध्र प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जनसेना के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ा। गठबंधन के तहत प्रदेश की कुल 175 विधानसभा सीट में से तेदेपा 144, जनसेना 21 और भाजपा 10 सीट पर चुनाव लड़ी। राज्य में भाजपा के साथ गठबंधन में होने के बावजूद मुस्लिम आरक्षण जैसे मुद्दे

पर नायडू ने अपना अलग रुख रखा और मुस्लिम आरक्षण की पैरवी की। उन्होंने खुलकर कहा, हम शुरू से ही मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण का समर्थन कर रहे हैं और यह जारी रहेगा।

हालांकि अपने घोषणापत्र में तेदेपा ने इस मुद्दे से दूरी बना ली। राजग में लौटने के बाद भले ही नायडू प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हर मौके पर सराहना करते दिखे हों, लेकिन पूर्व में उनके साथ रिश्ते सहज नहीं रहे हैं। नायडू ने 2002 में गुजरात दंगे के बाद मोदी का विरोध किया था। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर नायडू के नाम पर कई कीर्तिमान भी हैं। वह आंध्र प्रदेश के सबसे अधिक समय तक मुख्यमंत्री रहे हैं। उन्होंने कई कार्यकाल में 13 साल 247 दिन तक मुख्यमंत्री का पद संभाला है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश के वह ऐसे एकमात्र नेता हैं जिन्होंने अविभाजित और विभाजन (आंध्र से अलग कर तेलंगाना का गठन) के बाद राज्य की बागडोर संभाली। मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान नायडू की छवि एक आर्थिक सुधारक और सूचना प्रौद्योगिकी आधारित आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाले नेता की रही है। उन्होंने हैदराबाद को साइबर सिटी के तौर पर विकसित किया। उन्होंने राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास पर भी ध्यान केंद्रित किया, जिसमें नई राजधानी अमरावती का निर्माण भी शामिल है। राज्य ही नहीं राष्ट्रीय राजनीति में भी नायडू का खासा दबदबा रहा है। वर्ष 1996 और 1998 के लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने संयुक्त मोर्चा का नेतृत्व किया। 1998 में अटल बिहारी वाजपेई सरकार को समर्थन देने से पहले वह संयुक्त मोर्चा के संयोजक थे। नायडू राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के संयोजक भी रहे। एन. चंद्रबाबू नायडू का जन्म 20 अप्रैल 1950 को आंध्र प्रदेश के एक छोटे से गांव नारावरिपल्ले में हुआ था। उनके पिता एन खर्जुरा नायडू एक किसान थे और उनकी मां अम्मानम्मा एक गृहिणी थीं। नायडू ने शेषपुरम के स्कूल से प्राथमिक शिक्षा और चंद्रगिरि के सरकारी स्कूल से 10वीं की। इसके बाद तिरुपति से 1972 में श्री वेंकटेश्वर आर्ट्स कॉलेज से स्नातक और वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में परास्नातक किया। उन्होंने अर्थशास्त्र में पीएचडी भी की है। नायडू का सियासी सफर 1970 के दशक में शुरू हुआ और परास्नातक की पढ़ाई के दौरान वह श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय में छात्र संघ के नेता निर्वाचित हुए। इसके बाद वह युवा कांग्रेस में शामिल हो गए और फिर आंध्र प्रदेश की क्षेत्रीय पार्टी तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) में चले गए। उन्होंने फिल्म अभिनेता और पार्टी संस्थापक एनटी रामा राव की पुत्री भुवनेश्वरी से विवाह किया।

नायडू पहली बार 1978 में आंध्र प्रदेश विधान सभा के लिए निर्वाचित हुए और मंत्री के रूप में कार्य किया। वर्ष 1995 में, वह अपने ससुर एन टी रामा राव के राजनीतिक तख्तापलट के बाद पहली बार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। नायडू 1999 में फिर से मुख्यमंत्री चुने गए और 2004 तक पद पर रहे। आंध्र प्रदेश का विभाजन कर तेलंगाना का गठन किए जाने के बाद 2014 में वह तीसरी बार राज्य (आंध्र प्रदेश) के मुख्यमंत्री बने। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी से करारी हार के बाद तेदेपा सत्ता से बाहर हो गई थी।

ओम बिरला 20 साल में दोबारा जीतने वाले पहले लोकसभा अध्यक्ष बने

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कोटा संसदीय सीट 41,139 से अधिक मतों के अंतर से जीत ली। इसके साथ ही वह 20 वर्षों में निचले सदन के लिए दोबारा निर्वाचित होने वाले पहले पीठासीन अधिकारी बन गए। निचले सदन के लिए पुन: निर्वाचित होने वाले अंतिम लोकसभा अध्यक्ष पी.ए. संगमा थे, जो 1996 से 1998 तक 11वीं लोकसभा के पीठासीन अधिकारी थे। उस समय कांग्रेस के सदस्य रहे संगमा 1998 के लोकसभा चुनाव में मेघालय के तुरा से दोबारा निर्वाचित हुए। आंध्र प्रदेश के अमलापुरम से 1999 में तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के सांसद जी.एम.सी. बालयोगी लोकसभा अध्यक्ष चुने गए थे। 2002 में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में बालयोगी की मृत्यु हो गई। बालायोगी के बाद शिवसेना के मनोहर जोशी लोकसभा अध्यक्ष बने। जोशी हालांकि, 2004 का लोकसभा चुनाव मुंबई उत्तर मध्य सीट से कांग्रेस नेता एकनाथ गायकवाड़ से हार गए। बोलपुर सीट से 2004 में जीतने वाले मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सोमनाथ चटर्जी लोकसभा अध्यक्ष चुने गए। हालांकि, 2009 के लोकसभा चुनाव से पहले अपनी पार्टी से मतभेदों के चलते चटर्जी ने राजनीति से संन्यास ले लिया। कांग्रेस सांसद मीरा कुमार 2009 में बिहार की सासाराम संसदीय सीट से जीतीं और 15वीं लोकसभा की अध्यक्ष चुनी गईं। हालांकि, 2014 और 2019 में मीरा कुमार चुनाव हार गईं। इंदौर से भाजपा सांसद सुमित्रा महाजन 2014 में लोकसभा अध्यक्ष चुनी गईं। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने महाजन को मैदान में नहीं उतारा। कोटा से लोकसभा सदस्य भाजपा के बिरला को 2019 में लोकसभा अध्यक्ष चुना गया।

मुश्किल समय में कांग्रेस के खेवनहार बनकर उभरे खरगे

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बचपन से लेकर अब तक कई संघर्षों को मात देते हुए कामयाबी की कई इबारते लिखीं और उसी क्रम में एक इबारत इस लोकसभा चुनाव का नतीजा है जहां देश की सबसे पुरानी पार्टी ने उनके नेतृत्व में कई राजनीतिक अनुमानों को गलत साबित कर दिया। कांग्रेस अगर इस चुनाव सीटों की संख्या का शतक लगाने के करीब पहुंची है तो उसमें 81 वर्षीय खरगे की अहम भूमिका है।

उम्र संबंधी अड़चनों को मात देते हुए खरगे ने इस चुनाव धुआंधार जनसभाएं करने के साथ ही पार्टी की रणनीति को भी धार दी। इंडिया गठबंधन को बनाने से लेकर इसे एकजुट रखने तथा विस्तार देने में खरगे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपने पांच दशकों से अधिक के राजनीतिक जीवन में उन्होंने कुशलता से कई मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली और राजनीति तथा सत्ता के उतार-चढ़ाव के बावजूद गांधी परिवार के प्रति दृढ़ वफादार बने रहे। कावेरी नदी जल विवाद हो या शीर्ष कन्नड़ अभिनेता दिवंगत राजकुमार का अपहरण, खरगे दो दशक पहले कर्नाटक के गृह मंत्री के रूप में ऐसी कई संकटपूर्ण स्थितियों से निपट चुके हैं।

खरगे (80) का सार्वजनिक जीवन अपने गृह जिले गुलबर्गा (अब कलबुर्गी) में एक यूनियन नेता के रूप में शुरू हुआ और वर्ष 1969 में वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुए तथा गुलबर्गा शहरी कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बने। अपनी युवावस्था में कबड्डी और हॉकी खिलाड़ी रहे खरगे दशकों तक चुनावी राजनीति में अजेय रहे और कन्नड़ के अलावा हिंदी, अंग्रेजी, मराठी, उर्दू में उनकी दक्षता ने उन्हें सार्वजनिक जीवन में सफलता दिलाई। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में कर्नाटक खासकर हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र में नरेंद्र मोदी लहर के बावजूद उन्होंने गुलबर्गा से 74 हजार मतों के अंतर से जीत हासिल की। वर्ष 2009 में लोकसभा चुनाव के जरिए राष्ट्रीय राजनीति में आने से पहले उन्होंने गुरुमितकल विधानसभा क्षेत्र से नौ बार जीत दर्ज की।

वह गुलबर्गा से दो बार लोकसभा सदस्य रहे।हालांकि, वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में खरगे को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता उमेश जाधव से गुलबर्गा में 95,452 मतों से हार का सामना करना पड़ा। अपने गृह राज्य कर्नाटक में सोलिल्लादा सरदारा (कभी नहीं हारने वाला नेता) के रूप में मशहूर खरगे के कई दशकों के सियासी सफर में यह उनकी पहली हार थी।

खरगे ने कई मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली जिससे एक प्रशासक के तौर पर उनका अनुभव समृद्ध हुआ। मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में खरगे ने केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में श्रम एवं रोजगार, रेलवे और सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण विभाग संभाला। उन्होंने कर्नाटक में कांग्रेस की लगातार कई सरकारों में विभिन्न विभागों का कार्यभार संभाला था।

खरगे कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भी रहे और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) प्रमुख भी नियुक्त किए गए। लोकसभा में वर्ष 2014 से 2019 तक खरगे कांग्रेस के नेता रहे। जून, 2020 में खरगे कर्नाटक से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए और वर्तमान में उच्च सदन में विपक्ष के नेता हैं। खरगे को कई बार कर्नाटक में मुख्यमंत्री बनने के शीर्ष दावेदार के रूप में देखा गया, लेकिन वह कभी इस पद पर नहीं पहुंच पाए। मिजाज और स्वभाव से सौम्य खरगे कभी किसी बड़ी राजनीतिक समस्या या विवाद में नहीं फंसे। बीदर जिले के वारावट्टी में 21 जुलाई, 1942 को गरीब परिवार में जन्मे खरगे ने स्कूली पढ़ाई के अलावा स्नातक की पढ़ाई कलबुर्गी में की। विधि में स्नातक खरगे राजनीति में आने से पहले वकालत के पेशे में थे। वह बौद्ध धर्म के अनुयाई हैं और कलबुर्गी में बुद्ध विहार परिसर में निर्मित सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के संस्थापक-अध्यक्ष हैं। उन्होंने 13 मई, 1968 को राधाबाई से विवाह रचाया और उनके दो पुत्रियां और तीन बेटे हैं। उनके एक बेटे प्रियांक खरगे विधायक हैं और कर्नाटक में मंत्री हैं।

केरल में लोकसभा चुनाव में करारी हार के कारणों का विश्लेषण करेगी माकपा : गोविंदन

तिरुवनंतपुरम(भाषा)। केरल में लोकसभा चुनाव में करारी हार का सामना करने के बाद मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने मंगलवार को कहा कि पार्टी और वाम मोर्चा उन सभी कारकों का विश्लेषण करेगी जिनके कारण उनकी हार हुई है। माकपा की केरल इकाई के सचिव एम वी गोविंदन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) को 2019 के लोकसभा चुनावों में इसी तरह की हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन बाद में उसने स्थानीय निकाय चुनाव और विधानसभा चुनाव जीत लिया था। जब संवाददाताओं ने पूछा कि क्या पिनराई विजयन सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर राज्य में वामपंथी उम्मीदवारों की बड़ी हार का कारण थी, तो उन्होंने सवाल को महत्वहीन बताते हुए कहा कि अकेले यही कारण नहीं था।

मैसूर के राजा कृष्णदत्त चामराज वाडियार को लोकसभा चुनाव में मिली शानदार जीत

बेंगलुरु (भाषा)। मैसूर के पूर्व राजपरिवार के वंशज यदुवीर कृष्णदत्त चामराज वाडियार, पूर्व मंत्रियों कोटा श्रीनिवास पुजारी और के. सुधाकर (सभी भाजपा) ने मंगलवार को कर्नाटक में लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की। वाडियार ने मैसूर लोकसभा सीट पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के एम. लक्ष्मण को 1,39,262 मतों से हराया। वाडियार को 7,95,503 जबकि लक्ष्मण को 6,56,241 वोट मिले। लक्ष्मण की हार को मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि मैसूर उनका गृह जिला है और उन्होंने वहां प्रचार में काफी समय लगाया था। कर्नाटक विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष पुजारी ने उडुपी-चिकमगलूर सीट पर 2,59,175 मतों के अंतर से जीत हासिल की। पिछली भाजपा सरकार में मंत्री रहे पुजारी को 7,32,234 जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के जयप्रकाश हेगड़े को 4,73,059 वोट मिले।

पेज 1 का शेष

अंकों के...

जैसी कि उम्मीद थी, भाजपा के नुकसान की भरपाई ओडिशा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और कुछ हद तक तेलंगाना से हो रही है। गौरतलब है कि यूपी में बीजेपी अयोध्या सीट समाजवादी पार्टी (एसपी) से हार गई, जहां 500 साल बाद राम मंदिर बनाया गया था। जैसे ही भाजपा अपने दम पर बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने में विफल रही, टीडीपी के साथ उनकी बातचीत शुरू हो गई। प्रमुख चंद्रबाबू नायडू को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के फोन आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ (10/11), मध्य प्रदेश (29/29), दिल्ली (7/7), उत्तराखंड (5/5) और हिमाचल प्रदेश (4/4) और गुजरात (25/26) में, भाजपा सेट होती दिख रही है। इस बार उसका यूपी (32/80), बिहार (12/40), झारखंड (8/14), राजस्थान (14/25) और महाराष्ट्र (10/48) में प्रदर्शन सबसे खराब रहा। 2019 में, भाजपा ने हिंदी पट्टी के 10 राज्यों की 225 सीटों में से 176 सीटें जीती थीं- उत्तर प्रदेश (80 में से 62 सीटें), उत्तराखंड (5/5), बिहार (17/40), झारखंड (11/14), छत्तीसगढ़ (9/11), मध्य प्रदेश (28/29), दिल्ली (7/7), हरियाणा (10/10), हिमाचल प्रदेश (3/4) और राजस्थान (24/25)। भाजपा मोदी के नाम पर हाल के महीनों में तीन विधानसभा चुनावों में जीत से उत्साहित थी। चूंकि भाजपा का अभियान पूरी तरह से मोदी के बारे में था, इसलिए उनका आकर्षण और करिश्मा काम नहीं आया क्योंकि पूरा चुनाव अभियान उनके मोदी ब्रांड के इर्द-गिर्द विकसित हुआ। यहां तक कि बीजेपी और उसके गठबंधन के उम्मीदवारों ने भी मोदी के नाम पर वोट मांगे. भाजपा नेताओं के बीच भी इस बात की स्वीकारोक्ति है कि पार्टी ने कई गलत कदम उठाए, जिनमें टिकट के खराब चयन से लेकर अपने निर्वाचन क्षेत्रों में कमजोर स्थिति वाले कई उम्मीदवारों को चुनना और महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्य में हर तरह से गठबंधन बनाना शामिल है। मोदी ने पार्टी को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। विपक्ष के कथित मुस्लिम तुष्टिकरण के इर्द-गिर्द सर्वेक्षण हुआ, लेकिन विवादास्पद वाक्यांशों के उनके चयन ने आलोचकों को आकर्षित किया। यह बता रहा था कि भाजपा के अपने घोषणापत्र में बहुत कम दिलचस्पी थी, जबकि उसके अपने नेताओं ने विपक्षी पार्टी के घोषणापत्र को लेकर कांग्रेस पर हमला जारी रखा। प्रधानमंत्री ने विपक्ष को शांत करने के लिए '400 पार' का नारा गढ़ा और यह संकेत दिया कि भाजपा रथ पर सवार है तथा एक और भव्य बहुमत की ओर अग्रसर था। चुनाव नतीजों से पता चलता है कि भाजपा ने 10 साल में पहली बार लोकसभा चुनाव में सीधे मुकाबले में कांग्रेस से कुछ जमीन खो दी है। उसने यूपी में एसपी और पश्चिम बंगाल में टीएमसी को अपनी जमीन भी सौंप दी है। उत्तर प्रदेश भाजपा के लिए और भी बड़ा झटका साबित हुआ, जिसने 2014 और 2019 में अकेले दम पर भाजपा को बहुमत दिला दिया। 'शहजादों' ने सबको आश्चर्यचकित कर दिया है, क्योंकि भाजपा एक बड़े झटके के लिए तैयार है। 2019 में 41.40 प्रतिशत वोट शेयर के साथ बीजेपी ने 80 में से 62 सीटें जीतीं लेकिन इस बार यह घटकर 36 रह गई हैं। सपा को 38, कांग्रेस को छह, रालोद को दो सीटें मिली हैं। एक प्रमुख तत्व जिसने यूपी में 'दो लड़कों की जोड़ी' के लिए काम किया, वह पीडीए परिप्रेक्ष्य है। यादव द्वारा गढ़े गए पिछड़े (पिछड़े वर्ग), दलित और अल्पसंख्यक (अल्पसंख्यक) ने संभवत: सपा को लाभ पहुंचाया है। बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करण भूषण सिंह 1,48,843 वोटों के अंतर से कैसरगंज सीट बरकरार रखने में कामयाब रहे। सपा के पक्ष में काम करने वाले कारकों में से एक टिकट वितरण था। सपा ने अखिलेश यादव के परिवार से केवल पांच यादवों को मैदान में उतारा। पार्टी ने गैर-यादव ओबीसी को 27 टिकट दिए; 11 उच्च जातियों को, जिनमें चार ब्राह्मण, दो ठाकुर, दो वैश्य और एक खत्री शामिल हैं; और एससी-आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों में 15 दलित उम्मीदवारों के अलावा, चार मुस्लिम हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा ने उच्च जातियों के अलावा अत्यंत पिछड़ी जातियों सहित वफादार जाति के वोटों का एक बड़ा हिस्सा समाजवादी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन की ओर खिसका दिया है, क्योंकि अखिलेश यादव ने एक इंद्रधनुषी सामाजिक गठबंधन बनाया है, जबकि यादवों और मुसलमानों के प्रतिनिधियों को कम कर दिया है, जो उनका वफादार समर्थन है। अन्य दो राज्य - पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र भी भाजपा के रास्ते पर नहीं गए हैं। टीएमसी ने 29 सीटें जीतीं, जबकि बीजेपी केवल 12 सीटें जीतने में सफल रही, इस बार उसे छह सीटों का नुकसान हुआ। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के भीतर विभाजन पैदा करने के साथ-साथ उनकी पार्टी के नाम और प्रतीकों को जब्त करने की भाजपा की रणनीति ने महाराष्ट्र में वांछित परिणाम हासिल नहीं किए हैं। 2019 में, भाजपा ने महाराष्ट्र में 23 सीटें जीती थीं, जबकि शिवसेना (अविभाजित) ने 18 सीटें जीती थीं। इस बार भगवा पार्टी ने 11 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस ने 12 सीटें बरकरार रखीं। राजस्थान एक और राज्य है जहां बीजेपी को झटका लगा है वह है राजस्थान. वर्तमान में, भाजपा ने 14 सीटें जीतीं, जो 2019 में जीती 24 सीटों से कम है।

दूसरी ओर बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार बुधवार को दिल्ली में होने वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की बैठक में हिस्सा लेंगे। सूत्रों ने यहां यह जानकारी दी। जदयू ने राज्य की 40 लोकसभा सीट में से 12 पर जीत हासिल की है। कुमार बुधवार सुबह दिल्ली के लिए रवाना होंगे। कुमार ने सप्ताहांत में दिल्ली का दौरा किया था और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की थी। भाजपा के बहुमत से दूर रहने के कारण कुमार किंगमेकर की भूमिका निभा सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, विपक्षी गठबंधन इंडिया द्वारा कुमार को अपने पाले में किए जाने की कोशिश की जा रही है। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) प्रमुख नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में आने से पहले विपक्षी गठबंधन इंडिया के गठन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भाजपा के साथ नीतीश कुमार का रिश्ता 1990 के दशक के मध्य में उस समय से चला आ रहा है, जब कुमार ने बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के खिलाफ विद्रोह के बिगुल फूंकते हुए अनुभवी समाजवादी नेता दिवंगत जॉर्ज फर्नांडीस के साथ मिलकर समता पार्टी बनाई थी। वर्ष 1998 से 2004 तक देश पर शासन करने वाली भाजपा के साथ गठबंधन के दौरान कुमार ने दिवंगत अटल बिहारी वाजपेई के मंत्रिमंडल में कृषि, रेलवे और भूतल परिवहन जैसे प्रमुख विभाग संभाले थे। शरद यादव के गुट लोक शक्ति और समता पार्टी का बाद में विलय कर जदयू बनाने वाले कुमार ने भाजपा के साथ गठबंधन में 2005 में बिहार विधानसभा चुनाव जीता और पहली बार मुख्यमंत्री बने।

लेकिन कांग्रेस...

प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी ने भारतीय संविधान की रक्षा और सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि यह चुनाव परिणाम इस तथ्य का संकेत है कि भारतीय मतदाता ने नरेंद्र मोदी की राजनीति को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा, सीटों की संख्या दर्शाती है कि भारतीय मतदाता ने नरेंद्र मोदी और भाजपा को खारिज कर दिया है। यह भाजपा की हार है। उन्होंने कहा कि 5 जून को भारत के गठबंधन सहयोगी मिलेंगे और आगे के रास्ते पर चर्चा करेंगे। राहुल कांग्रेस को फिर से जीवंत करने के लिए काम कर रहे थे, उन्होंने देश भर में अपनी दो भारत जोड़ो यात्राओं के माध्यम से सामाजिक न्याय और जमीनी स्तर पर लामबंदी के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया और फिर जाति जनगणना के मुद्दे पर राजनीतिक पकड़ बनाई। लोकसभा चुनाव के लिए मंगलवार को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने अपनी पार्टी को 100 सीटों पर आगे बढ़ाने या जीतने में मदद की, जो 2019 की 52 सीटों से लगभग दोगुनी है। जनता से जुड़ने के लिए उन्होंने ट्रक और टेम्पो की सवारी करते, खेतों में काम करते और प्रेस वार्ता, छोटे वीडियो और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी स्थिति को स्पष्ट करते हुए देखा गया। कांग्रेस नेताओं ने मंगलवार को राहुल गांधी को लोगों के मुद्दों और कल्याणकारी उपायों पर केंद्रित अभियान का श्रेय दिया, जो आत्मविश्वास से लबरेज भाजपा के खिलाफ पार्टी की शानदार वापसी का एक कारण है। उनके कुछ पंच लाइन भी सोशल मीडिया पर लोकप्रिय हुए और ट्रेंड हुए। जैसे कि पार्टी की 'महालक्ष्मी' गारंटी के बारे में बताते हुए उनके खाते में खटाखट, खटाखट पैसे आने की पंच लाइन लाइन दिया था। जिसके तहत पार्टी के सत्ता में आने पर हर गरीब घर की एक महिला को 8,500 रुपये प्रति माह देने का वादा किया था। उन्होंने केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के रायबरेली से चुनाव लड़ा, जिसमें उन्होंने दक्षिण भारत की पर 3.64 लाख वोटों से और उत्तरी भारत की सीट पर 3.9 लाख वोटों पर आगे रहे। राहुल गांधी ने 2004 में अमेठी से चुनाव लड़ा था। उन्होंने 2014 के चुनावों में भाजपा की स्मृति ईरानी के खिलाफ एक लाख से अधिक मतों से जीत हासिल की। जिसके बाद स्मृति ईरानी कांग्रेस के गढ़ अमेठी में सेंध लगाई और 2019 में राहुल गांधी को 55,000 से अधिक मतों से हराया। वह निश्चित रूप से एक प्रमुख व्यक्ति थे जिन्होंने चुनावों में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लिए रुख बदल दिया और एक राजनेता के रूप में उनका कद निश्चित रूप से उनकी पार्टी के अच्छे प्रदर्शन के साथ कई पायदान ऊपर चला गया है।

दिल्ली....

उत्तर पश्चिम दिल्ली सीट पर भाजपा उम्मीदवार योगेंद्र चंदोलिया ने कांग्रेस के उदित राज पर 290849 मतों से पराजित किया। पूर्वी दिल्ली सीट पर आप के कुलदीप कुमार भाजपा के हर्ष मल्होत्रा से 92926 वोटों से हार गए। भाजपा के रामवीर सिंह बिधूड़ी दक्षिण दिल्ली सीट से आप के सही राम पहलवान को 12433 मतों के अंतर से हराया जबकि नई दिल्ली सीट से भाजपा प्रत्याशी व पार्टी की वरिष्ठ नेता दिवंगत सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज ने आप के सोमनाथ भारती को 78370 मतों से शिकस्त दी।

उत्तर प्रदेश....

को हराकर लगातार तीसरी बार वाराणसी सीट जीती। इस बार मोदी की जीत का अंतर 1,52,513 है, जो 2019 और 2014 से कम है। समाजवादी पार्टी के नेतृत्व वाली इंडिया ब्लॉक पार्टियों ने मुजफ्फरनगर, रामपुर, फिरोजाबाद, मैनपुरी, आंवला, खीरी, धौरहरा, प्रतापगढ़, जालौन, कौशाम्बी, बस्ती, लालगंज, (एससी) आज़मगढ़, चंदौली, कैराना, संभल, एटा, बदायूं, मोहनलालगंज, सुल्तानपुर, फर्रुखाबाद, इटावा, कन्नौज, हमीरपुर, बांदा, फतेहपुर, फैजाबाद, अम्बेडकर नगर, श्रावस्ती, संत कबीर नगर, घोसी, सलेमपुर, जौनपुर, मछलीशहर, गाजीपुर, रॉबर्ट्सगंज में जीत दर्ज की। कांग्रेस ने रायबरेली, इलाहाबाद, बाराबंकी, सहारनपुर, सीतापुर और अमेठी में जीत हासिल की। भाजपा के मौजूदा फैजाबाद सांसद लल्लू सिंह ने समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार अवधेश प्रसाद से हार स्वीकार करते हुए कहा, हम आपका सम्मान नहीं बचा सके। यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि फैजाबाद निर्वाचन क्षेत्र अयोध्या को कवर करता है और राम मंदिर भाजपा के लिए एक प्रमुख चुनावी मुद्दा था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रायबरेली सीट पर बीजेपी उम्मीदवार दिनेश सिंह को हराकर 4 लाख वोटों से जीत हासिल की। केंद्रीय राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी उत्तर प्रदेश के खीरी निर्वाचन क्षेत्र से 25,494 मतों के अंतर से हार गए। उन्हें समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार उत्कर्ष वर्मा मधुर ने हराया। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने पारंपरिक पार्टी के गढ़ को बरकरार रखते हुए मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से जीत हासिल की। उन्होंने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली यूपी सरकार में मंत्री जयवीर सिंह को हराकर 1,99,175 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। उत्तर प्रदेश, जो पिछले दो आम चुनावों में भाजपा का बड़ा गढ़ रहा है, में सत्तारूढ़ एनडीए और समाजवादी पार्टी और कांग्रेस वाले विपक्षी इंडिया गुट के बीच जबरदस्त कांटे की टक्कर देखी गई। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, वरिष्ठ भाजपा नेता मेनका गांधी अमेठी और सुल्तानपुर में समाजवादी पार्टी के प्रतिद्वंद्वियों से हार गईं, केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल (अपना दल (एस)) ने मिर्जापुर से जीत हासिल की। 2019 के लोकसभा चुनावों में, एनडीए ने 80 सीटों में से 62 और उसकी सहयोगी अपना दल (एस) ने दो सीटें जीतीं, जबकि तत्कालीन सहयोगी बसपा और समाजवादी पार्टी ने क्रमश: 10 और पांच सीटें जीतीं थी। मंगलवार को कानपुर लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी के रमेश अवस्थी सांसद चुने गये हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार आलोक मिश्रा को कड़ी टक्कर में 20,000 से अधिक वोटों से हराया। उनकी जीत को आसान नहीं माना जा रहा था क्योंकि मतगणना के अंत तक उन्हें इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार आलोक मिश्रा के साथ करीबी मुकाबले में देखा जा रहा था। कानपुर देहात जिले की अकबरपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी देवेन्द्र सिंह भोले ने भी 61700 वोटों से चुनाव जीतकर हैट्रिक बनाई। उन्होंने समाजवादी पार्टी के इंडिया ब्लॉक प्रत्याशी राजाराम पाल को हराया। इलाहाबाद में कांग्रेस के उज्जवल रमण सिंह ने बीजेपी से सीट छीन ली। उन्होंने बीजेपी के नीरज त्रिपाठी को करीब 45 हजार वोटों से हराया। दोपहर में 20वें राउंड की गिनती के बाद ही बीजेपी प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी की पत्नी कविता यादव त्रिपाठी ने हार मान ली थी ।अंतिम नतीजों तक अपना प्रदर्शन जारी रखने में कामयाब रही तो यह 2014 के बाद से अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकती है जब उसने 34 सीटें जीती थीं। 2004 में केवल वाम मोर्चे ने ही 35 से अधिक सीटें जीती थीं। दिलचस्प बात यह है कि कथित भूमि हड़पने और महिलाओं के यौन शोषण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरने वाला संदेशखाली मुद्दा भी टीएमसी के प्रदर्शन को प्रभावित नहीं कर सका। पार्टी ने न सिर्फ बशीरहाट सीट जीती बल्कि संदेशखाली विधानसभा सीट से भी भारी बढ़त हासिल की।

पश्चिम बंगाल..

टीएमसी की भारी जीत के अलावा मंगलवार के चुनाव परिणाम के आसपास दूसरी सबसे ऐतिहासिक घटना बेहरामपुर के 5 बार के कांग्रेस सांसद और पार्टी के पूर्व लोकसभा नेता अधीर चौधरी की आश्चर्यजनक हार रही, जो बहुचर्चित टीएमसी प्रत्याशी और पूर्व भारतीय क्रिकेटर यूसुफ पठान से हार गए । चुनाव जीतने वालों में पठान के अलावा टीएमसी की महुआ मोइत्रा भी शामिल हैं, जिन्होंने कृष्णानगर से अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा की अमृता रॉय को हराया। खबर लिखे जाने तक टीएमसी 30 सीटें जीतने की राह पर थी, जबकि बीजेपी केवल 11 सीटें जीतने में कामयाब रही। पिछली लोकसभा में 2 सीटों वाली कांग्रेस केवल मालदा दक्षिण सीट जीतने में कामयाब रही और बेहरामपुर को टीएमसी से हार गई। बंगाल में लोकसभा चुनाव सात चरणों में कराए गए। भाजपा में हारने वाले उल्लेखनीय चेहरों में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष भी शामिल थे, जिन्हें कथित तौर पर उनकी इच्छा के विरुद्ध दुर्गापुर से चुनाव लड़ने के लिए मजबूर किया गया था, जबकि उनकी गृह सीट मिदनापुर को अग्निमित्रा पॉल के लिए छोड़ दिया गया था, पॉल भी हार गईं।

महाराष्ट्र....

सवार होकर - क्रमश: 10 सीटें और 7 सीटें जीतीं। वास्तव में, एमवीए की प्रभावी जीत की ताकत 30 सीटों तक बढ़ गई है, क्योंकि चुनाव मैदान में एकमात्र निर्दलीय - दिवंगत मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता वसंतदादा पाटिल के पोते विशाल प्रकाशबापू पाटिल, जिन्होंने पश्चिमी महाराष्ट्र के सांगली निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की, संभवत: वे कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष का समर्थन करेंगे। वहीं लोकसभा चुनाव में भाजपा को 10 सीट, एनसीपी से अलग होने वाली अजीत पवार वाली एनसीपी को 7 सीटों और शिवसेना से अलग होने वाली एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना को 1 सीट पर जीत हासिल मिली है।

ओडिशा....

लोकप्रियता पर निर्भर रही। यह राज्य में अकेले जाने के पार्टी के फैसले को भी सही साबित करता है। रिपोर्टों ने सुझाव दिया था कि पटनायक की पार्टी, जिसने भाजपा के साथ गठबंधन में न होने के बावजूद कई मौकों पर संसद में उसका समर्थन किया था, एनडीए में शामिल होने के लिए बातचीत कर रही थी। हालाँकि, अंतत: चर्चा विफल हो गई।

केरल....

एक सीट से संतोष करना पड़ा और शेष 18 सीटें कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के लिए छोड़ दी गईं। कांग्रेस ने 15 सीटें जीतीं और मुस्लिम लीग दो सीटें लेकर चली गई। यूडीएफ के एक अन्य घटक, केरल कांग्रेस के जोसेफ गुट ने उस अकेली सीट पर जीत हासिल की, जिस पर उसने चुनाव लड़ा था, जिससे सीटों की संख्या पूरी हो गई। इस चुनाव का मुख्य आकर्षण चुनाव में सीपीआई (एम) को मिली करारी हार है। पार्टी के के राधाकृष्णन को छोड़कर, जो केरल के मंदिर प्रशासन मंत्री भी हैं, ने अलाथुर से मौजूदा कांग्रेस सांसद राम्या हरिदास को हराकर जीत हासिल की। पार्टी के कई दिग्गज किनारे हो गए और इनमें एम वी जयराजन, एलामाराम करीम और के के शैलजा शामिल हैं। लेखक और राजनीतिक टिप्पणीकार पी सुजाथन के अनुसार सुरेश गोपी की जीत केरल के राजनीतिक परिदृश्य में एक नई शुरुआत है। हालांकि भाजपा की जीत त्रिशूर तक ही सीमित है, राजीव चंद्रशेखर, वी मुरलीधरन और शोभा सुरेंद्रन जैसे उम्मीदवारों ने 2019 के चुनाव की तुलना में अधिक वोट प्राप्त करके काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, केरल में 2026 के विधानसभा चुनाव में वर्तमान दो-घोड़ों की दौड़ की तुलना में तीन-घोड़ों की दौड़ होगी।

वाराणसी में पीएम मोदी की हैट्रिक पर जश्न

- लोकसभा की पांचों विधानसभाओं में बंटी मिठाइयां, जमकर आतिशबाजी
- ढोल नगाड़े पर थिरके भाजपा कार्यकर्ता, एक दूसरे को दी जीत की बधाई

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

लोकसभा चुनाव में वाराणसी संसदीय सीट पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जीत पर हैट्रिक पर पूरे वाराणसी लोकसभा क्षेत्र में जश्न मनाया गया। मतगणना का परिणाम आने के साथ ही गुलाब बाग स्थित भाजपा कार्यालय पर जम कर आतिशबाजी हुई एवं ढोल नगाड़े की थाप पर थिरकते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। इस अवसर पर भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने कहा कि काशी ही नहीं, पूरे देश के लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में तीसरी बार एनडीए की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि वाराणसी संसदीय सीट से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लगातार तीसरी बार भारी मतों से विजयी बनाने के लिए काशी वासियों का हृदय से आभार प्रकट करता हूं। इस अवसर पर महापौर अशोक तिवारी, महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, सह मीडिया प्रभारी संतोष सोलापुरकर, जगदीश त्रिपाठी, आलोक श्रीवास्तव, अशोक पटेल, शालिनी यादव, गीता शास्त्री, डॉ रचना अग्रवाल, इं अशोक यादव, सिद्धनाथ शर्मा, सुशील त्रिपाठी, शैलेन्द्र मिश्रा, डा अशोक राय आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पांचों विधानसभाओं में जश्न की धूम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लगातार तीसरी बार जीत पर वाराणसी लोकसभा क्षेत्र की पांचों विधानसभा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया। इस क्रम में रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत कंचनपुर चितईपुर वाराणसी में एमएलसी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा जश्न के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। आतिशबाजी की एवं घर घर जाकर लोगों को मिठाई बांटी। इस अवसर पर प्रतिनिधि प्रवेष पटेल, पार्षद प्रतिनिधि गोपाल पटेल, विनीत सिंह, विजय बिन्द, ज्योति सोनी, जिला महामंत्री संजय सोनकर, जिला मंत्री अश्वनी पाण्डेय, विनोद पटेल, गोबिन्द गुप्ता, मनीश कालरा, सुरेश सिंह अनिल पाण्डेय जितेंद्र केशरी, विहारी पटेल, विजय विश्वकर्मा, राजू प्रजापति, अनिल कनौजिया, अजय विश्वकर्मा, अनुराग चौधरी आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

अंशकालिक नेता से विपक्ष के कद्दावर चेहरे के तौर पर उभरे राहुल गांधी

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र में नरेन्द्र मोदी की सरकार के सबसे प्रखर आलोचक बनकर उभरे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भले ही पिछले दो आम चुनावों में अपनी पार्टी के लिए कोई खास करिश्मा पैदा नहीं कर पाए हो, लेकिन इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के बेहतर प्रदर्शन और अपनी यात्राओं के माध्यम से उन्होंने स्वयं को भारतीय राजनीति में एक कद्दावर नेता के रूप में स्थापित कर लिया। गांधी ने इस चुनाव में भले ही घोषित रूप से कांग्रेस का नेतृत्व नहीं किया, लेकिन पार्टी का पूरा प्रचार अभियान उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमा। उन्होंने बतौर उम्मीदवार रायबरेली और वायनाड, दोनों सीट से भारी मतों के अंतर से जीत दर्ज की। इस आम चुनाव में उन्होंने वायनाड में मतदान समाप्त होने के बाद तीन मई को रायबरेली संसदीय क्षेत्र से नामांकन पत्र भर कर कई राजनीतिक पंडितों को चौंकाया था क्योंकि कई लोग यह मानकर चल रहे थे कि वह अमेठी संसदीय क्षेत्र से भाजपा नेत्री स्मृति ईरानी को चुनौती देंगे। गांधी ने उस रायबरेली सीट से उतरने का निर्णय किया जो उनकी मां सोनिया गांधी की पसंदीदा लोकसभा सीट रही है। उन्होंने पहले भारत जोड़ो यात्रा और फिर भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से अपने आप को एक संजीदा नेता रूप में भी स्थापित किया। गांधी ने 2004 में अमेठी से चुनावी राजनीति के अखाड़े में कदम रखा था और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के सत्ता में रहने के दौरान पहले 10 वर्षों में उन्हें अपेक्षाकृत आसानी से सफलता मिली, जबकि उसके अगले 10 वर्ष चुनौतीपूर्ण रहे हैं।उन्होंने 2014 का चुनाव भाजपा की स्मृति ईरानी के खिलाफ एक लाख से अधिक वोटों से जीता था, लेकिन इसके बाद उन्होंने (स्मृति ने) एक आक्रामक प्रचार अभियान चलाया और कांग्रेस के गढ़ अमेठी में सेंध लगाने में कामयाब हो गईं।भाजपा नेता ईरानी ने 2019 में गांधी परिवार के उत्तराधिकारी को 55,000 से अधिक वोटों से हराकर अमेठी सीट जीत ली। गांधी का दो सीटों से चुनाव लड़ने का प्लान बी हालांकि काम कर गया और केरल के वायनाड से उन्होंने जीत हासिल की, जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि संसद में उनका कार्यकाल जारी रहेगा।गांधी के द्वारा उठाए गए राफेल जैसे मुद्दे कांग्रेस के 2019 के चुनाव अभियान को आगे बढ़ाने में प्रभावशाली नहीं रहे लेकिन गांधी इन पर अड़े रहे और अडाणी मुद्दे सहित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अपना हमला जारी रखा।

अर्श से फर्श पर आए आंध्र के मुख्यमंत्री, संघर्षों से हासिल किया था ऊंचा मुकाम

अमरावती। आंध्र प्रदेश के निवर्तमान मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने पिछले करीब 15 साल के अपने राजनीतिक करियर के दौरान कई उतार-चढ़ाव देखे। साल 2009 में पिता व अविभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस राजशेखर रेड्डी के निधन के बाद उन्होंने कांग्रेस आलाकमान की तरफ से उपेक्षा झेली और आय से अधिक संपत्ति के मामले मे कई महीने जेल मे बिताए। साल 2011 में उन्होंने अपनी खुद की पार्टी वाईएसआर कांग्रेस का गठन किया और निरंतर संघर्ष करते हुए 2019 में पार्टी को सत्ता मे लाकर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आसीन हुए। हालांकि मंगलवार को लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव मे उनकी पार्टी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और उनके लिए एक बार फिर संघर्ष का दौर शुरू हो गया है। इक्कीस दिसंबर 1972 को कड़प्पा जिले के जम्मालामदुगु मे जन्मे जगन मोहन ने अपना कारोबारी करियर 1999-2000 मे पड़ोसी राज्य कर्नाटक मे संदूर नाम की एक पावर कंपनी स्थापित कर शुरू किया था। इस कंपनी को उन्होंने पूर्वोत्तर भारत तक पहुंचाया।

दो छात्र नीट 2024 परीक्षा में नेशनल टॉपर बने

लखनऊ। परीक्षण तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने लखनऊ में अपने दो छात्र आयुष नौगरैया और आर्यन यादव की उल्लेखनीय उपलब्धि की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कियाए जिन्होंने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट 2024 में 720 में से 720 परफेक्ट स्कोर हासिल किया और ऑल इंडिया रैंक 1 प्राप्त कर नेशनल टॉपर के रूप में उभरे हैं। साथ ही अन्य दो छात्रों में प्रणव श्रीवास्तव ने 716 अंक ऑल इंडिया रैंक 71 और इकरा खान 711 अंक एआईआर 327 हासिल किए हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी-एनटीए ने मंगलवार को परिणाम घोषित किए हैं। स्टूडेंट्स की उपलब्धि में उनके परिवार, शिक्षको, और आकाश एजुकेशनल सर्विसेज का बड़ा हाथ है। उनके साथीए परिवार और समर्थकों के एकजुट समर्थन ने उन्हें इस महत्वपूर्ण मील के पत्थर पर पहुंचाया है। स्टूडेंट्स ने प्रभावशाली स्कोर हासिल करके अपने माता.पिता और आकाश इंस्टिट्यूट के पूरे स्टाफ को गौरवान्वित किया है। क्षेत्रीय निदेशक डा एच् आर राव ने कहा कि सभी स्टूडेंट्स को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि पर बहुत.बहुत बधाई।

विपक्ष का दुष्प्रचार से सहयोगियों को नुकसान पहुंचाया : शिंदे

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को दावा किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) द्वारा संविधान को बदलने से संबंधित विपक्ष का दुष्प्रचार और उम्मीदवारो की घोषणा मे देरी ने शिवसेना और उसके सहयोगियो को कुछ सीट पर नुकसान पहुंचाया।शिंदे ने संवाददाताओं से कहा कि विपक्ष की वोटबैक की राजनीति ने राजग के प्रदर्शन को प्रभावित किया।उन्होंने कहा, विपक्षी दलो ने निरंतर संविधान को बदलने का दुष्प्रचार किया। हम मतदाताओ मे संदेह को दूर करने मे विफल रहे। वोटबैक की राजनीति के कारण भी हमे नुकसान हुआ। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कुछ सीट पर उम्मीदवारो की घोषणा मे देरी से भी कुछ निर्वाचन क्षेत्रो मे नुकसान हुआ।शिंदे नासिक लोकसभा सीट का जिक्र कर रहे थे, जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के विरोध के बावजूद शिवसेना ने हेमंत गोडसे को मैदान मे उतारा था। गोडसे, शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) के उम्मीदवार से पीछे चल रहे है।शिंदे ने हिंगोली और यवतमाल-वाशिम निर्वाचन क्षेत्रो से अपने मौजूदा सांसदो को भी बदल दिया था और पार्टी के दोनो उम्मीदवार इन सीट पर पीछे चल रहे है। वोट बैक की राजनीति ने भी हमे प्रभावित किया। मै उन्हे (विपक्ष को) बताना चाहता हूं कि लोगो को वोट बैक की राजनीति कभी पसंद नहीं आई।

दक्षिण भारत में हिंदुत्व की प्रखर पैरोकार के रूप में उभरी माधवी लता

भाषा। हैदराबाद

सामाजिक कार्यों में गहन रूचि रखने वाली और आर्थिक रूप से कमजोर मुस्लिम महिलाओं की मदद करने के लिए मशहूर माधवी लता के हैदराबाद सीट से लोकसभा चुनाव मैदान में उतरने के साथ ही संकेत मिलने शुरू हो गए थे कि असदुद्दीन औवेसी के गढ़ में इस बार कुछ बड़ा फेरबदल होने वाला है। निर्वाचन आयोग के अभी तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, हैदराबाद सीट पर असदुद्दीन ओवैसी ने 6 लाख 61 हजार से अधिक वोट हासिल कर लगातार पांचवीं जीत हासिल की वहीं माधवी लता 3 लाख 23 हजार से अधिक वोटों के साथ दूसरे नंबर पर रहीं। भले ही माधवी लता ओवैसी के किले को ध्वस्त नहीं कर पाईं लेकिन उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को अच्छी खासी टक्कर जरूर दी। हैदराबाद में मुस्लिम समुदाय के कद्दावर नेता और चार बार के सांसद असदुद्दीन औवेसी को चुनौती देने वाली माधवी लता वर्तमान आम चुनाव के दौरान दक्षिण भारत में हिंदुत्व की प्रखर वक्ता के रूप में तेजी से उभरी हैं और एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा मीडिया के आकर्षण का केंद्र रही। माधवी लता इस चुनाव में इस वजह से भी लोगों की उत्सुकता का विषय बनी क्योंकि उनके एक टीवी साक्षात्कार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर साझा करते हुए उनकी तारीफ की थी। इतना ही नहीं, चुनाव से पहले ही केंद्र सरकार द्वारा कड़ी सुरक्षा मुहैया कराए जाने के कारण भी माधवी लता ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। खुफिया

एजेंसी आईबी की रिपोर्ट के बाद माधवी लता को वाई प्लस सुरक्षा दी गई थी और उनकी सुरक्षा में 11 कमांडो को तैनात किया गया था। माधवी लता (49) का नाम लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 195 उम्मीदवारों की पहली सूची में घोषित किया गया था। हैदराबाद में रामनवमी की शोभायात्रा के दौरान एक मस्जिद की ओर सांकेतिक तीर चला कर विवाद खड़ा करने पर भी वह चर्चा में रहीं। तेलंगाना की मुस्लिम बहुल हैदराबाद सीट से चार बार के सांसद एवं ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन औवेसी के गढ़ में भाजपा ने माधवी लता को उतार कर एक साहसिक निर्णय किया। हैदराबाद सीट पर 1984 से ही ओवैसी परिवार का कब्जा रहा है और इसे असदुद्दीन ओवैसी का गढ़ माना जाता है। माधवी लता ने 2018 में भाजपा में शामिल होने के बाद 2019 के आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में गुंटूर पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा लेकिन हार गईं और चौथे स्थान पर रहीं।माधवी अपने हिंदुत्व समर्थक भाषणों के लिए जानी जाती हैं और अपनी उम्मीदवारी की घोषणा से पहले ही उन्होंने अपने भाषणों और पारंपरिक पोशाक के कारण सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी थी।हाल में सामने आए एक और वीडियो में, वह एक मतदान केंद्र पर बुर्का पहनी महिलाओं से हिजाब हटाने और चेहरा दिखाने के लिए कहती नजर आईं ताकि उनकी पहचान सत्यापित की जा सके। इस मामले में निर्वाचन अधिकारी के आदेश पर उनके खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया। माधवी ने 2019 में गैरकानूनी घोषित की गई तीन तलाक प्रथा के खिलाफ सक्रिय रूप से अभियान चलाया। उन्होंने हैदराबाद के पुराने शहर में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए इस प्रथा के उन्मूलन की वकालत करते हुए मुस्लिम महिला समूहों के साथ सहयोग किया।

नीतीश, नायडू राजग का साथ छोड़ सकते हैं: राजद

भाषा। पटना

राष्ट्रीय जनता दल ने मंगलवार को दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू प्रतिशोध की राजनीति को नापसंद करते हैं जो उन्हें भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से दूर सकती है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य मनोज कुमार झा ने जनता दल (यू) के प्रमुख कुमार के इस बयान को याद किया कि जो लोग 2014 में सत्ता में आए उन्हें 2024 में सत्ता से बाहर कर दिया जाएगा। कुमार ने राजग में शामिल होने के पूर्व विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। झा ने कहा, हम पहले भी नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू दोनों के साथ गठबंधन में रहे हैं। हम जानते हैं कि वे भाजपा की प्रतिशोध की राजनीति को नापसंद करते हैं। लगता है नरेन्द्र मोदी की विदाई तय है। हमें उम्मीद है कि दोनों नेता केंद्र में सत्ता परिवर्तन में अहम भूमिका निभाएंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद और पार्टी नेता तेजस्वी यादव सहित उनकी पार्टी के अन्य नेता कुमार के संपर्क में हैं, झा ने सीधा जवाब न देते हुए कहा, जिन्हें उनसे संपर्क करने की जरूरत है वे उनसे बात कर रहे हैं। हमारे नेता तेजस्वी यादव पिछले कुछ समय से कह रहे हैं कि नीतीश कुमार चार जून के बाद कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया, मैं नीतीश कुमार या चंद्रबाबू नायडू से कोई अपील नहीं कर रहा हूं।

लोकसभा चुनाव के नतीजे भाजपा के लिए सबक : थरूर

भाषा। तिरुवनंतपुरम

तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट से लगातार चौथी बार जीत हासिल करने वाले कांग्रेस नेता शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि चुनाव परिणाम भाजपा के लिए एक सबक है कि जब वह सांप्रदायिकता के बजाय विकास जैसे अन्य रास्तों पर चलती है तो उसका बेहतर प्रदर्शन होता है। थरूर ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी के राजीव चंद्रशेखर को 16,077 मतों से शिकस्त दी। थरूर ने कहा कि चुनाव परिणाम मतदाताओं द्वारा भाजपा को दिया गया एक गंभीर संदेश है कि उनकी शासन प्रणाली में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने पीटीआई वीडियो को बताया, ...मुझे हमेशा लगता था कि भाजपा केरल में हद पार कर रही है, क्योंकि

उनके संदेशों में सांप्रदायिकता समाहित है। जब वे दूसरे रास्तों पर चलते हैं तो बेहतर प्रदर्शन करते हैं। चाहे वह विकास का रास्ता हो, जिसका राजीव चंद्रशेखर ने यहां समर्थन किया हो या अल्पसंख्यकों तक जागरूकता से पहुंचने का सुरेश गोपी द्वारा किया गया प्रयास।
उन्होंने कहा, जब आप उत्तर भारतीय भाजपा के पारंपरिक स्वरूप से आगे बढ़ते हैं, तभी आप केरल के मतदाताओं को आकर्षित कर सकते हैं। और यह चयन की एक बहुत ही स्पष्ट प्रवृत्ति है। थरूर ने आगे कहा कि यह हमेशा से स्पष्ट था कि भाजपा के लिए 400 का आंकड़ा पार करना असंभव था, 300 तक पहुंचना बहुत कठिन था और 200 तक पहुंचना एक चुनौती होगी। उन्होंने कहा, मैं यही कह सकता हूं कि हम हमेशा से इस बात को लेकर स्पष्ट थे कि 400 पार असंभव है, यह एक कल्पना है, और 300 पार बहुत कठिन है। हमने कहा कि 200 पार भाजपा के लिए एक चुनौती होगी। इससे पहले भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखर ने थरूर से मंगलवार को हार स्वीकार कर ली, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि केरल में चुनाव परिणाम इसका संकेत देते हैं कि भाजपा के लिए लोगों का समर्थन बढ़ रहा है।

उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती को लोकसभा चुनाव में हार मिली

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के इतिहास में एक बड़े चुनावी उलटफेर के तहत पूर्व विधायक शेख अब्दुल राशिद उर्फ इंजीनियर राशिद ने बारामूला लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से बहुत बड़ी बढ़त बना ली है। इसी तरह, पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र में मतगणना में काफी पीछे हैं तथा नेशनल कांग्रेस के प्रत्याशी ने निर्णायक बढ़त बना ली है।

अवैध गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज एक मामले में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद राशिद ने इस केंद्रशासित प्रदेश में लोकसभा चुनाव में अपने प्रतिद्वंद्वियों को धूल चटा दी है। उनके प्रतिद्वंद्वियों में पीपुल्स कांफ्रेंस के अध्यक्ष सजाद गनी लोन शामिल भी हैं जो अब्दुल्ला के बाद तीसरे नंबर पर हैं। पूर्व विधायक राशिद (52) को 2019 में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) कुपवाड़ा से गिरफ्तार किया गया और उन्हें यूएपीए के तहत आरोपित किया गया था। वह इस आतंकवाद विरोधी कानून के तहत गिरफ्तार किए जाने वाले मुख्यधारा की राजनीति के पहले नेता हैं।

पांच नेताओं ने तोड़े जीत के सारे रिकॉर्ड, इंदौर के लालवानी सबसे आगे

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चार उम्मीदवारों सहित कम से कम पांच राजनेताओं ने लोकसभा चुनावों में जीत के अंतर के पिछले सभी रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। वहीं इंदौर के मौजूदा सांसद शंकर लालवनी सबसे बड़े अंतर से जीत दर्ज करने वाले उम्मीदवारों में सबसे आगे रहे। लालवानी ने 11.72 लाख मतों के अंतर से जीत दर्ज की। गृह मंत्री अमित शाह, मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और भाजपा की गुजरात इकाई के नेता सीआर पाटिल मतगणना के अंतिम दौर में अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र में सात लाख से ज्यादा अंतर से आगे रहे। असम के धुबरी निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के रकीबुल हुसैन 7.36 लाख मतों के भारी अंतर से आगे चल रहे हैं।सबसे ज्यादा अंतर से जीत का रिकॉर्ड भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रीतम मुंडे के नाम था, जिन्होंने अक्टूबर 2014 में महाराष्ट्र की बीड लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में 6.96 लाख से ज्यादा मतों से जीत हासिल की थी। नवसारी से तीन बार सांसद रहे पाटिल ने 2019 लोकसभा चुनाव में 6.89 लाख मतों से जीत हासिल कर दूसरे सबसे ज्यादा अंतर से जीत का रिकॉर्ड बनाया था।

भाजपा के मत प्रतिशत में आई गिरावट

2019 के मुकाबले कांग्रेस-सपा को अधिक मत मिले

भाषा। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मत प्रतिशत में गिरावट आई है जबकि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनावों की तुलना में अधिक वोट हासिल किए हैं।निर्वाचन आयोग की ओर से मंगलवार के जारी आंकड़ों में यह बात सामने आई है।भाजपा ने 2019 की तुलना में इस बार अधिक सीटों पर चुनाव लड़ा था लेकिन इसके बावजूद वह 272 के जादुई आंकड़े तक नहीं पहुंच पाई। उसे कुल मतदान का 36.91 प्रतिशत मत मिला जो पिछले लोकसभा चुनाव के मुकाबले लगभग 0.39 प्रतिशत कम है।दूसरी ओर, कांग्रेस का वोट प्रतिशत 2.22 प्रतिशत अंक बढ़कर 21.68 प्रतिशत तक पहुंच गया। यह उसकी सीट तालिका में भी परिलक्षित हुआ। पार्टी 99 सीटें जीतने की ओर अग्रसर है।राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल के प्रदर्शन में काफी सुधार देखने को मिला है। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी ने अपना वोट प्रतिशत लगभग दोगुना कर 4.66 प्रतिशत कर लिया।

लोकसभा चुनाव परिणाम ने साबित किया स्थिति बदलाव के लिए अनुकूल है : पवार

भाषा। मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा चुनाव परिणामों ने दिखा दिया है कि देश में स्थिति राजनीतिक बदलाव के लिए अनुकूल है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि आगे की रणनीति तय करने के लिए बुधवार को दिल्ली में इंडिया गठबंधन के नेताओं के बैठक करने की संभावना है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन के केंद्र में सरकार बनाने की संभावना नहीं है।
पवार ने कहा, मैंने (कांग्रेस अध्यक्ष)

मल्लिकार्जुन खरगे और (माकपा महासचिव) सीताराम एचुरी से बात की है। इंडिया गठबंधन की बैठक बुधवार को दिल्ली में होने की संभावना है। आज शाम तक अंतिम निर्णय लिए जाने की उम्मीद है। उसी के अनुसार, मैं दिल्ली जाऊंगा।
यह पूछे जाने पर कि अगला प्रधानमंत्री कौन होगा, पवार ने कहा, हमने इस पर विचार नहीं किया है। पवार ने कहा कि लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी और शिवसेना (यूबीटी) का स्ट्राइक रेट बहुत अच्छा है। लोकसभा चुनाव की मतगणना के अब तक के रुझानों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अपने बूते बहुमत हासिल नहीं करने का संकेत मिलने के बीच, पवार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने मीडिया में आई खबरों के उलट बिहार के मुख्यमंत्री एवं जनता दल (यूनाइटेड) के नेता नीतीश कुमार या तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख चंद्रबाबू नायडू से अब तक बात नहीं की है।

क्विक न्यूज

मोदी आजादी के बाद प्रधानमंत्री के रूप में नया रिकॉर्ड बना रहे हैं: यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व के कारण चुनौतियों के बावजूद भाजपा नीत राजग देश में 295 से अधिक सीट जीत रहा है। लोकसभा चुनाव के लिए मतगणना जारी है, जिसमे भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, लेकिन उसे अपने दम पर बहुमत नही मिला है। यादव ने यह भी कहा कि भाजपा मध्य प्रदेश मे सभी 29 सीट जीतेगी। इसमे छिंदवाड़ा भी शामिल है, जो आजादी के बाद से कांग्रेस का गढ़ रहा है। यादव ने कहा कि मोदी की यह जीत जवाहरलाल नेहरू के युग की याद दिलाती है और उनके बाद यह पहली बार है जब कोई प्रधानमंत्री लगातार तीसरी बार जीत रहा है। यादव ने कहा, यह आजादी के बाद का एक महत्वपूर्ण क्षण है, जहां हम एक नया रिकॉर्ड बनते हुए देख रहे है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व मे राजग ने 295 से अधिक सीट जीती है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार देश ने देखा कि कोई प्रधानमंत्री चुनाव लड़ रहा है और लगातार तीसरी बार सत्ता मे आकर एक नई मिसाल कायम कर रहा है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि जवाहरलाल नेहरू का कार्यकाल इस श्रेणी मे नही आता है, क्योंकि उन्होंने स्वतंत्रता के तुरंत बाद प्रधानमंत्री की भूमिका संभाली थी। उन्होने कहा कि मोदी ने चुनौतियों के बीच चुनाव लड़ा और अनुच्छेद 370 को हटाने से लेकर तीन तलाक की प्रथा को समाप्त करने तक कई सुधार किए। यादव ने दावा किया कि भाजपा का प्रभाव केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और पूर्वी तथा पश्चिमी भारत तक फैल गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद भाजपा अपनी ताकत और कमियों पर चर्चा करेगी।

इंदौर में नोटा ने 2.19 लाख वोटों के साथ नया रिकॉर्ड बनाया, 13 उम्मीदवारों को किया चित

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर मे नोटा ने बिहार के गोपालगंज का पिछला कीर्तिमान ध्वस्त करते हुए 2,18,674 वोट हासिल किए और 14 मे से 13 उम्मीदवारों को पटखनी देकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया। इंदौर, मतदाताओं की तादाद के लिहाज से सूबे मे सबसे बड़ा लोकसभा क्षेत्र है जहां मुख्य चुनावी भिड़ंत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच होती रही है, लेकिन इस बार सियासी समीकरण एकदम बदले हुए थे। कांग्रेस के घोषित प्रत्याशी अक्षय कांति बम पार्टी को तगड़ा झटका देते हुए नामांकन वापसी की आखिरी तारीख 29 अप्रैल को अपना पर्चा वापस लेकर तुरंत बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मे शामिल हो गए थे। नतीजतन इस सीट के 72 साल के इतिहास मे कांग्रेस पहली बार चुनावी दौड़ से बाहर हो गई। इसके बाद कांग्रेस ने स्थानीय मतदाताओ से अपील की कि वे ईवीएम पर नोटा का बटन दबाकर भाजपा को सबक सिखाएं। इंदौर मे 13 मई को हुए मतदान मे कुल 25.27 लाख मतदाताओ मे से 61.75 प्रतिशत लोगो ने वोट डाला था और इनमे से 13,43,294 मत वैध पाए गए। यानी कुल वैध मतो का 16.28 फीसद हिस्सा नोटा के खाते मे गया। इंदौर मे निवर्तमान सांसद और भाजपा के उम्मीदवार शंकर लालवानी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बहुजन समाज पार्टी प्रत्याशी संजय सोलंकी को 11,75,092 वोट के रिकॉर्ड अंतर से हराया। इंदौर लोकसभा क्षेत्र पर पिछले 35 साल से भाजपा का कब्जा है। इस बार इंदौर मे कुल 14 उम्मीदवारो ने किस्मत आजमाई जिनमे से 13 उम्मीदवारो ने अपनी जमानत गंवा दी। नोटा ने इन सभी 13 उम्मीदवारो को मात दे दी और वोट हासिल करने के मामले मे लालवानी के बाद दूसरे क्रम पर रहा। इन 13 पराजित उम्मीदवारो को कुल 1,16,543 वोट मिले और इस जोड़ का यह आंकड़ा भी नोटा को हासिल मतो से कम है।

भारत केयर्स और एसोचैम फाउंडेशन ने स्वच्छता प्रबंधन पर अभियान शुरू किया

नई दिल्ली। स्पार्क मिंडा ग्रुप की सीएसआर शाखा, स्पार्क मिंडा फाउंडेशन (एसएमएफ), इंडिया विजन फाउंडेशन, भारतकेयर्स (सीएसआरबॉक्स) और एसोचैम ने संयुक्त रूप से विश्व मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश की महिला कैदियों के लिए मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन पर एक अभियान शुरू किया। महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, मासिक धर्म स्वच्छता के महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर नजरअंदाज किए जाने वाले पहलू पर ध्यान देना जरूरी है। प्रत्येक मासिक धर्म वाली महिला को, उनकी परिस्थितियों की परवाह किए बिना, अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का अधिकार होना चाहिए। स्पार्क मिंडा फाउंडेशन, अपनी शक्ति प्रोजेक्ट के तहत, इस मुद्दे को उजागर करने और मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता अभियानों के माध्यम से जेल में कैद महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रोजेक्ट शक्ति भारतीय जेलों में मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए समर्पित है। प्रोजेक्ट शक्ति का ध्येय है कि स्वास्थ्य हर मासिक धर्म वाली महिला का मौलिक अधिकार होना चाहिए, चाहे उनकी जेल की स्थिति कुछ भी हो। मासिक धर्म स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करके, प्रोजेक्ट शक्ति उनके स्वास्थ्य के इस महत्वपूर्ण पहलू के बारे में चुप्पी तोड़ने का प्रयास करती है।

सिमरन चौधरी की लेटेस्ट रिलीज़ चोरी ने गोपनीयता और प्यार की कहानी के साथ भावनाओं को जाग्रत किया

मुंबई। सिमरन चौधरी अपने नए सिंगल चोरी के साथ भारतीय पॉप म्यूज़िक में हलचल मचा रही हैं। गोपनीय प्यार का रोमांच पेश करते हुए यह ट्रैक श्रोताओं को वासना और प्रलोभन की एक मधुर यात्रा पर ले जा रहा है। अपनी हृदयस्पर्शी मीठी धुन के साथ चोरी का ट्रैक पूरे विश्व के श्रोताओं के दिल में उतर जाएगा। सिमरन की अलौकिक आवाज और राजा के मीठे बोलों के साथ इस ट्रैक का संगीत सिमरन और राजा ने मिलकर दिया हैए और एडेन ने इसके साउंडस्केप का निर्माण किया है। इस ट्रैक की खट्टी.मीठी मैलोडी और नाजुक संरचना सिमरन द्वारा कहानी कहने की कला को निखार कर लाती हैए और एक ऐसे अनुभव का निर्माण करती हैए जो अंतरग होने के साथ शक्तिशाली भी है। फोल्किन रानी ईपी और नी भाबी के लिए काफी सराहना बटोरने के बाद सिमरन ष्चोरीष् के हर छंद में छिपे हुए रोमांस की जीवंत कल्पना का चित्रण कर रही हैंए जिसमें समय की गति स्थिर हो जाती है। यह एक ऐसा गीत हैए जो खत्म होने के बाद भी आपकी स्मृति में लंबे समय तक बना रहेगा।

प्रधानमंत्री की राजनीतिक और नैतिक हार हुई, जनादेश उनके खिलाफः खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि इस लोकसभा चुनाव का जनादेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ है तथा यह उनकी राजनीतिक एवं नैतिक हार हुई है।खरगे ने संवाददाताओं से यह भी कहा कि इस चुनाव मे लोकतंत्र और जनता की जीत हुई है। खरगे का कहना था, अठारहवी लोकसभा के चुनाव मे हम विनम्रता से जनमत को स्वीकार करते है। ए जनता की जीत है। ए लोकतंत्र की जीत है। इस बार जनता ने किसी एक दल को पूर्ण बहुमत नही दिया। ख़ासकर, सत्ताधारी दल भाजपा ने एक व्यक्ति-एक चेहरे के नाम पर वोट मांगा था। उन्होंने कहा, अब यह स्पष्ट हो गया है कि यह मोदीजी के ख़िलाफ़ है। यह उनकी राजनैतिक और नैतिक हार है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, आप जानते है कि कांग्रेस पार्टी और हमारे इंडिया गठबंधन ने बहुत प्रतिकूल माहौल मे चुनाव लड़ा। सरकारी मशनरी ने कदम-कदम पर अवरोध डाला। बैंक खाते सीज करने से लेकर तमाम नेताओं के खिलाफ अभियान चला। उन्होंने कहा, फिर भी शुरू से आखिर तक कांग्रेस पार्टी का अभियान सकारात्मक था। हमने महंगाई, बेरोज़गारी, किसानो और मजदूरों की बदहाली, संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग जैसे विषयो को केंद्रीय मुद्दा बनाया। इन मुद्दो पर बड़ी संख्या में लोग हमसे जुड़े, हमारा समर्थन किया। प्रधानमंत्री जी ने जिस तरह का चुनाव प्रचार किया, वो इतिहास मे लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

थ्यानमेन नरसंहार की 35वीं बरसी: चीन और हांगकांग में भारी सुरक्षा

भाषा। बीजिंग

थ्यानमेन नरसंहार की 35वीं बरसी पर चीन और हांगकांग में सुरक्षा के भारी बंदोबस्त किए गए और लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों पर खूनी कार्वाई के गवाह रहे थ्यानमेन चौक को जाने वाली मुख्य सड़कों पर जगह जगह पुलिस चौकियां और बख्तरबंद वाहनों की कतारें देखी गईं। हांगकांग पुलिस ने भारी चौकसी बरतते हुए बरसी संबंधी किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम को रोकने के लिए सड़क से कम से कम दो लोगों को हटा दिया। चीन काफी समय पहले ही नरसंहार की उन सभी निशानियों को कुचल चुका है जब चीनी सरकार ने कम्युनिस्ट शासन को बनाए रखने और महीनों से चल रहे विरोध प्रदर्शनों को समाप्त करने के लिए सेना को कार्वाई का आदेश दिया था। इस आदेश के बाद अनुमान है कि 180,000 सैनिक और सशस्त्र पुलिस बल टैंकों के साथ पहुंचे और थ्यानमेन चौक पर प्रदर्शनकारी छात्रों पर गोलियां बरसाईं। आज तक मरने वालों की संख्या का पता नहीं चल पाया है। ए माना जाता है कि हजारों नहीं तो सैकड़ों लोग इस अभियान में मारे गए थे जो कि एक रात पहले शुरू होकर 4 जून, 1989 की सुबह समाप्त हुआ था।यह नरसंहार आधुनिक चीनी इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। कम्युनिस्ट पार्टी के कट्टरपंथियों के पक्ष में संकट समाप्त हो गया जो राजनीतिक सुधारों की बजाय नियंत्रण का समर्थन करते थे। पूरे चीन में आज भी इस घटना को संवेदनशील नजरिए से देखा जाता है। यह घटना वर्जित विषय है और सोशल मीडिया पर किसी भी तरह से इसको लेकर किए गए पोस्ट को तुरंत हटा दिया जाता है। मंगलवार को चीन की राजधानी में जीवन रोज की तरह ही सामान्य रहा। थ्यानमेन चौक और फोरबिडन सिटी में प्रवेश करने के लिए पर्यटक कतारों में खड़े रहे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने इस मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा, 1980 के दशक के अंत में हुई राजनीतिक उथल-पुथल के संबंध में चीनी सरकार का निष्कर्ष बहुत पहले ही स्पष्ट हो चुका है। विदेशी सरकारों द्वारा इस वर्षगांठ पर की गई टिप्पणी के सवाल पर उन्होंने कहा,हम इस बात का दृढ़ता से विरोध करते हैं कि कोई भी इस घटना का चीन पर हमला करने, उसे बदनाम करने तथा चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने के बहाने के तौर पर इस्तेमाल करे। हांगकांग वासियों की स्मृति से इस नरसंहार की यादों को पहले ही समाप्त किया जा चुका है। बरसी के मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल सड़कों पर नजर आया। एक अधेड़ व्यक्ति को पुलिस वाले पकड़ कर ले जाते दिख जिसने अपने हाथों में हाथ से लिखे दो पोस्टर पकड़ रखे थे। हांगकांग के नेता जॉन ली ने इस सवाल का कोई सीधा जवाब नहीं दिया कि क्या शहर के लोग आज भी नरसंहार पर सार्वजनिक रूप से शोक व्यक्त करते हैं।

ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बघेर क़ालिबाफ़ ने तेहरान में आंतरिक मंत्रालय में 28 जून के राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार के रूप में अपना नाम पंजीकृत करने के बाद एक प्रेस वार्ता में बात की। सोमवार को पंजीकरण का आखिरी दिन था।

पांच दिन की चीन यात्रा पर रवाना हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मंगलवार को चीन की पांच दिवसीय सरकारी यात्रा पर रवाना हुए, जिसका मकसद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाना और अरबों डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तहत सहयोग बढ़ाना है। शरीफ चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के निमंत्रण पर चार से आठ जून तक चीन की यात्रा पर रहेंगे। जियो न्यूज की खबर के अनुसार पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता शरीफ (72) मार्च में पार्टी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार बनने पर दूसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के बाद पहली विदेश यात्रा पर चीन रवाना हुए हैं। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने पिछले सप्ताह बीजिंग में कहा था कि अपनी यात्रा के दौरान शरीफ चीनी राष्ट्रपति शी के साथ वार्ता करेंगे और चीन-पाकिस्तान संबंधों के विकास के लिए संयुक्त रूप से एक खाका तैयार करेंगे। सोमवार को पाकिस्तान में चीनी राजदूत जियांग जेदोंग ने कहा कि दोनों नेताओं के मार्गदर्शन और दोनों देशों की जनता के मजबूत समर्थन से शरीफ की चीन यात्रा पूरी तरह सफल होगी और चीन-पाकिस्तान संबंधों के विकास में मील का पत्थर बनेगी।

पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने देश को संकट से बाहर निकालने के लिए बातचीत का आह्वान किया

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने सभी हितधारकों से जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी के साथ बातचीत करने का आग्रह किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नकदी की कमी से जूझ रहे देश की खराब आर्थिक स्थिति को सुधारने का यही एकमात्र रास्ता है। सोमवार को लाहौर में खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के पदाधिकारियों और विभिन्न शाखाओं की एक सभा को संबोधित करते हुए अल्वी ने गोपनीय राजनयिक दस्तावेज लीक करने के मामले में पार्टी के संस्थापक इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को बरी किए जाने पर पीटीआई कार्यकर्ताओं, समर्थकों और पाकिस्तान के लोगों को बधाई दी। साल 2018 में राष्ट्रपति बनने से पहले अल्वी, इमरान खान नीत पार्टी पीटीआई के वरिष्ठ सदस्य थे। खान को सोमवार को तीन हाई-प्रोफाइल मामलों में बरी कर दिया गया, जिसमें गोपनीय राजनयिक दस्तावेज लीक करने का मामला भी शामिल है। यह संकटग्रस्त पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के लिए एक बड़ी राहत है, जिन्हें गोपनीय राजनयिक दस्तावेज लीक करने के मामले में 10 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। पूर्व राष्ट्रपति (74) ने राजनीतिक संकट को हल करने के लिए बातचीत के महत्व को दोहराया और इस बात पर जोर दिया कि सभी हितधारकों को इसमें भाग लेना चाहिए, क्योंकि यह पाकिस्तान की खराब आर्थिक स्थिति में सुधार का एकमात्र रास्ता है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था गंभीर संकट का सामना कर रही है और नकदी की कमी से जूझ रहे इस देश ने अगले राहत पैकेज के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से औपचारिक अनुरोध किया है। अपने संबोधन में अल्वी ने नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की और उस पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन का आरोप लगाया।

भारत के दो हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल कर रहे मालदीव के रक्षा कर्मी: खबर

भाषा। माले

भारत के मालदीव से अपने सैनिकों को वापस बुलाने के कुछ सप्ताह बाद भी, भारत की ओर से मालदीव को उपहार स्वरूप दिए गए दो हेलीकॉप्टरों का नियमित रूप से संचालन किया जा रहा है, जिनमें एमएनडीएफ का एक सैनिक सवार होता है।

अजाजू डॉट कॉम ने एक हवाईअड्डा अधिकारी के हवाले से कहा कि हेलीकॉप्टर उड़ाए जाने पर मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (एमएनडीएफ) का एक सैनिक उनपर मौजूद रहता है। चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने पिछले साल सितंबर में सत्ता में आने पर अपने देश से सभी भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेजने का वादा किया था। 10 मई की तय समयसीमा तक 88 में से अंतिम भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेज दिया गया था। भारत की तरफ से उपहार में दिए गए दो हेलीकॉप्टर और एक डोर्नियर विमान का उपयोग मालदीव में सैकड़ों निकासी और मानवीय मिशनों के लिए किया गया है।

मानव संस्कृति इतनी तेजी से बदल रही है कि विकास उसके साथ तालमेल नहीं बिठा पा रहा

भाषा। न्यूकैसल

शोध से पता चला है कि हमारी कई समकालीन समस्याएं, जैसे मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों की बढ़ती व्यापकता, तेजी से तकनीकी प्रगति और आधुनिकीकरण के कारण उभर रही हैं। एक सिद्धांत जो यह समझाने में मदद कर सकता है कि विकल्पों, सुरक्षा और अन्य लाभों के बावजूद हम आधुनिक परिस्थितियों में खराब प्रतिक्रिया क्यों करते हैं वह है विकास के साथ तालमेल न हो पाना। बेमेल तब होता है जब एक विकसित अनुकूलन, चाहे शारीरिक हो या मनोवैज्ञानिक, पर्यावरण के साथ गलत तरीके से संरेखित हो जाता है। उदाहरण के लिए, पतंगे और रात्रिचर मक्खियों की कुछ प्रजातियाँ लें। चूँकि उन्हें अंधेरे में नेविगेट करना होता है, इसलिए वे दिशा के लिए चंद्रमा का उपयोग करने के लिए विकसित हुए। लेकिन कृत्रिम प्रकाश व्यवस्था के आविष्कार के कारण, कई पतंगे और मक्खियाँ स्ट्रीट लैंप और इनडोर लाइट की ओर आकर्षित होती हैं। इंसानों के लिए भी ऐसा ही होता है. एक उत्कृष्ट उदाहरण हमारा मीठा दांते है, जिसने हमारे पूर्वज मनुष्यों को पोषण की कमी वाले वातावरण में कैलोरी युक्त खाद्य पदार्थों की खोज करने के लिए प्रेरित किया। यह मीठा स्वाद आधुनिक दुनिया से बेमेल हो जाता है जब खाद्य कंपनियां बड़े पैमाने पर परिष्कृत शर्करा और वसा से भरे खाद्य पदार्थों का उत्पादन करती हैं, जिससे गुण भी दुर्गुण बन जाता है। परिणाम दांतों की सड़न, मोटापा और मधुमेह है।आधुनिक दुनिया ऐसी चीजों से भरी हुई है जो हमारी एक बार अनुकूल प्रवृत्ति को गड़बड़ा देती है। उदाहरण के लिए, मानव का विकास लगभग 50 से 150 घनिष्ठ लोगों की खानाबदोश जनजातियों में रहने के लिए हुआ। ऐसी सेटिंग्स में हमारी अनुकूली आवश्यकता अच्छी तरह से काम करती है। हालाँकि, सैकड़ों-हजारों अजनबियों की आबादी वाले बड़े शहरों में, लोग अकेलापन महसूस कर सकते हैं और ऐसा महसूस कर सकते हैं जैसे कि उनके करीबी दोस्त ज्यादा नहीं हैं।अध्ययनों से यह भी पता चला है कि जब सामाजिक जानवरों को भीड़-भाड़ वाली जगहों पर रखा जाता है, तो वे प्रतिस्पर्धी तनाव का अनुभव करते हैं, जिसके शारीरिक स्वास्थ्य पर परिणाम होते हैं, जैसे कि कमजोर प्रतिरक्षा कार्यप्रणाली और प्रजनन क्षमता में कमी। भीड़-भाड़ वाले अध्ययनों में जानवरों की तरह, भीड़-भाड़ वाले शहरों में रहने वाले मनुष्य भी अभूतपूर्व स्तर के तनाव का अनुभव कर सकते हैं और कम बच्चे पैदा कर सकते हैं।

नेट ज़ीरो सिर्फ अच्छा विज्ञान नहीं, आम लोगों के लिए एक अच्छा सौदा भी है

ऑक्सफोर्ड (यूके)। ब्रिटेन के आम चुनाव की ओर बढ़ने के बीच, देश के जलवायु परिवर्तन और कानूनी रूप से बाध्यकारी नेट ज़ीरो लक्ष्य पर गलत सूचना वाली बहस से लोगों के और अधिक विभाजित होने का जोखिम है। यूके में इस बहस का अधिकांश भाग नेट ज़ीरो की लागतों पर केंद्रित है। उदाहरण के लिए, ऊर्जा सचिव क्लेयर कॉटिन्हो ने हाल ही में कहा था कि सरकार देश की शानदार उद्यम अर्थव्यवस्थों को कुचलने के लिए नेट जीरो बोझ नहीं चाहती थी, जबकि लेबर पार्टी की सामर्थ्यों और राजकोषीय नियमों का हवाला देते हुए अपने स्वयं के प्रमुख जलवायु निवेश वादे से पीछे हटना पड़ा।लेकिन वास्तविक लागतों का मूल्यांकन करना मुश्किल है। आज घरों और व्यवसायों द्वारा सामना किए जा रहे तत्काल जीवन-यापन के दबाव के मुकाबले, हम दशकों में होने वाले जलवायु परिवर्तन में निवेश से होने वाले लाभों को कैसे महत्व देते हैं? एक नए अध्ययन में, हम दिखाते हैं कि शुद्ध शून्य और आर्थिक कल्याण प्राप्त करना परस्पर अनन्य लक्ष्य नहीं है। वास्तव में, नेट ज़ीरो को आगे बढ़ाने की अतिरिक्त वार्षिक लागत सकल घरेलू उत्पाद के 0.7% और 1% के बीच है, या प्रति व्यक्ति प्रति सप्ताह 5-7 पाउंड है।इसके विपरीत, अधिक गंभीर जलवायु प्रभावों के रूप में निष्क्रियता की लागत, पहले सकल घरेलू उत्पाद का 1.1% अनुमानित की गई है। यह संख्या बढ़ती ही रहेगी। एक अनुमान के अनुसार ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड के साथ, असुविधाजनक गर्म दिनों में दुनिया की सबसे नाटकीय सापेक्ष वृद्धि (30% की वृद्धि) देखने के लिए तैयार है। कई निवेश होंगे-लागतका अनुमान लगाने के लिए हमारा पहला कदम अतिरिक्त निवेश, या अग्रिम पूंजीगत व्यय को देखना था, जिसकी यूके को अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए हर साल आवश्यकता होगी।

दुनिया के सामने हनुमान की वीरता और ज्ञान को प्रदर्शित करें

ग्लोबल। संकट ते हनुमान छुड़ावे! डिज्नी, हॉटस्टार पर द लेजेंड ऑफ हनुमान के नये सीजन में शक्तिशाली योद्धाओं का मुकाबला देखने के लिये तैयार हो जाइये। रोमांच को बढ़ाते हुए, नये सीजन में कुम्भकरण की राक्षसी शक्ति, इंद्रजीत की घातक योजनाएं और अहिरावण की कुटिलता दिखेगी। इधर हनुमान अपनी शक्तिशाली वानर सेना को एक अभूतपूर्व युद्ध के लिये तैयार करेंगे। इस नये रोमांचक अध्याय की रचना ग्राफिक इंडिया के क्रिएटिव दिग्गज शरद देवराजन और जीवन जे. कांग ने की है। इसमें शरद केलकर ने रावण को अपन दमदार आवाज दी है, जबकि दमन सिंह हनुमान की आवाज बने हैं। इनके साथ और भी कई कलाकार हैं। यह महान गाथा 5 जून से डिज्नी, हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी और हर हफ्ते इसका एक नया एपिसोड आएगा। जब भगवान हनुमान की गाथाएं आपके अस्तित्व को प्रेरित करती हैं, तब यह आपके काम में भी नजर आता है और क्रिएटर तथा एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर शरद देवराजन ने बिलकुल वही किया है! चाहे भारतीय स्पाइडरमैन बनाना हो या नायक हनुमान की महान गाथा लेकर आनी हो, शरद देवराजन ने कहानियों में अपना जुनून डाला है। और डिज्नी हॉटस्टार की द लेजेंड ऑफ हनुमान इसी का प्रमाण है। उन्होंने आगे कहा कि भगवान हनुमान की गाथा मेरे लिये बेहद निजी है। मैं उनकी कहानियाँ पढ़ते-पढ़ते बड़ा हुआ हूँ। और उनकी यात्रा तथा साहसिक कामों ने मेरे बचपन तथा बाद के पूरे जीवन को आकार दिया है। सबसे बड़ी शिक्षा मुझे यह मिली है कि एक नायक को केवल उसकी शारीरिक शक्ति से नहीं आंका जा सकता, उसमें आत्मबल, पौरुष, साहस, आशा और समानुभूति भी होनी चाहिये। हनुमान की असीम शक्ति को भगवान राम की अनन्य भक्ति से संतुलन मिलता है और ऐसी प्रेरणा हम सभी को चाहिये। आखिरकार स्पाडर-मैन को भी समझ में आया था कि 'बड़ी ताकत के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी मिलती है'। और हमारी संस्कृति में भगवान हनुमान हजारों वर्षों से करोड़ों लोगों को यही शिक्षा देते आ रहे हैं!

प्लेसीबो या शैम कोई क्रूर चालबाजी नहीं है- यह बहुत प्रभावी उपचार हो सकता है

लीसेस्टर (यूके)। दस साल पहले, एक स्कैन से पता चला कि मेरे घुटने का मेनिस्कस फट गया है। दर्द बहुत ज़्यादा था और मैं लंगड़ा कर चल रहा था। मेरे डॉक्टर ने इसे ठीक करने के लिए घुटने की आर्थोस्कोपिक सर्जरी की सिफारिश की।ऑपरेशन से डरते हुए मैंने पूछा कि क्या अन्य विकल्प भी है। उन्होंने कहा कि मैं फिजियोथेरेपी की कोशिश कर सकता हूं, लेकिन इसके काम करने की संभावना नहीं है। मैंने फिजियो से संपर्क किया और सुझाए गए व्यायाम लगन से किए और मेरे घुटने का दर्द और कार्यप्रणाली लगभग सामान्य हो गई। मैंने एक साल बाद अपनी पहली (और एकमात्र) मैराथन भी दौड़ी।फिजियो एकमात्र ऐसी चीज़ नहीं है जो आर्थोस्कोपिक घुटने की सर्जरी के समान ही काम कर सकती है। 1990 के दशक में, डॉ. ब्रूस मोसले को ऐसे 180 मरीज़ मिले जिनके घुटनों में इतना गंभीर दर्द था कि उन्हें अपनी कुर्सियों से उठने में परेशानी होती थी। फिर उन्हें या तो असली या दिखावटी (प्लेसीबो) आर्थोस्कोपी दी गई।वास्तविक आर्थोस्कोपी में दर्द निवारक दवाएं देना और क्षतिग्रस्त उपास्थि की मरम्मत के लिए घुटने में एक छोटी धातु की ट्यूब (एक आर्थोस्कोप) डालना और दर्द का कारण बनने वाली ढीली हड्डी के टुकड़ों को निकालना शामिल है।दिखावटी (प्लेसीबो) आर्थ्रोस्कोपी प्रक्रिया में दर्द निवारक दवाएं और उनके घुटनों पर एक छोटा सा कट शामिल होता है, लेकिन कोई आर्थ्रोस्कोप नहीं होता, क्षतिग्रस्त उपास्थि की कोई मरम्मत नहीं होती और हड्डी के ढीले टुकड़ों की कोई सफाई नहीं की जाती।दिखावटी प्रक्रिया प्राप्त करने वाले मरीजों को लगा कि वे असली प्रक्रिया प्राप्त कर रहे है (इसे भ्रमित करना कहा जाता है)। और डॉक्टरों और नर्सों ने वास्तविक सर्जरी की आवाज़ की नकल भी की।मरीजों की अपेक्षाओं को परिणामों को प्रभावित करने से रोकने के लिए उन्हे इसे देखने से रोकना महत्वपूर्ण माना जाता है।सभी मरीज़ों पर दो साल तक निगरानी रखी गई ताकि देखा जा सके कि दर्द बढ़ने से पहले वे कितनी सीढ़ियाँ चढ़ सकते है। परिणाम स्पष्ट थे: दिखावटी प्रक्रिया दर्द और कार्य के लिए उतनी ही अच्छी थी।

दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया के साथ सैन्य समझौता स्थगित करने का फैसला लिया

भाषा। सियोल

दक्षिण कोरिया की सरकार ने उत्तर कोरिया के साथ एक विवादास्पद सैन्य समझौते को निलंबित करने को मंजूरी दे दी है। यह एक ऐसा कदम है जिससे वह उत्तर कोरिया के उकसावे पर सख्त प्रतिक्रिया दे सकेगा।यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब हाल ही में दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच दुश्मनी तेजी से बढ़ी है। इससे पहले दक्षिण कोरिया द्वारा कुछ पर्चे भेजे जाने के जवाब में उत्तर कोरिया ने सीमा पार कचरा ले जाने वाले गुब्बारे उड़ाए थे। मंगलवार को दक्षिण कोरिया की कैबिनेट काउंसिल ने सीमा पर सैन्य तनाव को कम करने के लिए 2018 के अंतर-कोरियाई समझौते को निलंबित करने के उद्देश्य से एक प्रस्ताव पारित किया। सरकारी अधिकारियों के अनुसार यह प्रस्ताव राष्ट्रपति यूं सूक एओल द्वारा हस्ताक्षर किए जाने के बाद औपचारिक रूप से प्रभावी होगा। वे संभवत: मंगलवार देर शाम तक इस पर हस्ताक्षर करेंगे।

दक्षिण कोरिया अवैध बाघ व्यापार से निपटने के लिए एक मॉडल बन सकता है

लंदन। अवैध वन्यजीव व्यापार सभी एशियाई बड़ी बिल्लियों - बाघ, तेंदुए, हिम तेंदुए और एशियाई शेरों के साथ-साथ क्लाउडेड तेंदुए और एशियाई चीता सहित कम ज्ञात प्रजातियों के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक है। इसी कारण से, एशियाई बड़ी बिल्लियाँ अंतरराष्ट्रीय कानून और वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंर्ताष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन के तहत सबसे सख्ती से संरक्षित जानवरों में से कुछ हैं, जिन्हें साइट्स के नाम से जाना जाता है।लेकिन बड़ी बिल्लियों का अवैध व्यापार एक वैश्विक मुद्दा बना हुआ है जो विभिन्न प्रकार के देशों को प्रभावित करता है। और, चिंताजनक बात यह है कि इसका विकास जारी है।

चंद्रमा की सुदूर सतह से पत्थर, मिट्टी के नमूने लेकर रवाना हुआ चीन का अंतरिक्षयान

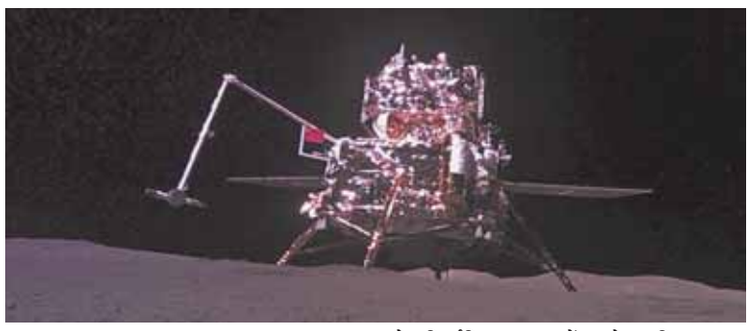

भाषा। बीजिंग

चीन का कहना है कि चंद्रमा के सुदूर हिस्से से पत्थर और मिट्टी के नमूने लेकर एक अंतरिक्षयान चंद्र सतह से वापस पृथ्वी पर आने के लिए रवाना हो गया है। चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन ने कहा कि चांग ई-6 अंतरिक्षयान के एसेंडर ने बीजिंग के समयानुसार मंगलवार को सुबह उड़ान भरी और उसने चंद्रमा के पास पहले से निर्धारित कक्षा में प्रवेश किया। इस अंतरिक्षयान को पिछले महीने प्रक्षेपित किया गया था और इसका लैंडर रविवार को चंद्रमा की एक सुदूर सतह पर उतरा। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने अंतरिक्ष एजेंसी के हवाले से बताया कि अंतरिक्षयान ने योजना के तहत यान के एसेंडर के अंदर रखे एक कंटेनर में नमूने एकत्रित किए। इस कंटेनर को एक री-एंट्री कैप्सूल में रखा जाएगा जो 25 जून के आसपास चीन के आंतरिक मंगोलिया क्षेत्र के रेगिस्तान में पृथ्वी पर उतरेगा।

अमेरिका: सैन फ्रांसिस्को में इजराइली मिशन की इमारत से फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

भाषा। सैन फ्रांसिस्को

सैन फ्रांसिस्को में इजराइली वाणिज्य दूतावास की इमारत की लॉबी में घुसे फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारियों को सोमवार को पुलिस ने गिरफ्तार किया। हालांकि, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया, लेकिन एसोसिएट प्रेस के संवाददाताओं ने पुलिस को लगभग 50 लोगों को अपने साथ ले जाते हुए देखा। अधिकारी उन्हें पुलिस वैन में बैठाकर वहां से ले गए। सोमवार को फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारियों का एक समूह इमारत में घुस गया और कई घंटों तक वहां रहा। प्रदर्शनकारियों ने इमारत के मुख्य द्वार पर इजराइल-हमास युद्ध को रोकने का आह्वान करते हुए पोस्टर लगाए। सैन फ्रांसिस्को पुलिस विभाग ने एक बयान में कहा कि पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को कई बार चेतावनी दी और उन्हें वहां से चले जाने को कहा, लेकिन इसके बाद वे आगे बढ़ते रहे, जिसके बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। इजराइल के महावाणिज्यदूत मार्को सेरमोनेटा ने कहा कि प्रदर्शनकारी सुबह करीब नौ बजे फाइनेंशियल डिस्ट्रिक की इमारत के पास एकजुट हुए, लेकिन वाणिज्य दूतावास के कार्यालयों में प्रवेश नहीं कर सके।

हमें उन लोगों के प्रति अधिक सहानुभूति है जो हमारे जैसे हैं !

भाषा। बाथ

नए शोध के अनुसार यह आसान नहीं

लोग उन लोगों के साथ सफलतापूर्वक कैसे बातचीत करते हैं जो उनसे बिल्कुल अलग हैं? और क्या ए मतभेद सामाजिक बाधाएँ पैदा कर सकते हैं? सामाजिक वैज्ञानिक इन सवालों से जूझ रहे हैं क्योंकि सामाजिक अंत:क्रियाओं में अंतर्निहित मानसिक प्रक्रियाओं को अच्छी तरह से नहीं समझा गया है। एक हालिया अवधारणा जो तेजी से लोकप्रिय हो गई है वह है 'दोहरी-सहानुभूति समस्यौ। यह उन लोगों पर किए गए शोध पर आधारित है जो सामाजिक कठिनाइयों का अनुभव करने के लिए जाने जाते हैं, जैसे कि ऑटिस्टिक लोग। सिद्धांत का प्रस्ताव है कि जिन लोगों की पहचान और संचार शैली एक-दूसरे से बहुत भिन्न होती है - जो अक्सर ऑटिस्टिक और गैर-ऑटिस्टिक लोगों के लिए मामला होता है - उन्हें एक-दूसरे के साथ सहानुभूति रखना कठिन हो सकता है। इस दो-तरफ़ा कठिनाई से उनका तात्पर्य दोहरी-सहानुभूति समस्या से है। इस विचार को बहुत तवज्जो मिल रही है. पिछले एक दशक में दोहरी-सहानुभूति समस्या पर शोध तेजी से बढ़ा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इसमें यह समझाने की क्षमता है कि समाज में अलग-अलग लोग एक-दूसरे के साथ सहानुभूति रखने के लिए संघर्ष क्यों कर सकते हैं, जिससे संभावित रूप से व्यक्तिगत और सामाजिक समस्याएं पैदा हो सकती हैं, जिसमें ख़राब मानसिक स्वास्थ्य से लेकर अंतर-समूह तनाव और प्रणालीगत नस्लवाद तक शामिल है।लेकिन क्या यह विचार सटीक है? हमारा हालिया पेपर बताता है कि चीजें इससे कहीं अधिक जटिल हो सकती हैं।2012-2022 के बीच एक शब्द के रूप में डबल सहानुभूति सहित गूगल स्कॉलर पर शोध पत्रों की संख्या दिखाने वाला ग्राफ़।हमारा विश्लेषण बताता है कि दोहरे सहानुभूति सिद्धांत में कई कमियाँ हैं। यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि दोहरी सहानुभूति की बहुत अस्पष्ट अवधारणा को लेकर व्यापक भ्रम है। शोध में विभिन्न समूहों के बीच सहानुभूति को प्रभावित करने वाले अन्य सामाजिक पहचान कारकों, जैसे लिंग पर विचार किए बिना ऑटिज़्म में सामाजिक कठिनाइयों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।सिद्धांत सहानुभूति के मनोवैज्ञानिक तंत्रिका विज्ञान को भी शामिल करने में विफल रहता है। इसके बजाय, यह सहानुभूति की अवधारणा को भ्रमित करता है - अर्थात, मनोवैज्ञानिक रूप से उन भावनाओं को महसूस करना जो अन्य लोग महसूस कर रहे हैं - समान लेकिन अलग-अलग घटनाओं के साथ, जैसे 'मानसिक करणै (यह समझना कि लोग एक अलग दृष्टिकोण से क्या सोच रहे हैं) ।चूँकि दोहरा-सहानुभूति सिद्धांत अच्छी तरह से विकसित नहीं हुआ है, इसलिए इसका परीक्षण करने वाले अधिकांश प्रयोग उलझे हुए हैं। कई शोधकर्ता दोहरी सहानुभूति का अध्ययन करने का दावा करते हैं जब वे सहानुभूति को मापते नहीं हैं। इस बीच, इस सिद्धांत का परीक्षण करने के लिए कभी तैयार नहीं होने के बावजूद अन्य अध्ययनों को दोहरी सहानुभूति के सबूत के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। दोहरे-सहानुभूति अनुसंधान ने भी लोगों के अनुभवों की व्यक्तिपरक रिपोर्ट (विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन के बजाय) पर बहुत अधिक भरोसा किया है, जो पूरी कहानी नहीं बता सकती है। कुल मिलाकर, मौजूदा शोध के विश्लेषण से संकेत मिलता है कि दोहरे सहानुभूति सिद्धांत का केंद्रीय दावा अच्छी तरह से समर्थित नहीं है। यानी, अन्य लोगों के समान पहचान होने का मतलब यह नहीं है कि आपके मन में उनके लिए अधिक सहानुभूति है। यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

विफलता का डर भौतिकविदों की अंतिम उत्तर की खोज में बाधा

भाषा। मैनचेस्टर

अल्बर्ट आइंस्टीन, मैक्स प्लैंक और अन्य लोगों के साथ भौतिकी के तूफानी दौर को शुरू हुए एक सदी से अधिक समय हो गया है, जिसने हमें हमारे पहले से व्यवस्थित ब्रह्मांड से अराजकता की एक नई दुनिया में भेज दिया है। भौतिकविदों की इस प्रतिभाशाली पीढ़ी ने अंतत: ब्रह्मांड की परतों के साथ-साथ परमाणु की भी परतें उधेड़ दीं, ताकि कल्पना से भी अधिक अजनबी दुनिया सामने आ सके।परमाणुओं और कणों के सूक्ष्म जगत पर शासन करने वाले क्वांटम यांत्रिकी सिद्धांत के शुरुआती दिनों से ही, भौतिकी के पवित्र गुरु हर चीज का एक सिद्धांत ढूंढ रहे हैं - क्वांटम यांत्रिकी को आइंस्टीन के सामान्य सापेक्षता के सिद्धांत के साथ जोड़ा जाना, जो बड़े पैमाने पर ब्रह्मांड पर लागू होता है।लेकिन हमारे पास अभी भी हर चीज़ का आजमाया हुआ और परखा हुआ सिद्धांत नहीं है। और मेरा मानना है कि असफलता का डर समस्या का एक बड़ा हिस्सा है।हर चीज़ का एक सिद्धांत बनाना बिल्कुल आसान नहीं है। इसमें हमारे ब्रह्मांड की मूलभूत शक्तियों को एकजुट करने वाले एक ढांचे का निर्माण करना शामिल है, जबकि सभी अंतर्निहित स्थिरांक और मात्राओं के साथ-साथ प्रत्एक उप-परमाणु कण का भी हिसाब-किताब किया जाता है। इस अंतिम प्रश्न का उत्तर देने वाले के लिए पुरस्कार मानव जाति के इतिहास में शाश्वत गौरव है।आइंस्टीन की पीढ़ी में इसे हल करने की बहुत भूख थी। वास्तव में, आइंस्टीन ने अपनी अंतिम सांस तक हर चीज़ के एक सिद्धांत पर काम किया - वह काम जिसके लिए अंतत: उनका उपहास किया गया। आइंस्टीन का भौतिकी में योगदान इतना महान था कि वह आज भी सुपरस्टार बने हुए हैं। लेकिन भौतिक विज्ञानी आर्थर एडिंगटन, हरमन वेइल और गणितज्ञ डेविड हिल्बर्ट इतने भाग्यशाली नहीं थे, कुछ को तो बहुत बुरे परिणामों का सामना करना पड़ा।

फारूकी, गुरबाज व जदरान का दम जीता अफगानिस्तान

● टी-20 वर्ल्ड कप : युगांडा को 125 रन से हराया

भाषा। प्रोविडेंस (गुयाना)

तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी के पांच विकेट और रहमानुल्लाह गुरबाज तथा इब्राहिम जदरान के बीच पहले विकेट की शतकीय साझेदारी की मदद से अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप के पहले मैच में युगांडा को 125 रन से हराया। कोलकाता नाइट राइडर्स के सलामी बल्लेबाज गुरबाज ने 45 गेंद में 76 रन बनाए जबकि जदरान ने 46 गेंद में 70 रन की पारी खेली। दोनों ने पुरूषों के टी20 विश्व कप में पहले विकेट के लिए सर्वोच्च 154 रन की साझेदारी की जिसकी मदद से अफगानिस्तान ने पांच विकेट पर 183 रन बनाए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फारूकी ने चार ओवर में नौ रन देकर पांच विकेट लिए। विश्व कप में पहली बार उतरी युगांडा की टीम 16 ओवर में 58 रन पर आउट हो गई। फारूकी दो बार हैट्रिक लेने के करीब पहुंचे थे। पहली गेंद पर चौका पड़ने के बाद उन्होंने बेहतरीन इनस्विंगर पर रौनक पटेल को आउट किया। इसके बाद रोजर मुकासा पगबाधा आउट हो गए। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेल चुके फारूकी ने 13वें ओवर में तीन और विकेट लेकर टी20 क्रिकेट में कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने रियाजत अली शाह को बोल्ड किया और युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा को गुरबाज के हाथों लपकवाया। वह हैट्रिक से चूक गए लेकिन ओवर की आखिरी गेंद पर एक और विकेट लिया। इससे पहले अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाजों ने आक्रामक शुरुआत की। गुरबाज ने पारी की दूसरी ही गेंद पर छक्का जड़ा। जदरान ने दिनेश नकरानी के छठे ओवर में लगातार चार चौके लगाए। पावरप्ले के आखिर में अफगानिस्तान ने 11 रन प्रति ओवर की दर से रन बना डाले थे। गुरबाज ने चार चौके और चार छक्के लगाए और अपना अर्धशतक सिर्फ 28 गेंद में पूरा किया। जदरान ने नौ चौके और एक छक्का जड़ा। ऐसा लग रहा था कि दोनों पूरे 20 ओवर खेल जाएंगे लेकिन युगांडा के गेंदबाजों ने वापसी की और उन्हें 200 रन के भीतर रोक दिया। अफगानिस्तान का सामना अब न्यूजीलैंड से होगा।

आयरलैंड के खिलाफ मिशन विश्व कप का आगाज करेगी टीम इंडिया

भाषा। न्यूयॉर्क

आलोचक भले ही उन्हें नई बोतल में पुरानी शराब कहें लेकिन भारत के सुपरस्टार क्रिकेटर बरसों से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाने का मलाल मिटाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखना चाहेंगे और अपने इस मिशन की शुरूआत टी20 विश्व कप में बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच के जरिए करेंगे। भारतीय टीम में अभी भी कई अनसुलझे सवाल हैं मसलन यहां ड्रॉप इन पिच पर टीम संयोजन क्या रहेगा। अभी तक यहां हुए मैचों से स्पष्ट है कि इंडियन प्रीमियर लीग की तरह यहां रनों का अंबार नहीं लगने जा रहा है। उससे भी बड़ी चिंता खिताब के प्रबल दावेदार का ठप्पा है। रोहित शर्मा और विराट कोहली तो विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रह चुके हैं लेकिन जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा जैसे दशकों में एक माने जाने वाले क्रिकेटरों ने अभी तक खिताब नहीं जीता है और वे इसके लिए बेताब हैं। भारतीय क्रिकेट टीम 1982 और 1986 की ब्राजील फुटबॉल टीम की तरह नहीं बनना चाहती जब सुकरात, जिको, कारेका, फाल्काओ और अलेमाओ जैसे सितारे भी फीफा विश्व कप नहीं जीत सके थे। पिछले इसाल वनडे विश्व कप फाइनल के बाद नरेंद्र मोदी स्टेडियम के ड्रेसिंग रूम की सीढ़ियां चढते हुए कप्तान रोहित शर्मा अपने आंसू नहीं छिपा सके थे। वहीं 765 रन बनाने वाले कोहली के चेहरे पर भी उदासी साफ देखी जा सकती थी। कई बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मिलकर सर्वश्रेष्ठ टीम नहीं बना पाते। भारत ने अपने अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि यही टीम कई बार आखिरी दो तिलिस्म नहीं तोड़ सकी है। सैतीस बरस के रोहित का यह आखिरी विश्व कप है और यह लगभग तय है कि वह भारत में होने वाले अगले टी20 विश्व कप और दक्षिण अफ्रीका में 2027 में होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप तक नहीं खेलेंगे। दूसरी ओर आयरलैंड की टीम में पॉल स्टर्लिंग, जोश लिटिल, हैरी टेक्टर, एंडी बालबर्नी जैसे अच्छे टी20 क्रिकेटर हैं।

आईपीएल की सफलता के बाद टी20 में फॉर्म दशक में सर्वश्रेष्ठ : कमिंस

ब्रिजटाउन। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग मे सफलता के बाद वह टी20 विश्व कप मे पिछले एक दशक मे अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म मे है। कमिंस शनिवार को ब्रिजटाउन पहुंचे। उनकी कप्तानी मे सनराइजर्स हैदराबाद आईपीएल मे फाइनल तक पहुंची थी। कमिंस ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा , शायद मै दस साल मे अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म मे हूं। आस्ट्रेलिया के टेस्ट और वनडे कप्तान कमिंस ने कभी वेस्टइंडीज मे नही खेला है। उन्हे आईपीएल के अपने अनुभव के दम पर अच्छे प्रदर्शन का यकीन है। उन्होने कहा , हमने आईपीएल मे लगातार 17 मैच खेले। टी20 क्रिकेट मे दूसरे प्रारूपों की तुलना मे सटीक यॉर्कर या धीमी गेंदो की अधिक जरूरत होती है और मैने इस प्रारूप मे अच्छी गेंदबाजी की है। टी20 गेंदबाजी में आपके गेंद डालने का सीक्वेंस सोचकर रखना अहम होता है।

श्रीलंका के क्रिकेटरों ने टी20 विश्व कप में अपने शेड्यूल की आलोचना की

न्यूयॉर्क। श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा और स्पिनर महीष तीक्षणा ने टी20 विश्व कप मे अपनी टीम के मैचों के शेड्यूल को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा है कि यह काफी अनुचित है और लंबी यात्राओ के कारण उन्हे एक अभ्यास सत्र रद्द करना पड़ा है। श्रीलंका को ग्रुप डी के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका ने हराया। तीक्षणा ने अपनी टीम के मैचों के कार्यक्रम की आलोचना करते हुए कहा कि इसका टीम पर नकारात्मक असर पड़ा है। उन्होने कहा , यह गलत है। हमे हर मैच के बाद यात्रा करनी पड़ रही है क्योंकि हम चार अलग अलग मैदानो पर खेल रहे हैं। उन्होंने कहा , हमने फ्लोरिडा से , मियामी से उड़ान ली और आठ घंटे हवाई अड्डे पर इंतजार करना पड़ा। हमे रात आठ बजे निकलना था लेकिन सुबह पांच बजे उड़ान ली। यह अनुचित है लेकिन खेलते समय यह मायने नही रखता। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका को दो और मैच यहां खेलना है जबकि भारतीय टीम तीन मैच यहां खेलेगी। तीक्षणा ने कहा , होटल से अभ्यास स्थल भी एक घंटे 40 मिनट का रास्ता है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच से पहले भी हमे सुबह पांच बजे उठना पड़ा। तीक्षणा ने नाम नही लिया लेकिन कहा कि कुछ टीमो को एक ही स्थान पर खेलना है और उनका होटल मैदान से 14 मिनट का ही रास्ता है।

कोच के रूप ब्रावो को शामिल करना शानदार कदम: ट्रॉट

प्रोविडेंस (गयाना)। अफगानिस्तान के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट ने मंगलवार को कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप के लिए ड्वेन ब्रावो को गेंदबाजी कोच के रूप मे टीम के साथ जोड़ना काफी अच्छा रहा क्योंकि वेस्टइंडीज के इस पूर्व क्रिकेटर ने उनका काम आसान कर दिया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी के नौ रन पर पांच विकेट के अलावा रहमानुल्लाह गुरबाज (76) और इब्राहिम जादरान (70) के अर्धशतक और दोनो के बीच पहले विकेट की ठोस सोझदारी से अफगानिस्तान ने युगांडा को यहां 125 रन से हराया। अफगानिस्तान की जीत के बाद मीडिया से बात करते हुए ट्रॉट ने ब्रावो को श्रेय दिया जो उनके अनुसार टीम के गेंदबाजों के रवैए में बदलाव लाए। ट्रॉट ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस मे कहा, डीजे (ड्वेन ब्रावो) का टीम से जुड़ना शानदार रहा। खिलाड़ी के रूप मे काफी अनुभव रखने वाले बेहतरीन कोच का होना (बहुत बढ़िया है) जबकि इस प्रारूप में उसे फ्रेंचाइजी क्रिकेट का भी काफी अनुभव है। उनके जैसे खिलाड़ी के कोच के रूप में टीम से जुड़ने से आपका काम बहुत आसान हो जाता है और इससे इससे कोचिंग भी बेहतर होती है, विशेषकर गेंदबाजों के साथ। युगांडा की टीम 16 ओवर मे 58 रन पर आउट हो गई।

स्पोर्ट्स वेलफेयर एवं ओमी बास्केटबॉल अकादमी जीती

लखनऊ। स्पोर्ट्स वेलफेयर फाउन्डेशन द्वारा 28 मई से 2 जून तक क्राइस्ट चर्च कॉलेज में बास्केटबाल एवं वालीबॉल द्वितीय फाउंडेशन कप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्पोर्ट्स वेलफेयर फाउन्डेशन स्पोर्टस अकादमी एवं ओमी बास्केटबॉल अकादमी की टीमों ने फाइनल मैचों में विजेता का स्थान प्राप्त किया। बेस्ट प्लेयर पुरस्कार दिव्यांशी शर्मा , शिवान सिद्दिकी को दिया गया । वालीबॉल में यसआर ग्लोबल स्कूल बालक वर्ग में विजेता रहा बालिका वर्ग में जीजीआईसी कॉलेज ने विजेता स्थान अर्जित किया। फाउन्डेशन की ओर से सभी 200 खिलाडियों को टी-शर्ट प्रदान की गयी। स्पोर्टस वेलफेयर फाउन्डेशन के संस्थापक आलोक कुमार शुक्ला द्वारा नूरा अनाहत और आरना के भारतीय ऐरोबिक्स टीम में चयनित होंने पर सम्मानित किया गया एवं हर सम्भव मदद करने का आश्वासन दिया। संस्थापक आलोक कुमार शुक्ला, सचिव महर्षि दूबे,महिला उपाध्यक्ष अवंतिका रावत, कोषाध्यक्ष प्रकाश चौबे, चेयरमैन टेक्निकल कमिटी अभिनव सिंह,सदस्य . आलोक दूबे, हर्षित, ऐश्वर्य, आशीष, शुभम, दिव्यांशी, एकता,योगेश, सत्यम सभी ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए प्रतियोगिता के समापन की घोषणा की और सभी खेल प्रेमियों को यह विश्वास दिलाया कि स्पोर्टस वेल्फेयर फाउन्डेशन खेलो के विकास हेतु हर संभव प्रयास करती रहेगी।

मैन ऑफ प्लेटिनम: क्रिकेट के लिए आपकी मार्गदर्शिका

नई दिल्ली। क्रिकेट का नया सीजन लेकन आ रहा है, नया जोश और जुनून! इस अवसर पर अपनी पसंदीदा टीम का उत्साह बढ़ाने के लिए अपना लुक लेटेस्ट मेन ऑफ प्लेटिनम कलेक्शन से स्टेटमेंट पीसेज द्वारा आकर्षक बनाएं। दुनिया का सबसे बहुमूल्य और दुर्लभ मैटल, प्लेटिनम पूरे विश्व में कुछ ही स्थानों पर पाया जाता है, जिसके कारण यह एक एक्सक्लुसिव विकल्प है। अपनी चमक और टिकाऊ होने के साथ यह हाई-एनर्जी स्टाईल के लिए परफेक्ट है। स्टैंड में खड़े होकर टीम का उत्साह बढ़ाना हो या फिर दोस्तों के साथ मिलकर मैच देखना हो, या अपने नजदीकी स्पोर्ट्स बार में जाकर मैच की स्क्रीनिंग देखनी हो, प्लेटिनम ज्वेलरी हर अवसर पर आपके परिधान को ज्यादा उच्च और आकर्षक बना देती है। प्लेटिनम ज्वेलरी में स्लीक चेन से लेकर बोल्ड रिस्टवियर और स्टेटमेंट रिंग्स शामिल हैं, जो आपके लुक को आधुनिक शान-ओ-शौकत और सादगी प्रदान करते हैं। मैन ऑफ प्लेटिनम का लेटेस्ट कलेक्शन नेकवियर, रिस्टवियर, और रिंग्स के विस्तृत विकल्प प्रदान करता है, जो मेंस ज्वेलरी के ग्लोबल ट्रेंड्स से प्रेरित है। 95 प्रतिशत शुद्ध प्लेटिनम से बना इस ज्वेलरी का हर डिजाईन विभिन्न आउटफिट्स के साथ अनेक तरीकों से पहना जा सकता है। प्लेटिनम के मौलिक गुणों के अनुरूप इस कलेक्शन में जटिल विस्तार, कटाव और अलंकरण के साथ बनी क्लीन और बोल्ड लाईंस तथा विशिष्ट प्रतीक, ठोस रूप में क्रेस्ट, और एयरोडायनामिक एलिमेंट्स हैं।

बॉथम से घोष तक, आजाद की विरोधियों को हैरान करने की क्षमता बरकरार

नई दिल्ली। दिलीप घोष अगर अपनी हार से स्तब्ध हो तो उन्हे चार दशक पुराना इयान बॉथम का वीडियो देखना चाहिए जो अपना विकेट गंवाने के बाद उनसे भी अधिक हैरान थे। लंदन के ओवल की 22 गज की पिच हो या औद्योगिक शहर बर्धमान-दुर्गापुर का राजनीतिक मैदान, कीर्ति आजाद की दिग्गजो को छकाने की क्षमता लाजवाब है। आजाद ने 137981 मतो से राज्य के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के सबसे वरिष्ठ नेताओ में से एक को उस निर्वाचन क्षेत्र मे हराया जो उनके लिए उस समय बिल्कुल भी परिचित नही था जब उन्हे पहली बार तृणमूल कांग्रेस का उम्मीदवार घोषित किया गया था। उन्होने अंततः 720667 मत हासिल करके लोकसभा सदस्य के रूप मे शान से वापसी की। ओवल मे आजाद ने नीची रहती गेंद पर बॉथम को बोल्ड किया था और उस समय दुनिया के नंबर एक ऑलराउंडर के चेहरे पर हताशा साफ देखी जा सकती थी।

जेब्युर को हराकर गॉफ फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में

भाषा। पेरिस

अमेरिका की कोको गॉफ ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मंगलवार को यहां फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में ओन्स जेब्युर को हराकर लगातार तीसरी बार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पिछले साल सितंबर में अमेरिकी ओपन के रूप में पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाली गॉफ ने आठवीं वरीय जेब्युर को 4-6, 6-2, 6-3 से हराया। अमेरिकी ओपन के बाद गॉफ ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के भी अंतिम चार में जगह बनाई थी। वर्ष 2022 की उप विजेता 20 साल की गॉफ को रोलां गैरो पर तीसरी वरीयता दी गई है। गॉफ ने मैच के बाद कहा, वह पूरे मैच में काफी अच्छा खेली। वह काफी विनर्स मेरे शरीर की तरफ लगा रही थी जिसकी मुझे आदत नहीं है। इसलिए आज मैंने अंत में आक्रामक होकर खेलने का प्रयास किया। जेब्युर की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, वह कड़ी प्रतिद्वंद्वी है और टूर पर लोग उनसे काफी प्यार करते हैं। मैं आज दर्शकों से कह सकती हूं कि मुझे पता है कि आप लोग चाहते हैं कि वह जीते। ईमानदारी से कहूं तो जब भी वह मेरे खिलाफ नहीं खेल रही होती तो मैं भी उसकी हौसलाअफजाई करती हूं। गॉफ की सेमीफाइनल में भिड़ंत शीर्ष वरीय ईगा स्वियातेक से हो सकती है जिन्होंने पेरिस में पिछले चार में से तीन खिताब जीत हैं। स्वियातेक ने ही 2022 में फाइनल में गॉफ को हराया था। स्वियातेक को मंगलवार को ही क्वार्टर फाइनल में 2023 की विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा से भिड़ना है।

नोवाक जोकोविच दाहिने घुटने में चोट के कारण फ्रेंच ओपन से हटे

पेरिस। नोवाक जोकोविच दाहिने घुटने मे चोट के कारण मंगलवार को फ्रेंच ओपन से हट गए, जिससे खिताब के बचाव के मौके के साथ रैंकिंग मे शीर्ष स्थान को भी गंवा देंगे। फ्रेंच ओपन के आयोजकों ने बताया कि जोकोविच के दाहिने घुटने के मीडियल मेनिस्कस मे चोट है। इस चोट की गंभीरता का पता एमआरआई जांच के दौरान चला। जोकोविच को यह चोट विश्व रैंकिंग मे 23वे स्थान के खिलाड़ी फ्रांसिस्को सेरुंडोलो के खिलाफ चौथे दौर में साढ़े चार घंटे से अधिक समय तक चले मैच के दौरान लगी थी। चौबीस बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को बुधवार को क्वार्टर फाइनल मे दो बार के फ्रेंच ओपन उपविजेता कैस्पर रूड से मुकाबला करना था। रूड को अब वॉकओवर मिल गया है और सेमीफाइनल मे उनका सामना रैंकिंग मे चौथे स्थान पर काबिज अलेक्जेंडर ज्वेरेव या 11वे स्थान के खिलाड़ी एलेक्स डी मिनौर से होगा।

बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के लिए बालाजी को अपना जोड़ीदार चुना

नई दिल्ली। दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने फ्रेंच ओपन में अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले एन श्रीराम बालाजी को पेरिस ओलंपिक के लिए अपना जोड़ीदार चुना है और अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) के इस अनुभवी खिलाड़ी की पसंद पर आपत्ति जताने की संभावना नहीं है। बोपन्ना ने एआईटीए को ईमेल लिखकर अपने फैसले की जानकारी दी। इस ईमेल को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) को भी भेजा गया है। एआईटीए ने भी इसकी पुष्टि की है। बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार एमए रेएस-वारेला मार्टिनेज को सोमवार को फ्रेंच ओपन के पुरुष युगल के तीसरे दौर में बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन को कड़ी चुनौती देने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा। बालाजी ने अच्छी सर्विस करने के अलावा बेसलाइन और नेट पर अपने खेल से प्रभावित किया जिसके बाद बोपन्ना ने फैसला किया कि वह अगले महीने ओलंपिक पदक जीतने के अपने अंतिम अभियान के दौरान जब रोलां गैरो पर लौटेंगे तो कोयंबटूर का यह खिलाड़ी उनका जोड़ीदार होगा। बोपन्ना रियो खेलों के दौरान ओलंपिक पदक जीतने के करीब पहुंचे थे लेकिन उनकी और सानिया मिर्जा की जोड़ी को मिश्रित युगल के कांस्य पदक के मुकाबले में राडेक स्टेपनेक और लूसी हरादेका की चेक गणराज्य की जोड़ी के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा था। बोपन्ना ने पेरिस से पीटीआई को बताया, मैंने एआईटीए को एक ईमेल भेजा है।

लक्ष्य और प्रियांशु दूसरे दौर में

भाषा। जकार्ता

भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और उनके हमवतन प्रियांशु राजावत ने मंगलवार को यहां अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराकर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई। लक्ष्य ने पहले दौर में सिर्फ 40 मिनट में जापान के केंटा सुनेयामा को 21 -12, 21-17 से हराया जबकि प्रियांशु ने ऑल इंडियन मुकाबले में हमवतन एचएस प्रणय को 21-17, 21-12 से हराया। फ्रेंच ओपन और आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचकर ओलंपिक क्वालीफिकेशन हासिल करने वाले सेन का सामना अब जापान के केंटा निशिमोतो से होगा जिन्होंने इंडोनेशिया के सातवीं वरीयता प्राप्त एंथोनी सिनिसुका गिंटिंग को 17-21, 21-11, 21-8 से हराकर उलटफेर किया। प्रियांशु अगले दौर में थाईलैंड के आठवें कुनलावुत वितिदसार्न से भिड़ेंगे। भारत के किरण जॉर्ज को चीन के हांग यांग वेंग के हाथों 21-11, 10-21, 20-22 से पराजय झेलनी पड़ी। मिश्रित युगल में भारत के बी सुमीत रेड्डी और सिक्की रेड्डी ने अमेरिका के विंसन चियू और जेनी गेइ को 18-21, 21-16, 21-17 से हराया। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के सि वेइ झेंग और कियोंग हुआंग तथा इंडोनेशिया के रेहान नौफाल कुशारजांतो और लिसा आयु कुसुमवती के बीच होने वाले मैच की विजेता जोड़ी से होगा।

नॉर्वे शतरंज : प्रज्ञानानंदा ने लिरेन को हराया

स्टावेंजर (नॉर्वे)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन के खिलाफ आर्मोगेडोन पर मिली हार का बदला चुकता करते हुए नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में जीत दर्ज की हालांकि इससे पहले चीनी खिलाड़ी ने मजबूत स्थिति में पहुंचकर खुद गलतियां की थी जो उन पर भारी पड़ी। पहला मुकाबला ड्रॉ रहा और प्रज्ञानानंदा ने आर्मागेडोन में बाजी मारी। नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने अमेरिका के हिकारू नकामूरा के खिलाफ धीमी शुरूआत की और आर्मागेडोन में हार गए। वहीं फ्रांस के फिरोजा अलीरजा ने अमेरिका के फेबियानो कारूआना को हराया। अभी टूर्नामेंट के तीन दौर बाकी हैं और कार्लसन 13 अंक लेकर शीर्ष पर हैं। नकामूरा उनसे आधा अंक पीछे हैं। प्रज्ञानानंदा 11 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं जबकि अलीरजा उनसे डेढ अंक पीछे हैं।

विहारी को एसीए से अनापत्ति प्रमाण पत्र मिला

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज हनुमा विहारी को राज्य संघ से मतभेद के बाद आखिरकार आंध्र क्रिकेट संघ (एसीए) से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिल गया। मार्च में इस टेस्ट क्रिकेटर ने संघ पर उन्हें कप्तानी से हटाने का आरोप लगाया था और राज्य के लिए फिर से नहीं खेलने की बात कही थी जिसके बाद एसीए ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था। एक्स पर एक पोस्ट में विहारी ने लिखा कि वह पिछले दो महीनों से एनओसी मांग रहे थे।

गंभीर चतुर रणनीतिकार हैं, भारतीय टीम के लिए अच्छे कोच साबित होंगे: राजपूत

मुंबई। भारत के पूर्व कोच लालचंद राजपूत का मानना है कि गौतम गंभीर भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए सही उम्मीदवार हैं क्योंकि वह एक चतुर रणनीतिकार के साथ ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जिसने दो बार विश्व कप का खिताब जीता है। गंभीर ने आधिकारिक तौर पर भारत के कोच पद के लिए आवेदन किया है या नहीं इस बारे में पुष्ट जानकारी नहीं है लेकिन यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वह टी20 विश्व कप के बाद राहुल द्रविड़ की जगह ले सकते हैं। भारत के मुख्य कोच के पद के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 27 मई को समाप्त हो गई है। भारतीय टीम ने राजपूत के कोच रहते 2007 में टी20 विश्व कप जीता था। उन्होंने मंगलवार को पीटीआई-भाषा से कहा, गंभीर पूरी तरह से काम के प्रति समर्पित रहते हैं। उन्होंने कड़ी मेहनत से क्रिकेट खेला है और वह खेल को अच्छी तरह से समझते है। यह केकेआर (कोलकाता नाइट राइडर्स) के लिए भी देखा गया है। राजपूत ने आईपीएल में केकेआर की सफलता का जिक्र करते हुए कहा, केकेआर पिछले साल भी यही टीम थी। इस साल टीम में आए बदलाव को आप महसूस कर सकते है। गंभीर एक चतुर राण्नीतिज्ञ भी हैं। आगामी मध्य प्रदेश टी20 लीग (एमपीटी20) में जबलपुर लायंस के क्रिकेट निदेशक राजपूत ने कहा कि दो बार के विश्व कप विजेता भारतीय खिलाड़ी के रूप में गंभीर का अनुभव भी टीम के काम आएगा। उन्होंने कहा, गंभीर ने एक खिलाड़ी के रूप में दो विश्व कप जीते हैं। वह एक अच्छे उम्मीदवार हैं, लेकिन यह सब बीसीसीआई पर निर्भर करता है कि वे किसे चाहते हैं। मेरी समझ से गंभीर भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए सही उम्मीदवार होंगे।

म्यूनिख विश्व कप में ईशा छठे स्थान पर

म्यूनिख। निशानेबाज ईशा सिंह म्यूनिख मे चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप की महिला 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में छठे स्थान पर रही जिससे प्रतियोगिता मे भारत का पहले पदक का इंतजार जारी रहा। ईशा ने फाइनल में 20 अंक जुटाए। फ्रांस की कैमिली जेद्रेवस्की ने स्वर्ण पदक जीता।कैमिली ने खिताब की दौड़ मे जर्मनी की डोरीन वेनेकैंप को पछाड़ा। विजेता का फैसला करने के लिए दो शूट ऑफ का सहारा लेना पड़ा। दोनो निशानेबाज 10 सीरीज के बाद 40 अंक के साथ बराबर थी। फाइनल्स की मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक कोरिया की किम एजी 35 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रही। टूर्नामेंट मे लगातार दूसरी स्पर्धा के फाइनल मे भारतीय निशानेबाज छठे स्थान पर रही। इससे पहले सोमवार को रमिता ने भी महिला 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा मे छठा स्थान हासिल किया।

ग्रैंडमास्टर एरिगेसी फिडे रेटिंग में विश्व में शीर्ष पांच में

नई दिल्ली। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने फ्रेंच टीम शतरंज चैम्पियनशिप मे शानदार प्रदर्शन करके फिडे रेटिंग मे पांचवां स्थान हासिल कर लिया और लाइव रेटिंग मे वह सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय है। अर्जुन के ईएलओ रेटिंग अंक2769 . 7 है और उन्होने इसमे 8 . 7 अंक का इजाफा किया है। उनसे आगे नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन, अमेरिका के हिकारू नकामूरा और फेबियानो कारूआना और रूस के इयान नेपोम्नियाशि है। वह इस सप्ताह लाइव रेटिंग मे 2771 . 2 अंक तक पहुंचे और विश्वनाथन आनंद के बाद यहां तक पहुंचने वाले दूसरे भारतीय है। मेट्ज फिशर शतरंज क्लब के लिए खेलने वाले एरिगेसी ने पांच मे से चार मैच जीते।

एआईएफएफ ने वरिष्ठ अधिकारी कामत के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के सहायक महासचिव और प्रतियोगिता निदेशक अनिल कामत का मंगलवार को यहां निधन हो गया। वह कुछ दिनों से बीमार थे। एआईएफएफ ने उनके निधन की जानकारी दी। गोवा के चिनचिनिम गांव के रहने वाले कामत लगभग 25 वर्षो से एआईएफएफ से जुड़े हुए थे। वह सीआरसी चिनचिनिम और सेलेक्ट फुटबॉल क्लब से अधिकारी के रूप मे जुड़े हुए थे। वह गोवा फुटबॉल संघ मे कार्यकारी समिति के सदस्य और संयुक्त सचिव भी रहे। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने उनके निधन पर शोक जताते हुए कहा, अनिल कामत के निधन से मै बेहद दुखी हूं।

कोहली पारी की शुरुआत करें, तीसरे नंबर पर उतरे यशस्वी : गावस्कर

भाषा। न्यूयॉर्क

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच में विराट कोहली को कप्तान रोहित शर्मा के साथ भारत के लिए पारी का आगाज करना चाहिए जबकि यशस्वी जायसवाल को तीसरे नंबर पर उतरना चाहिए। टी20 विश्व कप में कोहली के बल्लेबाजी क्रम को लेकर काफी चर्चा हो रही है। वह लंबे समय से सीमित ओवरों में तीसरे नंबर पर उतरते आए हैं। आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के लिए उन्होंने 15 मैचों में 741 रन बनाए। गावस्कर ने स्टार स्पोटर्स से कहा , रोहित शर्मा और विराट कोहली को पारी का आगाज करना चाहिए। यशस्वी जायसवाल को तीसरे नंबर पर उतरना चाहिए। उन्होंने कहा , चौथे नंबर पर सूर्यकुमार यादव, पांचवें नंबर पर ऋषभ पंत और छठे नंबर पर हार्दिक पंड्या को उतरना चाहिए। सातवें नंबर पर रविंद्र जडेजा और आठवें नंबर पर शिवम दुबे, नौवे नंबर पर कुलदीप यादव, दसवें पर जसप्रीत बुमराह और 11वें पर मोहम्मद सिराज।

यहां सब कुछ मेरे अनुकूल है : इंग्लैंड के सॉल्ट कैरेबियाई सरजमीं पर वापसी पर कहा

भाषा। ब्रिजटाउन (बारबाडोस)

इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट के लिए टी20 विश्व कप के लिए कैरेबियाई सरजमीं पर आना एक तरह से घर वापसी है। सॉल्ट 10 साल की उम्र में बारबडोस आए थे और पांच साल तक यहां रहे थे। इंग्लैंड की टीम ने 2010 में जब टी20 विश्व कप जीता तो वह दर्शक दीर्घा में मौजूद थे। सॉल्ट इसके बाद इंग्लैंड वापस चले गए और एक उभरते हुए खिलाड़ी के रूप में उनके पास वेस्टइंडीज के लिए भी खेलने का विकल्प था। सॉल्ट ने विश्व कप के लिए आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट से कहा, इस जगह की हर चीज मेरे लिए उपयुक्त है। काफी शांत, ढेर सारा क्रिकेट, ढेर सारा खेल और द्वीप पर मेरे बहुत सारे दोस्त हैं। इंग्लैंड की टीम बुधवार को स्कॉटलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी और दाएं हाथ के इस आक्रामक बल्लेबाज ने वनडे में पहली बार खेलने के छह महीने बाद जनवरी 2022 में अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। उन्होंने कहा, मैंने यहां इंग्लैंड को खेलते देखा (2010 टी20 विश्व कप) है, उन्हें जीतते हुए देखा। मुझे लगता है कि स्टेडियम में दर्शकों के बीच मौजूद हर बच्चा एक दिन खुद मैदान में खेलने का सपना संजोता है, मैं भी ऐसा ही करना चाहता था लेकिन उस दिन शायद कोई विश्वास नहीं करता। उन्होंने कहा, कुछ हासिल करने के जज्बे के साथ इंग्लैंड की जर्सी में यहां आना अविश्वसनीय है। उस दिन मैंने भी ट्रॉफी जीतने का सपना देखा था। उन्होंने कहा, जब भी मैं उस दिन के बारे में सोचता हूं तो यही बात हमेशा मेरे दिमाग में बनी रहती है। यह 27 साल का खिलाड़ी क्रेग कीस्वेटर और क्रिस गेल जैसे खिलाड़ियों को अपना आदर्श मानते हुए बड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, जब मैं बच्चा था, जो कोई भी गेंद को जोर से मारता था। मैं उन्हें यूट्यूब पर देखता था और उनका अनुकरण करने की कोशिश करता था।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।